RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 141
नई दिल्ली, रविवार, 28 मार्च, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

क्या नाट्य जैसा है सिनेमा?
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

बिस चुनाव: पहले चरण में बंगाल में बंपर वोटिंग

- राज्य की 30 सीटों के लिए 80 फीसदी वोट पड़े, छिटपुट हिंसा के बीच शांतिपूर्ण रहा मतदान
- 191 उम्मीदवारों के भाग्य का होगा फैसला

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में एक मतदान केंद्र पर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते लोग

कई जगहों पर छिटपुट हिंसा के बीच बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान शनिवार को समाप्त हो गया। इस दौरान करीब 80 फीसदी मतदान हुआ। इस चरण में राज्य की 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई, जिनके लिए 191 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पूर्व मेदिनीपुर में सर्वाधिक 82.51 प्रतिशत, इसके बाद झाड़ग्राम में 80.56 प्रतिशत, पश्चिम मेदिनीपुर में 80.12 प्रतिशत, बांकुड़ा में 79.90 प्रतिशत और पुरुलिया में 77.07 प्रतिशत मतदान हुआ। पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांठी दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं ने ईवीएम मशीनों में कथित रूप से खराबी आने पर एक मतदान केंद्र के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने माजना में मतदान केंद्र के बाहर सड़क बाधित की और आरोप लगाया कि वीवीपीएटी पर्चे में दिख रहा है कि उन्होंने जिस पार्टी के लिए मतदान किया है, उसके बजाए मत किसी अन्य पार्टी को पड़ा है। निर्वाचन आयोग के ने बताया कि हालात को नियंत्रण में करने के लिए घटनास्थल पर केंद्रीय बलों के दस्ते को भेजा गया और बाद में वीवीपैट मशीन को बदला गया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कड़ी सुरक्षा के बीच 30 सीटों पर मतदान हुआ, (शेष पेज 9)

असम में भी दिखा उत्साह, महिलाओं ने जमकर डाले वोट

पायनियर समाचार सेवा। गुवाहाटी

असम में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 47 सीटों के लिए शनिवार को हुए मतदान के लिए कुल पंजीकृत करीब 81.09 लाख मतदाताओं में से करीब 77 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान मतदान शांतिपूर्ण रहा। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने बताया कि राज्य में पहले चरण के मतदान में कोविड-19 संबंधी नियमों के सख्ती से पालन पर जोर रहा। इस चरण में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, विधानसभा अध्यक्ष (शेष पेज 9)

मोदी ने बांग्लादेश में खेला मतुआ कार्ड, रद्द हो उनका वीजा: ममता

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उनका वीजा रद्द किया जाना चाहिए, क्योंकि मतुआ कार्ड खेलकर उन्होंने अपने बांग्लादेश दौरे का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया है। बंगाल में शनिवार को ही पहले चरण का मतदान हुआ। जहां वोट डाले गए, वे ज्यादातर इलाके बांग्लादेश सीमा से लगते हैं। ममता ने कहा कि तृणमूल यह मुद्दा चुनाव आयोग के समक्ष उठाएगी। प्रधानमंत्री मोदी के बांग्लादेश में मतुआ समुदाय के धार्मिक नेता हरिचंद ठाकुर के जन्म स्थान ओराकांडी (शेष पेज 9)

बारह राज्यों के 46 जिलों से 71 फीसदी मामले

कोरोना की बढ़ती रफ्तार

- देश में 4,52,647 हुए सक्रिय केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना की दोबारा बढ़ती रफ्तार ने केंद्र सरकार की चिंता बढ़ा दी है। देशभर में इस समय 12 राज्यों के 46 जिलों से 71 प्रतिशत केस आ रहे हैं और कोरोना से 69 फीसदी मौतें भी इन्हीं जिलों में हो रही हैं। केंद्र ने संक्रमण बढ़ने का प्रमुख कारण कोविड नियमों की अनदेखी जैसे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करना और बीमारी के प्रति लापरवाही बरतना बताया है।

महामारी की चेन तोड़ने के लिए सरकार ने अधिक प्रभावित स्थानों पर सीधे तौर पर कार्रवाई करने, संक्रमण वाले क्षेत्रों को कम से कम 14 दिन का कंटेनमेंट जोन बनाने और कांटैक्ट ट्रेसिंग करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत में कुल सक्रिय मामलों की संख्या 4,52,647 हो गई है। वर्तमान में 3.8 फीसदी की दर से कोविड के मरीज बढ़ रहे हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 62,258 नए मरीज आए हैं, जो इस साल एक दिन में सर्वाधिक हैं। पिछले साल मई के बाद कोरोना मामलों में यह सबसे तेज उछाल है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण की अध्यक्षता में शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में इस मामले पर विचार-विमर्श किया गया।

इस उच्च स्तरीय बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और राज्यों मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, बिहार, हरियाणा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और कर्नाटक के प्रमुख सचिवों ने भाग लिया। इसमें नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल भी मौजूद थे। चिंताजनक पहलू यह है कि अतिसंवेदनशील 46 जिलों में से 36 जिले महाराष्ट्र के हैं। इन 36 में 25 जिलों में देश भर के कुल 59.6 फीसदी केस पिछले एक सप्ताह में आए हैं। देश में 90 प्रतिशत मौतें 45 साल से (शेष पेज 9)

टीकाकरण के बाद भी आ रहे संक्रमण के केस

- विशेषज्ञों के मुताबिक वैक्सीन सौ फीसदी सुरक्षा नहीं देती लेकिन टीके के बाद संक्रमण गंभीर नहीं होता
- वैक्सीनेशन के बाद भी कोविड नियमों का पालन है बेहद जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के कई हिस्से में टीकाकरण अभियान के जोर पकड़ने के बावजूद कोविड-19 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शनिवार को दो स्वास्थ्य कर्मियों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया, जबकि उनको वैक्सीन दी जा चुकी थी।

इसी तरह लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज (एसजीपीजीआई) के निदेशक प्रोफेसर राधा कृष्ण धीमान भी संक्रमित हो गए। प्रोफेसर धीमान फरवरी में टीके की दोनों खुराक ले चुके थे। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की जिसमें उन्होंने कहा कि वे और उनकी पत्नी डॉ. प्रवीणा दो दिन पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।

उन्होंने 16 जनवरी 2021 को कोविशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लिया था और 28 दिन के अंतराल पर 13 फरवरी को दूसरा डोज लगवाया था। इससे पहले लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल हॉस्पिटल के एक और डॉक्टर नितिन मिश्रा टीके की दूसरी खुराक लेने के बाद पॉजिटिव हो गए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन की सफलता की दर 70 से 75 फीसदी है। उनका (शेष पेज 9)

महाराष्ट्र में सभाओं पर रोक, मॉल व रेस्तरां का समय तय

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

कोरोना वायरस के मामलों में हाल में हुई बढ़ोतरी पर काबू करने के लिए जूझ रही महाराष्ट्र सरकार ने राजनीतिक और धार्मिक सहित सभी प्रकार की सभाओं के आयोजन पर पूर्ण प्रतिबंध की शनिवार को घोषणा की। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि रेस्तरां, उद्यान और मॉल रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि लोगों को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे के दौरान समुद्र तटों पर जाने की अनुमति नहीं होगी, ड्रामा थिएटर भी शनिवार रात से बंद रहेंगे। ये आदेश शनिवार की मध्यरात्रि से लागू होंगे। हालांकि, सरकार ने अपने नए दिशानिर्देशों में रात के समय खाने की डिलीवरी में छूट दी है। आदेश में कहा गया है, रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश 27 मार्च की मध्यरात्रि से लागू होगा।

उल्लंघन करने पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपए का जुर्माना लगेगा। उन्होंने कहा, बगीचों और समुद्र तटों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों को इसी अवधि के दौरान बंद रखा जाएगा और उल्लंघनकर्ताओं पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। मास्क न पहनने पर 500 रुपए का जुर्माना लगेगा जबकि सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर 1,000 रुपए (शेष पेज 9)

सितंबर तक आ सकती है नई वैक्सीन कोवोवैक्स

- सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ पूनावाला ने ट्वीट कर दी जानकारी, चल रहा क्लीनिकल ट्रायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने शनिवार को कहा कि भारत में कोविड-19 टीके कोवोवैक्स का नैदानिक परीक्षण (क्लीनिकल ट्रायल) शुरू हो गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस टीके को इस साल के सितंबर तक उतारा जा सकता है।

अगस्त, 2020 में अमेरिका की वैक्सीन कंपनी नोवावैक्स इंक ने एसआईआई के साथ लाइसेंस करार की घोषणा की थी। नोवावैक्स ने यह करार अपने कोविड-19 वैक्सीन कैंडिडेट एनवीएक्स-सीओ2373 के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए किया है। यह टीका भारत और निचले तथा मध्यम आय वर्ग के देशों को उपलब्ध कराया जाएगा।

पूनावाला ने ट्वीट किया, कोवोवैक्स का भारत में परीक्षण शुरू हो गया है। इस वैक्सीन का विकास नोवावैक्स और सीरम इंस्टीट्यूट के द्वारा भागीदारी में किया जा रहा है। इस टीके का अफ्रीका और ब्रिटेन में कोविड-19 (शेष पेज 9)

अवकाश

होली के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में दिनांक 28 और 29 मार्च 2021 को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 31 मार्च 2021 को प्रकाशित होगा।

बाजार

सेंसेक्स	49,008	
निफ्टी	14,507	
सोना	44,081	/10g
चांदी	64,276	/kg

क्विक न्यूज

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले मे शनिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के वनगाम इलाके में यह मुठभेड़ हुई। उसने बताया कि अभियान में अबतक एक आतंकवादी मारा गया है लेकिन उसकी पहचान नही हो पाई है। पुलिस के अनुसार अभियान अभी जारी ही है और ब्योरे की प्रतीक्षा है।

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री भारत के दौरे पर

आगरा। भारत दौरे पर आए दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री सुह वूक ने यहां भारतीय सेना के पैराटूपर के अभ्यास का जायजा लिया। वूक द्विपक्षीय रक्षा एवं सैन्य सहयोग को बढ़ाने के मकसद से तीन दिवसीय यात्रा के तहत बृहस्पतिवार को भारत पहुंचे। भारतीय थलसेना प्रमुख एमएम नरवणे ने भी करीब आधा घंटा चले इस अभ्यास का निरीक्षण किया। इस अभ्यास में 25 पैराटूपर ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास के दौरान पैराटूपर ने कॉम्बैट फ्री फॉल का प्रदर्शन किया। उन्होने करीब 12,000 फुट की ऊंचाई से विमान से छलांग लगाई। इसके बाद करीब 80 पैराटूपर ने स्टैटिक लाइन कूद का प्रदर्शन किया।

भारत-बांग्लादेश के बीच हुई कई समझौते

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी समकक्ष शेख हसीना से की मुलाकात

भाषा। ढाका

ढाका में पीएम नरेंद्र मोदी अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना को कोरोना रोधी टीका सौंपते हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना से मुलाकात की और संपर्क, ऊर्जा, कारोबार, स्वास्थ्य तथा विकासात्मक सहयोग जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की जिसके बाद दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों से जुड़े पांच सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए। कोरोना वायरस महामारी शुरू होने के बाद से मोदी का यह पहला विदेश दौरा है। उन्होंने हसीना के साथ पहले में बातचीत की जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता हुई जो करीब एक घंटे तक चली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने वार्ता के बाद ट्वीट किया, संबंध मजबूत से और मजबूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने स्वास्थ्य, व्यापार, संपर्क, ऊर्जा, विकासात्मक सहयोग और कई अन्य क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की। दोनों देशों ने संपर्क, वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और खेल जैसे क्षेत्रों से संबंधित पांच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया।

मानवीय पहलू के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी समकक्ष हसीना को 109 एबुलेंस की प्रतीकात्मक चाभी भी सौंपी। उन्होंने हसीना को (शेष पेज 9)

दोनों ही देश स्थिरता, प्रेम और शांति चाहते हैं: मोदी

ढाका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और बांग्लादेश विश्व में अस्थिरता, आतंक और अशांति की जगह स्थिरता, प्रेम एवं शांति चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देश अपने विकास से विश्व को प्रगति करते देखना चाहते हैं। मतुआ सम्प्रदाय (शेष पेज 9)

मृत्युपूर्व बयान को स्वीकार या खारिज करने का कोई सख्त मानक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मृत्युपूर्व दिए गए बयान को स्वीकार या खारिज करने के लिए कोई सख्त पैमाना या मानदंड नहीं हो सकता। मृत्युपूर्व दिया गया बयान अगर स्वेच्छा से दिया गया है और यह विश्वास करने योग्य हो तो बिना किसी और साक्ष्य के भी दोषसिद्धि का आधार हो सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर ऐसे विरोधाभास हैं, जिनसे मृत्युपूर्व बयान की सत्यता और विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है तब आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की एक पीठ ने अपने फैसले में यह बात कहते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के 2011 के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला पर अत्याचार (शेष पेज 9)

दिल्ली में बिना पंजीकरण शाम 3 से रात 9 बजे तक लगेगा टीका

- अफवाहों पर ध्यान न दें, लॉकडाउन नहीं लगेगा : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में बिना पंजीकरण कराए शाम 3 बजे से रात 9 बजे तक कोरोना टीका लगवाया जा सकता है। इससे पहले, टीकाकरण का समय सुबह 9 से शाम 5 बजे तक था, जिसे बढ़ाकर सुबह 9 से रात के 9 बजे यानी 12 घंटे तक कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री (शेष पेज 9)

अंतिम संस्कार में 50, शादी में 100 लोग ही करेंगे शिरकत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए शादियों और अन्य समारोहों में मेहमानों की संख्या सीमित कर दी गई है। खुले स्थान पर होने वाले शादी-समारोह आदि में 200 और बंद बारातघरों में सिर्फ 100 लोग ही शिरकत (शेष पेज 9)

नहीं जलेंगे ओवरलोड ट्रांसफार्मर, बैटरी संभालेगी बोझ

- चिलचिलाती गर्मी में पेश आने वाली समस्या होगी दूर, बिजली की खपत कम होने पर बैटरी होगी चार्ज
- रानीबाग में पहला यूटिलिटी स्केल स्टोरेज सिस्टम शुरू
- दस साल तक चलेगी सस्ती लिथियम बैटरी, प्रदूषण भी होगा कम

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली को राहत

भीषण गर्मी में दिल्ली वालों को अब बिजली कटौती नहीं झेलनी पड़ेगी। सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि मांग बढ़ने पर विद्युत लोड ट्रांसफार्मर से बैटरी पर आ जाएगा। इससे न तो ट्रांसफार्मर फूंकेगा, न ही ग्रिड फेल होने का खतरा रहेगा और बिजली आपूर्ति बेरोकटोक जारी रहेगी। दिल्ली सरकार ने बैटरी आधारित देश का पहला यूटिलिटी स्केल स्टोरेज सिस्टम शुरू किया है। यह ऐसी तकनीक है जिससे खपत ज्यादा होने पर भी बिजली आपूर्ति बनी रहेगी और कम होने पर बैटरी चार्ज होगी। इसका बड़ा फायदा यह भी होगा कि यह तकनीक जेनरेटर की जरूरत को खत्म कर देगी, जो ध्वनि और वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बनता है।

दिल्ली के रानीबाग में पहले यूटिलिटी स्केल स्टोरेज सिस्टम का उद्घाटन करते ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन।

अस्पतालों के लिए बैटरी स्टोरेज सिस्टम फायदेमंद

अस्पताल समेत जरूरी सेवाएं मुहैया कराने वाले कई संस्थान बैकअप के लिए जेनरेटर लगाते हैं, लेकिन प्रदूषण के कारण दिल्ली में ज्यादातर समय जेनरेटर पर पाबंदी रहती है। अब सभी जेनरेटर को यूटिलिटी स्केल स्टोरेज सिस्टम से तब्दील किया जा सकता है। वह चाहते हैं कि लोग इस तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें।

दिल्ली सरकार के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने (शेष पेज 9)

यीडा बसाएगा सपनों की ग्रीन सिटी

प्राधिकरण ने खाका खींचने के लिए किया कंपनी का चयन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ग्रीन सिटी नाम से एक नया शहर बसाने की योजना पर काम कर रहा है। यह नया शहर 15 सौ हेक्टेयर में बसाया जाएगा। इसका खाका खींचने के लिए कंपनी का चयन कर लिया गया है। नए शहर की खास बात यह होगी कि यहां के कुल क्षेत्रफल के 50 फीसदी में पेड़-पौधे और हरियाली रहेगी। इसलिए इस शहर में रहने के खास अनुभव मिलेगा। यीडा ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की परिधि के बाहर और 10 किलोमीटर के दायरे में ग्रीन सिटी बसाने का प्लान बनाया है।

बताते चलें कि जेवर एयरपोर्ट का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए कागजी प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है। इसी अप्रैल-मई में इसकी नींव रखी जा सकती है। एयरपोर्ट बनने की वजह से यमुना सिटी में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। आवासीय, औद्योगिक, व्यावसायिक और शैक्षणिक संस्थान यहां जमीन की तलाश में हैं। प्रस्तावित फिल्म सिटी की वजह से भी निवेशकों को बल मिला है। इसे देखते हुए यीडा ने एयरपोर्ट की परिधि के बाहर और 10 किलोमीटर के दायरे में ग्रीन सिटी बसाने का प्लान बनाया है। प्राधिकरण ने सरकारी एजेंसी अर्नेस्ट एंड यंग को इस कार्य के लिए चुना है। यह एजेंसी दो महीने में रिपोर्ट तैयार कर प्राधिकरण को सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर ग्रीन सिटी परियोजना परवान चढ़ेगी। नए ग्रीन सिटी में हरियाली राष्ट्रीय मानक 33 फीसदी से ज्यादा, करीब 50 फ ीसदी रहेगी। मतलब महज 50 फीसदी क्षेत्र पर नया शहर बसेगा। इस ग्रीन सिटी में औद्योगिक कार्यों की इजाजत नहीं रहेगी। इससे प्रदूषण भी कम होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे पर लगा लंबा जाम

होली पर एनसीआर से घर लौटना हुआ मुश्किल, लोग हुए हलकान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लोग होली के त्यौहार पर अपने घर वापस लौट रहे हैं। जिसके चलते सड़कों पर भारी भीड़ है। यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए ग्रेटर नोएडा से मथुरा-आगरा जाने वाले हजारों मुसाफि र शनिवार सुबह से ही जेवर टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों में फंसे रहे। जेवर टोल प्लाजा पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफि क जाम लगा रहा। सुबह गंतव्य को निकले लोग दोपहर तक गौतमबुद्धनगर जिले के दायरे से भी नहीं निकल पाए थे। परेशान यात्री इसकी शिकायत सोशल मीडिया के जरिए केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से की। साथ ही यमुना एक्सप्रेसवे पर अब तक फ ास्टैग नहीं लगने को लेकर सवालिया निशान उठाया।

जाम में फंसे लोगों का कहना था कि तेज सुविधा देने के लिए फास्टैग शुरू की गई थी, लेकिन देश के पहले एक्सप्रेसवे पर हजारों वाहन टोल प्लाजा पर खड़े हैं। खबर लिखे जाने तक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया था। हजारों गाड़ियां अब भी लाइन में लगी हुई थी।

बताते चलें कि ग्रेटर नोएडा से आगरा तक यात्रा बेहद राहत और सुकून भरा रहता है। देश का पहला एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे मुसाफिरों को बेहतरीन सफर के लिए आकर्षित करता है। लेकिन शनिवार की सुबह हजारों यात्री जाम में ऐसे फंसे कि उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था। जेवर टोल प्लाजा पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। व ऐसे में लोगों को परेशानियों से दो-चार होना पड़ा। जाम में फंसे लोग इसके लिए टोल प्रबंधन को भी जिम्मेदार ठहरा रहे थे।

जेवर टोल प्लाजा पर लगी वाहनों की लंबी कतारें। फोटो : दीपक यादव

सादगी और सावधानी से मनाएं होली : अरोड़ा

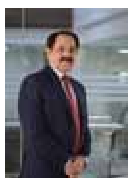

गाजियाबाद। वरिष्ठ समाजसेवी, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ पी एन अरोड़ा ने इस बार कोरोना वायरस के पुन: बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर होली न मनाने का निर्णय लिया है।

साथ ही उन्होंने जनता से अपील की है कि वह इस होली पर विशेष ध्यान रखें और जहां तक हो सके सामाजिक दूरी बनाकर रखें और होली सादगी एवं सावधानी से अपने घर पर ही मनाएं। उन्होंने कहा कि संक्रमण दोबारा तेजी से वापस आ गया है ऐसे में सावधानी जरूरी है।

होली और पंचायत चुनाव को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- अवैध शराब की बिक्री पर रहेगी खास नजर

पंचायत चुनाव तथा होली के त्योहार पर अवैध शराब की बिक्री, तस्करी और जहरीली शराब से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी ने सहायक पुलिस आयुक्त बिसरख, दादरी, पुलिस और आबकारी निरीक्षक सर्किल तथा अनुज्ञापियों के साथ बैठक की।

एसडीएम अंकित कुमार ने कहा कि पंचायत चुनाव और होली के त्यौहार पर सभी अनुज्ञापी दुकानों से वैध शराब की बिक्री करें। साथ ही लोगों से अपील की है की क्षेत्र में कहीं पर भी अवैध शराब की बिक्री हो रही हो तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दें। जिससे कि अवैध शराब पर रोक लगाई जाए।

उन्होंने जहरीली शराब से होने वाले नुकसान से भी अनुज्ञापियों को अवगत कराया गया। एसडीएम ने कहा कि अगर कोई भी अनुज्ञापी शराब की दुकान पर नकली शराब की बिक्री करता पाया जाता है तथा किसी कर्मचारी के अवैध शराब के मामले में लिप्त होने की सूचना मिलती है तो कार्रवाई की जायेगी।

रैपिड रेल के गोदाम में दिनदहाड़े लूट का प्रयास

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड पर रैपिड रेल कॉरिडोर निर्माण प्रोजेक्ट के गोदाम में शनिवार को लगभग आधा दर्जन बदमाशों ने धावा बोलकर वहां रखे सामान को लूटने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच प्रोजेक्ट पर काम कर रहे मजदूरों ने हिम्मत दिखाई और उन्हें चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया। इसी बीच पांच बदमाशों को पकड़ कर मजदूरों ने पुलिस को सौंप दिया बाकी दो अन्य बदमाश भागने में कामयाब रहे।

पुलिस अधीक्षक देहात डॉक्टर इलाज राजा ने पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा रही है और फरार अन्य बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमों को भेजा गया है।

कोरोना वैक्सीन लगवाने के बाद प्रमाणपत्र जरूर लें लोग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- प्रमाणपत्र के आधार पर ही दी जाएगी टीके की दूसरी डोज

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोरोना का पहला टीका लगने के समय ही अस्पताल से प्रमाण पत्र लेना चाहिए। यह प्रमाण पत्र हार्डकॉपी या ऑनलाइन नि:शुल्क लिया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनके गुप्ता ने बताया कि यदि कोई अस्पताल नि:शुल्क प्रमाणपत्र देने में आनाकानी करे, तो इसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 1075 पर की जा सकती है।

सरकार द्वारा कोरोना टीकाकरण को लेकर जारी की गई नई गाइड लाइन के अनुसार एक अप्रैल से 45 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। इसके तहत 1 जनवरी 1977 से पहले जन्मे सभी लोगों को टीकाकारण अभियान में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोग कोविन पोर्टल पर पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराकर या टीकाकरण केंद्र पर तत्काल पंजीकरण कराकर कोरोना का टीका लगवा सकते हैं। इसके बाद उन्हें टीकाकरण का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हिंडन पार क्षेत्र में चल रहे इंट्रा टीएनएम टैलेंट लीग के दूसरे दिन खेले जा रहे एक मैच का दृश्य।

इंट्रा टीएनएम टैलेंट लीग में खेले गए दो मैच

गाजियाबाद। हिंडन पार क्षेत्र के इंदिरापुरम स्थित टीएन मेमोरियल मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंट्रा टीएनएम टैलेंट लीग में दूसरे दिन दर्शकों को चौके और छक्कों की आतिशी पारी देखने को मिली। शनिवार को दो महत्वपूर्ण मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला टीएनएम किंग और टीएनएम रॉयल के बीच खेला गया। रॉयल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। किंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 302 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। टीम की ओर से कप्तान कीर्तिवर्धन ने 67 गेंद में 87 रन की सर्वाधिक पारी खेली। वहीं कुशाग्र ने 44 गेंद में 40 रन और निहित 48 गेंद में 36 रन बनाए। उधर, रॉयल के गेंदबाज पवन ने 8.2 ओवर में 43 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और कार्तिक ने 10 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट प्राप्त किए।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सघन जनसंपर्क

नोएडा। प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने विगत 7 दिनों से चल रहे कार्यक्रमों की कड़ी में 25 मार्च और 26 मार्च को बिसरख मंडल के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र के ग्रामीण तथा सोसाइटीओ के इलाकों में सघन जनसंपर्क किया गया तथा लोगों को सरकार द्वारा विगत 4 वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में पत्रक के माध्यम से जानकारी दी गई। मीडिया प्रभारी आशीष दुबे ने बताया कि बिसरख मंडल भाजपा अध्यक्ष रवि भदौरिया के निर्देश पर सभी पदाधिकारियों मुख्यत: जितेन्द्र सेन जीतू, आदित्य भटनागर, दिनेश बेनीवाल, मुकेश चौहान, शिखा शर्मा, अश्विनी पटेल, सौरभ शर्मा के साथ सभी सोसाइटी टीमों ने इस अभियान में अपना योगदान दिया। इसी के साथ सभी लोगों से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर सतर्कता बरतते हुए होली का त्यौहार मनाने की अपील की गई।

नोएडा में संक्रमण के 42 नए केस मिले

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में शनिवार को कोविड-19 के 42 नए मामले आए, जो इस साल एक दिन में सामने आए सर्वाधिक मामले हैं। स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार सुबह तक कोरोना वायरस से संक्रमित 42 मरीज पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित 15 और मरीज उपचार के दौरान ठीक हो गए, जिन्हें 24 घंटे के अंदर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

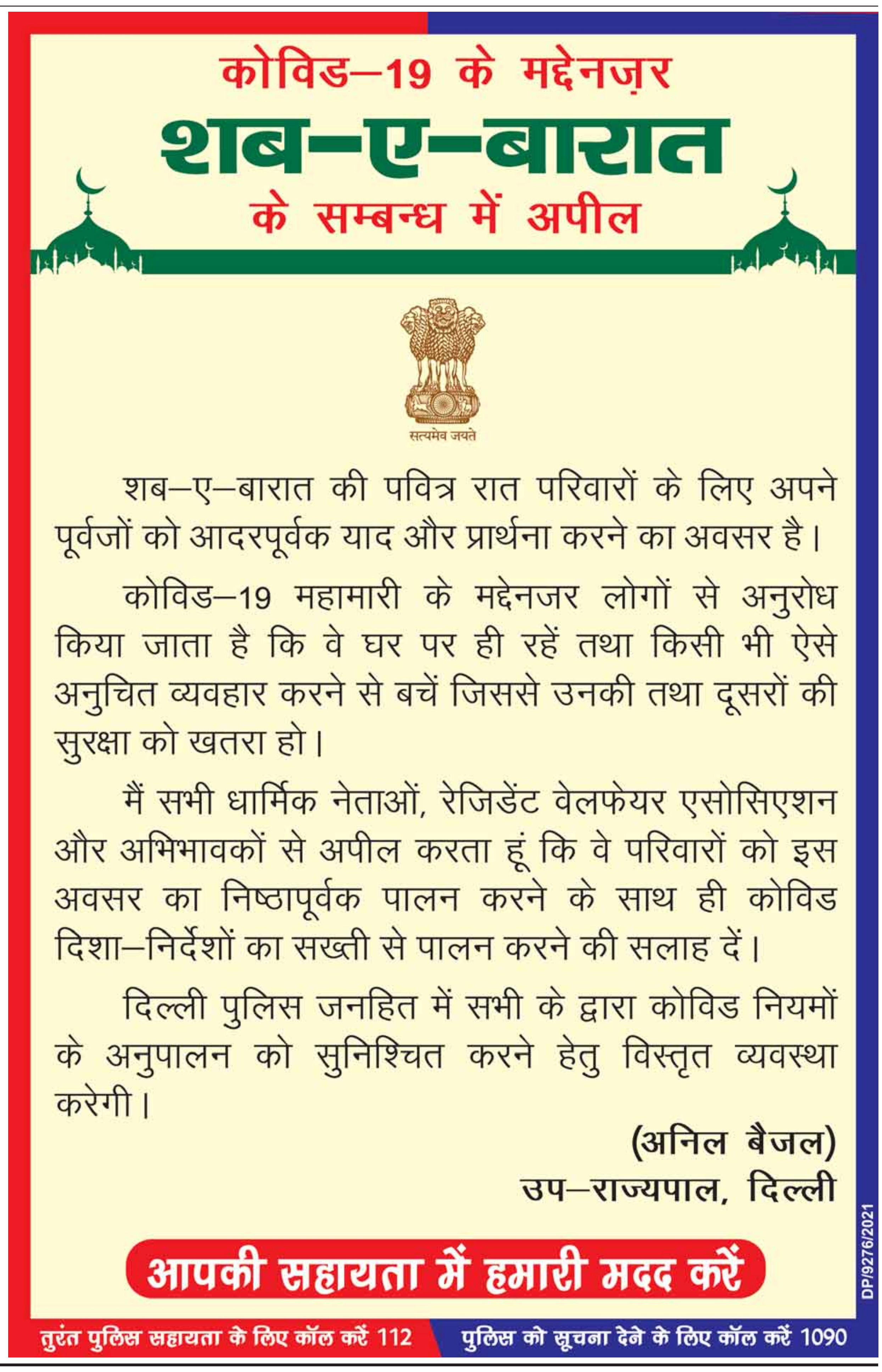

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

दिल्ली में सार्वजनिक रूप से होली खेलने वालों पर कार्रवाई

डीएम के नेतृत्व में गठित टीमें रखेंगी पैनी नजर : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सत्येंद्र जैन

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस का संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। संक्रमण फैलने से रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने लोगों से होली का त्योहार सार्वजनिक स्थल पर नहीं मनाने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि त्योहार अपने परिवार में ही खुशी पूर्वक मनाएं। ऐसे कार्यक्रम न करें, जिससे कोरोना का विस्फोट हो जाए। सार्वजनिक रूप से होली मनाने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए डीएम की नेतृत्व में सभी जिलों में टीमें गठित की गई हैं।

सत्येंद्र जैन ने मीडिया से बातचीत में शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए रोजाना 90 हजार तक जांच कर रही है। यह देश की जांच औसत से 5 गुना अधिक है। दिल्ली में बाहर से आने वाले लोगों की जांच के लिए रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा पर रैंडम टेस्टिंग की जा रही है।

केस बढ़ने के ठोस कारण का पता नहीं

स्वास्थ्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के ठोस कारण का अभी पता नहीं चल सका है। एक सप्ताह तक निगरानी करने पड़ेगी कि इसके बाद क्या होता है, क्योंकि सही आंकलन करने में एक सप्ताह लग जाते हैं। गत तीन-चार महीने तक कोरोना की स्थिति बहुत अच्छी थी और सभी लोग कोविड को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से पालन कर रहे थे। पिछले 10-15 दिनों से लग रहा है कि लोग दिशा-निर्देशों का पालन करने में लापरवाही बरत रहे हैं। इसलिए सरकार सभी लोगों से कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील करने के साथ उन पर सख्ती भी बरत रही है। लोगों को मास्क लगाने, सामाजिक दूरी का पालन, हाथ धोने समेत बचाव के सभी उपायों का शत प्रतिशत पालन करना चाहिए।

कोविड अस्पतालों में 80 प्रतिशत बेड खाली

कोविड अस्पतालों में अभी पर्याप्त बेड उपलब्ध हैं। अभी केवल 20 फीसदी तक बेड पर मरीज हैं और 80 फीसदी बेड खाली हैं। अगर मरीजों की संख्या बढ़ती है तो बेड बढ़ा देंगे। फिलहाल अभी बेड बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

त्योहारों को लेकर अगले तीन दिन तक पुलिस रहेगी सख्त

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए अधिकारियों से बातचीत करते पुलिस आयुक्त।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

होली और शब-ए-बारात पर हुड़दंग करने व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से दिल्ली पुलिस सख्ती से निपटेगी। शनिवार से अगले तीन दिनों तक अहम चौराहों पर विशेष जांच दल तैनात रहेंगे।

यातायात पुलिस ने दोपहिया वाहन सवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से व्यापक इंतजाम किए हैं। उसने सभी तरह के वाहन चालकों से नियमों को नहीं तोड़ने की व सार्वजनिक स्थानों पर होली नहीं खेलने का अनुरोध किया है।

इस बीच पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि बल की अधिकतम गश्त सुनिश्चित करें और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर डीडीएमए के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राजधानी की कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के साथ ही अपराधिक घटनाओं व अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी जायजा लिया।

लगातार तीसरे दिन 15 सौ से ज्यादा केस

नई दिल्ली। राजधानी में लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी कोविड-19 महामारी के 15 सौ से ज्यादा नए केस दर्ज किए गए हैं जबकि 10 और लोगों की मौत हुई है, जो पिछले ढाई महीने में सबसे ज्यादा है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में एक दिन में 1,558 नए मामले आने के बाद संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,55,834 हो गई है जबकि 6.38 लाख से ज्यादा मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। इससे पहले 15 दिसंबर, 2020 को 1,617 सबसे ज्यादा नए मामले आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या शुक्रवार को 6,051 थी, जो बढ़कर 6,625 हो गई है। वहीं, संक्रमण की दर 1.70 प्रतिशत है। दिल्ली में संक्रमण की दर शुक्रवार को 1.80 प्रतिशत थी जबकि बृहस्पतिवार को 1.69, बुधवार को 1.52, मंगलवार को 1.31, सोमवार को 1.32 और रविवार को 1.03 फीसदी थी। शनिवार को संक्रमण से और दस लोगों की मौत हुई।

होली के दिन ढाई बजे के बाद कर सकेंगे मेट्रो की सवारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रंगो के त्योहार होली के दिन मेट्रो सेवा दोपहर ढ़ाई बजे के बाद दौड़ेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने बताया कि 29 मार्च को किसी भी रूट पर 2.30 बजे के पहले मेट्रो नहीं चलेगी।

उन्होंने यह भी कहा है कि सोमवार को रैपिड मेट्रो और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की सेवा भी बंद रहेगी। होली के दिन हर साल डीएमआरसी आधे दिन के बाद ही मेट्रो सेवा की शुरुआत करता है।

कोविड प्रोटोकाल का होगा कड़ाई से पालन

कोरोना के बढ़ते केस देखते हुए डीएमआर ने भी सख्ती करने का फैसला किया है। डीएमआरसी के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने अपील की है कि यात्रा करते समय कोविड से संबंधित प्रोटोकॉल का पालन करें। नियमों का पालन नहीं करने वालों का चालान काटा जाएगा।

दूसरी जाति व धर्म में शादी करने वालों की सुरक्षा करेगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रदेश सरकार ने एसओपी जारी कर विशेष प्रकोष्ठ गठित करने का निर्देश दिया

दिल्ली सरकार ने दूसरे धर्म और अंतर जातीय (अलग अलग जातियों के) में शादी करने वाले जोड़ों की सुरक्षा करेगी। प्रदेश सरकार इन जोड़ों के उत्पीड़न और धमकियों से बचाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। ऐसे मामलों को देखने के लिए पुलिस उपायुक्तों की अगुवाई में विशेष प्रकोष्ठ गठित करने का निर्देश दिया है।

इस एसओपी के मुताबिक, सरकार ऐसे जोड़ों को अपने सुरक्षित गृहों में आवास मुहैया कराएगी जिनके रिश्तों का उनके परिवार, या स्थानीय समुदाय या खाप विरोध कर रहे हैं। उत्तरी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में सरकारी आवासीय क्षेत्र में सुरक्षित गृह स्थापित किया है, जिसमें अधिकतम तीन जोड़े रह सकते हैं।

सेप्टिक टैंक मामले में 4 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

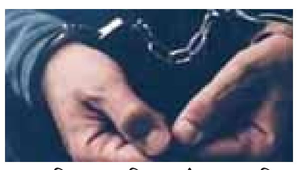

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर स्थित बैंक्वेट के सेप्टिक टैंक को साफ करने के दौरान कथित तौर पर जहरीली गैस की चपेट में आने से दो श्रमिक की मौत के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों की पहचान हाउसकीपिंग कर्मी राहुल, महाप्रबंधक आमिर खान और सभागार के दो निदेशकों जोहित उर्फ जिमी अरोड़ा और गिरीश महेंद्रु को शुक्रवार रात पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत हाथ से मैला ढोना निषेध और पुनर्वास अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि त्रिलोकपुरी के रहने वाले लोकेश और प्रेमचंद बृहस्पतिवार शाम को टैंक की सफाई के लिए उसके भीतर गए थे लेकिन वह बाद में वहां मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण पहनने के लिए नहीं दिया गया था।

प्रदूषण पर लगा अंकुश, गिरा पीएम 2.5 का स्तर

पर्यावरण पर जारी एक रिपोर्ट में दावा, हर वर्ष सुधर रही आबोहवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की आबोहवा पहले के मुकाबले काफी साफ हुई है। यहां बेहद घातक पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम 2.5 का स्तर गिरा है। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई) की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लंबे समय से देखी जा रही प्रवृत्ति से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण पर अंकुश लगा है और पीएम 2.5 का वार्षिक स्तर हर साल गिर रहा है।

कैपिटल गेन्स- क्लीन एयर एक्शन इन दिल्ली-एनसीआर : व्हाट नेक्स्ट शीर्षक की इस रिपोर्ट में एक रूपरेखा दी गई है कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण कम करने के लिए क्या करना चाहिए। इसमें उठाए जाने वाले कदमों में खेती के तरीके में बदलाव से लेकर कम पराली जलाने की बात की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014-15 से अब तक तीन साल का औसत कम हुआ है। हालांकि इस गिरावट के बावजूद दिल्ली को वायु गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरने के लिए पीएम 2.5 में सालाना 60 प्रतिशत से अधिक की कटौती करने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक क्षेत्र में गैस तेल और पेट्रोलियम कोक पर प्रतिबंध के बाद कोयले के स्थान पर भी स्वच्छ ईंधन का इस्तेमाल करने की आवश्यकता है। दिल्ली ने सबसे महत्वाकांक्षी स्वच्छ ईंधन नीति लागू की है, लेकिन यदि एनसीआर के औद्योगिक क्षेत्र में अब भी कोयला जलता रहा तो हवा स्वच्छ नहीं हो सकती।

इसमें कहा गया कि कोयला आधारित थर्मल ऊर्जा संयंत्रों के लिए 2015 के उत्सर्जन मानकों को 2022 तक समयबद्ध रूप से पूरा करना होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली ने डीजल ट्रकों का प्रवेश बंद करने को लेकर अच्छा काम किया है। इसमें कहा गया है, एनसीआर के शहरों को भी भारी यातायात कम करने के लिए अच्छी तरह सोची समझी एक रणनीति तैयार करने की जरूरत होगी।

रेल भवन में लगी आग पर काबू पाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को रेल भवन के एक कमरे में मामूली आग लग गई। हालांकि समय रहते दमकल विभाग ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि शाम करीब छह बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद आठ दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेल भवन के कमरा नंबर 451 में आग लगी और कई चीजों को नुकसान पहुंचा। उनके अनुसार संदेह है कि कंप्यूटर की वजह से आग लगी।

'एक बमुश्किल दिया जलाता हूं' दिल छूने वाला गजल संग्रह

पुस्तक समीक्षा

अध्यात्म, योग और आयुर्वेद की गहन जानकारी रखने वाले बहुआयामी प्रतिभा के धनी दीपक कश्यप की नवीन रचना 'एक बमुश्किल दिया जलाता हूं' (ईबीडीजेएच) गजल संग्रह है। जो इस विधा की दुर्लभ रचना में से एक है, जो जिंदगी और अनुभवों के हर पहलू को स्पर्श करता है।

दीपक कश्यप उर्दू के शायर हैं, उनकी गजल में गहराई और एक दृष्टि है। पटना विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के छात्र रहे दीपक अपने किशोरावस्था से ही गजल और मौसकी की समझ रखते हैं। पॉकेट साइज में प्रकाशित उनकी नज्मों का संग्रह 'एक बमुश्किल दिया जलाता हूं' है, इसमें 91 पेज में 47 गजल और नज्म हैं।

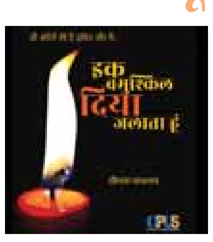

दीपक कश्यप

पेज दर पेज पलटते हुए आप खुद को गजल की लहरों पर सवार पाएंगे, एक-एक नज्म का एहसास आपके जेहन में समाकर एक नई दुनिया में ले जाएगी। इसमें प्रेम, रोग, तड़प, कशिश, आशा, निराशा, लालसा, उन्माद, मोहभंग जैसी भावनाओं से हर नज्म एक नया एहसास कराएगी। इस पुस्तक में जीवन यात्रा के आध्यात्मिक खोज के साथ सभी लक्ष्यों को आत्मसात किए हुए है।

कश्यप ने अपनी गजलों को उर्दू की कठिन भाषा के प्रयोग से बचाते हुए सरल हिंदुस्तानी बोली का प्रयोग कर अद्भुत रचना किया है। पूरी पुस्तक पढ़ने के बाद आप को लगेगा कि जैसे हर नज्म एक मोती है और पुस्तक मोतियों की माला।

दीपक कश्यप ब्यूरोक्रेट होने के साथ योग साधक भी हैं। अंग्रेजी में लेखन के बाद इन्होंने उर्दू में शायरी शुरू की जो बेहद कशिश के साथ रुहानियत समेटे हुए है। इससे पहले उन्होंने अंग्रेजी में योग : एनाटमी एंड द जर्नी विदइन पुस्तक लिखी जिसके कई संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं। इस पुस्तक को रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रशंसा मिलने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

किताब का शीर्षक : 'एक बामुश्किल दिया जलाता हूं' लेखक : दीपक कश्यप, प्रकाशक : ओपीयूएस (OPUS), मूल्य : 390 रुपये, पिछली किताबें : योग : एनॉटमी एंड द जर्नी विदइन

समीक्षा : अजीत कुमार तिवारी

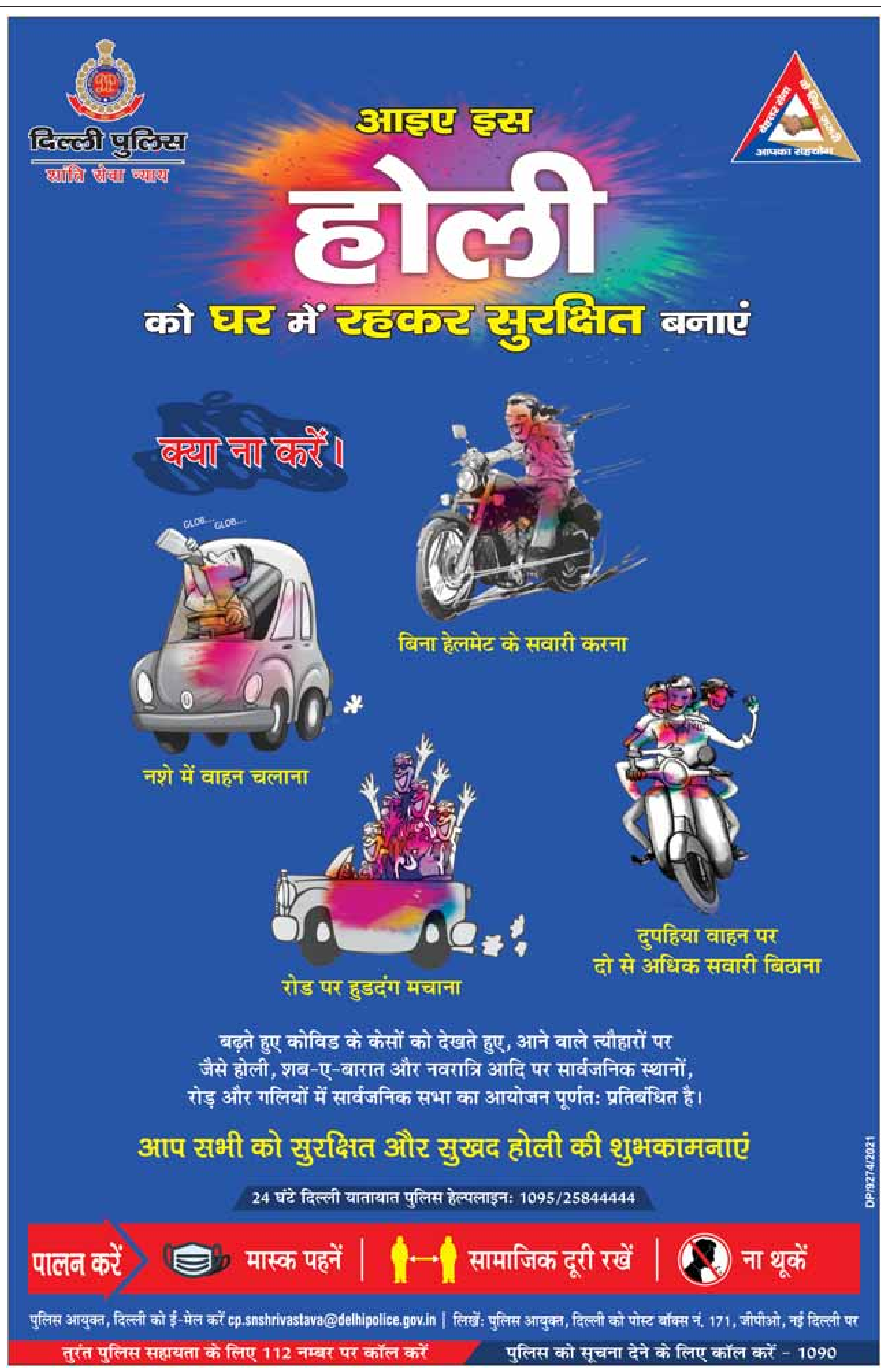

सर्व समाज को एकजुट होकर रहना जरूरी : डीपी गोयल

अशोक विहार फेस-1 में किया अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा के कार्यालय का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा पंजीकृत के कार्यालय का उद्घाटन अशोक विहार फेस-1 में भारतीय रेलवे बोर्ड के सदस्य एवं कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. डीपी गोयल व सिग्नेचर सतवा के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने किया। इस मौके पर होली मिलन समारोह भी मनाया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। सामाजिक कार्यों में अग्रणी लोगों को यहां सम्मानित भी किया गया।

अपने संबोधन में डा. डीपी गोयल ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं का यह दायित्व होना चाहिए कि वे अपने समाज के साथ-साथ सर्व समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखें। हमारे इन छोटे-छोटे प्रयासों से ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संगठन अच्छी तरह से संगठित हो। डॉ. डीपी गोयल ने स्वास्थ्य को लेकर कहा की अभी कोरोना खत्म नहीं हुआ है, इसलिए थोड़ा संभल कर रहें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, हैंड सैनिटाइज करें और मास्क का इस्तेमाल करें।

सिगनेचर सतवा के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि संगठन अच्छा प्लेटफार्म है, जिसमें हम पूरे हरियाणा व देश से जुड़ सकते हैं। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि हम सभी को साथ लेकर चल सकेंगे। सर्व वैश्य एकता महासभा के हरियाणा प्रदेश महामंत्री कपिल गर्ग रतेरिया ने कहा की हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों को एकत्रित करना है। इसके माध्यम से हम उनके सुख में दुख में एक दूसरे के काम आ सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक अमित गुप्ता ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि हम सभी वैश्य समाज को एक साथ संगठित कर सकें।

अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा के प्रदेश महामंत्री कपिल गर्ग रतेरिया, गुरुग्राम जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, जिला2 महामंत्री मयंक गर्ग, जिला उप-महामंत्री संतोष कुमार अग्रहरि, कार्यक्रम संयोजक अमित गुप्ता, गुरुग्राम महिला जिला अध्यक्ष बबीता गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष अतुल कुमार मोदी, जिला उपाध्यक्ष गिरिराज लखोटिया, विधानसभा अध्यक्ष पारस मित्तल, गुरुग्राम जिला मीडिया प्रभारी गौरव गर्ग मौजूद रहे।

गुरुग्राम के अशोक विहार फेस-1 में अखिल भारतीय वैश्य एकता महासभा के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर एकजुटता का संदेश देते अतिथि।

ग्रांड प्रकाश में आयोजित होली मिलन समारोह में मस्ती करते रोटरी क्लब पलवल के सदस्य।

आज होगा तीनों काले कानूनों का दहन

गुरुग्राम। किसानों की मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह, आरएस राठी, गजे सिंह कबलाना तथा बीरू सरपंच ने कहा है कि 28 मार्च को होली पर तीनों काले कानूनों की प्रतियों का दहन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि तीनों काले कानूनों के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है। आज जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता से सीधा संवाद भी नहीं कर सकते। जनता चुने हुए प्रतिनिधियों को गांवों में भी नहीं घुसने दे रही। कहा कि सरकार को जनता के आक्रोश को देखते हुए तीनों काले कानूनों को रद्द कर देना चाहिए। धरने पर जयप्रकाश रेहडू, ऊषा सरोहा, पवन नेहरा, रेखा यादव, अरूण शर्मा एडवोकेट, विजय यादव, कमांडेंट सत्यवीर सिंह धोंचक, बलवान सिंह दहिया, सतीश कुमार कादीपुर, योगेश्वर दहिया, मुकेश डागर, डॉ. सारिका वर्मा, मनोज झाड़सा, योगेन्द्र सिंह समसपुर, पंजाब सिंह बैठे।

ईडब्ल्यूएस घोटाले में डीटीपी आरएस बाठ कोर्ट में तलब

गुरुग्राम की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने तलब कर मांगे सभी दस्तावेज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के डीटीपी आरएस बाठ को जिला मजिस्ट्रेट अदालत की ओर से ईडब्ल्यूएस घोटाले में सभी दस्तावेजों समेत तलब किया है। अंसल बिल्डवेल ने लगभग 500 एकड़ में सुशांत लोक 2 एवं 3 में एक कॉलोनी विकसित की।

लाइसेंस के नियम एवं शर्तो के मुताबिक बिल्डर को 20 प्रतिशत एरिया ईडब्ल्यूएस प्लॉट के लिए छोड़ना था। उस हिसाब से यह एरिया 100 एकड़ बनता है, लेकिन बिल्डर ने ईडब्ल्यूएस के नाम पर जो प्लॉट छोड़ने थे, वो छोड़े नहीं। साथ ही उन्हें ऊंचे दामों पर बेच दिये। इस प्रकार हजारों करोड़ रुपये का घोटाला किए जाने की आशंका है। इस संबंध में सारे रिकॉर्ड एसटीपी गुरुग्राम कार्यालय से गायब बताए जा रहे हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि ईडब्ल्यूएस प्लॉट पात्र व्यक्ति को ही आवंटित किए जा रहे हैं, इसके लिए एक मॉनिटरिंग कमेटी सरकार की ओर से बनाई गई है। जिसके सदस्य डीसी, एसडीएम, हुडा प्रशासक, डीटीपी आदि हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव ने इस घोटाले की जांच विजिलेंस से कराने के आदेश दिये हैं। अब कोर्ट ने डीटीपी (ई) को तलब कर ईडब्ल्यूएस के प्लॉट के नंबर, उनका साइज और सुशांत लोक-2 एवं 3 में वो कहां स्थित हैं, इस संबंध में सभी रिकॉर्ड अदालत में 6 अप्रैल 2021 को पेश करने का आदेश दिया है।

इस केस की अदालत में पैरवी कर रहे अधिवक्ता यतिश कुमार गोयल का कहना है कि यह हजारों करोड़ का घोटाला है। जो बिना संबन्धित अधिकारियों की मिलीभगत के नहीं हो सकता। इस मामले में निष्पक्ष जांच जरूरी है और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।

गुरुग्राम में शुरू हुआ कोरोना जागरूकता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अभियान का नाम है- मत जा नजदीक, खुद को रखें ठीक, उन पे रहे आंख, ढके ना जो मुंह और नाक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कोरोना महामारी के खिलाफ समाज को जागरूक और मास्क शिष्टाचार को विकसित करने के तहत जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। अभियान का उद्देश्य जन-मानस में स्वास्थ्य मापदंडों के उचित कार्यान्वयन, मास्क पहनने और शारीरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

गुरुग्राम में शुरू किया गया यह अभियान उस राज्य स्तरीय जागरूकता अभियान का हिस्सा है, जो पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायधीश तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजन गुप्ता ने शुरू किया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रदीप चौधरी के मुताबिक पिछले कुछ समय से कोरोना का ग्राफ बढ़ रहा है। ऐसे में न्यायमूर्ति राजन गुप्ता के नेतृत्व में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने यह महसूस किया कि राज्य सरकार के सहयोग से इस महामारी के खिलाफ हेल्थ प्रोटोकोल के बारे में जन मानस को जागरूक करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विश्वसनीय गैर सरकारी संगठनों और सार्वजनिक एजेंसियों को बड़े स्तर पर जागरुकता पैदा करने और मुफ्त में मास्क बनाने के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया है। श्री चौधरी ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में गुरुग्राम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पिछले एक वर्ष से कोरोना की रोकथाम के लिए बहुत काम कर रहा है। हालसा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से जिला प्रशासन और गैर सरकारी संगठनों के समन्वय के साथ 3,50,000 प्रवासियों की मदद की है। कोरोना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 4000 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें 4,40,000 से अधिक व्यक्तियों को जागरूक किया गया।

इसके अलावा 2 लाख मास्क और सैनिटाइजर वितरित किये गये तथा 2700 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी, 20 हजार से अधिक सेनेटरी नैपकिन वितरित किये गये और 8121 लोगों को आश्रय आदि के साथ सहायता प्रदान की गई। हालांकि कोरोना की दूसरी लहर आ रही है, कोरोना के खिलाफ रोकथाम व टीकाकरन के लिए अधिक से अधिक केन्द्रित अभियान शुरू करना अनिवार्य हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय खेलों में देवर्षि सचान ने लगाई स्वर्ण पदक की हैट्रिक

गुरुग्राम। जुनून और मेहनत के दम पर भारत ही नहीं, पूरे विश्व में अपनी जीत का लोहा मनवाने वाले देवर्षि सचान ने दिव्यांग श्रेणी की बेंगलूरू में आयोजित 19वें राष्ट्रीय पैरा चैम्पियनशिप 2020-21 खेलों में तीन स्वर्ण पदक प्राप्त कर एक बार फिर हरियाणा का नाम रोशन किया है। कोरोना महामारी के समय में इन खेलों का कर्नाटक पैरा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण द्वारा आयोजन बेहद सराहनीय रहा। दिव्यांग खेलों की राष्ट्रीय प्रतिभा दीपा मलिक के द्वारा आयोजित ट्रायल से हरियाणा के इस होनहार खिलाड़ी को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का मौका मिला। देवर्षि ने तीनों स्वर्ण पदक अपनी दिवंगत नानी मा को समर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की। उन्होंने अपने शुभचिंतकों का दिल की गहराईयों से धन्यवाद किया और कहा कि हमें इस महामारी में अपना और अपने परिजनों का ख्याल रखना है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि आपकी शुभकामनाओं से ही दुखद क्षणों में भी मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका।

फ्लैटों की धोखाधड़ी में दंपति पर केस दर्ज

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत फ्लैटों की खरीद फरोख्त में धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी संजय के अनुसार सराय ख्वाजा फरीदाबाद निवासी कृष्ण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि बाली नगर में उसका व साथी नंद किशोर का सात व आठ नंबर का फ्लैट है। वर्ष 2015 फ्लैटों को खरीदने का सौदा 34 लाख 50 हजार रुपये में गांव बंचारी निवासी शिवराम सौरोत व उसकी पत्नी कल्पना सौरोत ने किया था। जिस दौरान 33 लाख रुपये पीड़ित को नकद दे दिए। पीड़ित का आरोप है कि शिवराम ने फ्लैटों का बैनामा अपने हक में तहरीर नहीं कराया और सोच-समझकर सौदा कैंसिल कर दिया। 30 सितंबर वर्ष 2017 को पीड़ित को दी हई रकम 33 लाख रुपये भी वापस ले लिए। पीड़ित का आरोप है कि अब आरोपी न तो फ्लैटों को खाली कर रहे हैं बल्कि फ्लैटों के अंदर तोड़-फोड़ कर दीवार भी खड़ी कर दी है। पीड़ित जब फ्लैटों को खाली करने का बात कहता है तो आरोपी 35 लाख रुपये की मांग करते है और झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो बाइक और मकान से नकदी चोरी

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो बाइक एक मकान से नकदी सहित आभूषणों को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार गांव रहराना निवासी सतीश कुमार ने कैंप थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 24 मार्च की रात को चोर घर से 30 हजार रुपये की नकदी व सोने-चांदी के आभूषणों को चोरी कर ले गए। इसी प्रकार चोर गांव धतीर निवासी सुभाष चंद की बाइक को गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव धतीर से व गांव जनाचौली निवासी रविंद्र की बाइक को कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सट्टा खाईवाड़ी करता युवक गिरफ्तार

पलवल। शहर थाना पुलिस ने एक युवक को सट्टा खाईवाड़ी करते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी तिलोक के अनुसार उत्तरी शेखपुरा मोहल्ला निवासी राहुल को मोहल्ले में ही सट्टा खाईवाड़ी करते काबू किया और साथ ही उसके कब्जे से 510 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पलटे हुए ट्रक से चना बैग चोरी

पलवल। केएमपी एक्सप्रेस वे पर असंतुलित होकर पलटे ट्रक से चोर 60 बैग चना के चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस ने ट्रक के पीड़ित मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी महेंद्र के अनुसार राजस्थान के पठान खुर्द निवासी फकरुद्दीन ने शिकायत दर्ज कराई है कि ड्राइवर गांव पठान खुर्द निवासी जुनेद महाराष्ट्र से ट्रक में चना भरकर नोएडा के लिए चला था। 19 मार्च को केएमपी पर गांव महेशपुर के समीप ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। उस दौरान ट्रक से चोर चना से भरे हुए 60 बैगों को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

पलवल। अलावलपुर पुल चौकी पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। चांदहट थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी बादाम सिंह के अनुसार उन्हें मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि गांव खजूरका से ललपुरा मार्ग पर एक युवक अवैध हथियार सहित मौजूद है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची कि आरोपी ने टीम को देख कर भागने का प्रयास किया। टीम ने मौके पर दबिश दी गई और आरोपी को काबू कर लिया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अनूप निवासी गांव अलावलपुर बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

हाईवे जाम करने पर 14 नामजद सहित सैकड़ों पर केस दर्ज

पलवल। किसान आंदोलन के दौरान एनएच-19 को जाम करने के आरोप में सदर थाना पुलिस ने 14 नामजद व 450-500 अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी आनंद कुमार के अनुसार एनएच-19 पर गांव अंटोहा मोड़ के समीप किसान धरना स्थल पर बैठे हुए हैं। 26 मार्च को वह अपनी टीम के साथ ड्यूटी पर मौजूद थे। दोपहर करीब 12 सैकड़ों लोग ट्रैक्टर-ट्रालियों में सवार होकर आए और हाईवे पर जाम लगा दिया। हाईवे को जाम कर सड़क के बीचों-बीच बैठे लोगों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट अमित गुलिया व पुलिस टीम ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और ट्रैक्टर-ट्रालियों को सड़क पर आड़ा-तिरछा लगाकर हाईवे को बंद कर दिया। लगभग शाम 4 बजे के करीब हटे। इस दौरान काफी वाहन जाम में फंस गए। इसी दौरान जाम में एंबुलेंस व आर्मी की गाड़ियां फंसी। आरोप है कि एंबुलेंस चालक के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। पुलिस ने गांव औरंगाबाद निवासी समुंद, महेंद्र, जयराम, होशियार, मेघसिंह, हरी, सुमेर, बुद्धी, शिवराम, नत्थी, अतर सिंह, रतन सिंह, रामबीर, गांव जनौली निवासी छोटा पहलवान व 450-500 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

आईटीआई में रोजगार मेला 31 को

सोहना। सोहना आईटीआई में 31 मार्च को रोजगार मेला लगेगा। आईटीआई के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि मेले में आईटीआई पास विद्यार्थियों का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए गुरुग्राम समेत बावल, मानेसर और पलवल की कंपनियों की टीम साक्षात्कार लेगी। रोजगार प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आईटीआई सोहना अप्रेंटिशिप एवं प्लेसमेंट सेक्शन सुबह दस बजे से सम्पर्क कर सकते हैं।

रोटरी क्लब ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

मुकेश कुमार। पलवल

रोटरी क्लब पलवल संस्कार के तत्वावधान में शुक्रवार देर रात यहां ग्रांड प्रकाश पर होली मंगल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता क्लब प्रधान डॉ. शिव कुमार गुप्ता ने की। ब्रज के मशहूर कलाकारों ने मथुरा-बरसाने वाली राधा-कृष्ण की होली के लोकगीतों पर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया।

राधा-कृष्ण बने कलाकारों ने होली के लोकगीतों पर बरसाने की लट्ठ मार होली, मथुरा व वृंदावन की कुंज गलियों में कृष्ण द्वारा खेली गई होली का सजीव चित्रण प्रस्तुत किए। क्लब के सदस्यों ने भी होली के लोकगीतों पर नृत्य कर आनंद लिया। क्लब प्रधान डॉ. शिव कुमार गुप्ता ने कहा कि होली पर्व ब्रज का विशेष पर्व है। यह पर्व आपसी भाईचारा व प्यार बढ़ाता है।

पर्व पर हर व्यक्ति को मन के अंदर के बैर को निकाल कर एक-दूसरे को गले लगाना चाहिए। संजय मित्तल, राजीव गोयल, अरविंद गोयल, रोहित गुप्ता, योगेंद्र गोयल, मोहित गोयल, यश मंगला, शिव गर्ग, रेडक्रास के सचिव बिजेंद्र सौरोत, पराग चुटानी, दीपक गुलाटी, हेमराज पोसवाल, जगमोहन रावत, डॉ. रंजना गुप्ता, रीना अग्रवाल, साक्षी गोयल, ममता पाराशर, साक्षी गुलाटी, नेहा मंगला, प्रियंका चुटानी, रजनी गोयल, मीनाक्षी मित्तल, ममता गर्ग, हेमा गोयल, कविता सौरोत मौजूद थे।

जिला कोर्ट परिसर में वकीलों को मिले चैम्बर

हाईकोर्ट के जज जसवंत सिंह ने नवनिर्मित लायर्स चैम्बर्स का उद्घाटन किया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना न्यायिक परिसर में बने चैम्बर्स का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए जस्टिस जसवंत सिंह रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए।

हाई कोर्ट के जज जसवंत सिंह ने कहा कि हरियाणा में देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा न्यायालय और चैम्बर्स परिसर सर्वश्रेष्ठ हैं। प्रदेश की सरकारों ने इस तरफ विशेष ध्यान हमेशा ही दिया है। सोहना बार एसोसिएशन भी कोर्ट परिसर में नवनिर्मित लायर्स चैम्बर्स का सही से उपयोग करें।

शनिवार को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के जज जसवंत सिंह ने सोहना कोर्ट परिसर में बने लायर्स चैम्बर भवन का उद्घाटन किया। जिला गुरुग्राम कोर्ट के सेसन जज एमएम ढीचक सहित अन्य न्यायाधीश और बार एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। स्थानीय कोर्ट परिसर में नवनिर्मित लायर्स चैम्बर्स में 238 अधिवक्ताओं के लिए 119 चैम्बर बने हैं। जरूरत पड़ने पर अन्य चैम्बर भी तैयार किए जाएंगे। उद्घाटन के बाद हाई कोर्ट के जस्टिस जसवंत सिंह ने स्थानीय बार एसोसिएशन को बधाई देते हुए चैम्बर को साथ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। अधिवक्ता आज वकालत में आ रही नई-नई टेक्नीकल का उपयोग करके अपने क्लाइंट व अधिवक्ताओं को सुविधा देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि देश के अन्य किसी राज्य में हरियाणा से बेहतर न्यायालयों और चैम्बर्स के भवन नहीं मिलेंगे। जस्टिस ने कहा कि कोविड काल का बीता एक साल सभी के लिए चुनौतियों से भरा रहा है।

बाइक की टक्कर से व्यक्ति की मौत

पलवल। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। चांदहट थाना पुलिस ने मृतक के दामाद की शिकायत पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी गंगावीर के अनुसार गांव चांदहट निवासी रीपक ने शिकायत दर्ज कराई है कि 25 मार्च को वह अपनी ससुराल गांव अलावलपुर गया था। पीड़ित व उसका ससुर नरेंद्र कम्बाइन मशीन का कुछ सामान लेने के लिए जा रहे थे। पीड़ित का ससुर खेतों से पैदल बाइक के पास पहुंचा तो उसी समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्की मार दी। पीड़ित ने परिजनों की मदद से अपने ससुर को उपचार के लिए नल्लहड़ अस्पताल में दाखिल कराया।

बीके स्कूल ने धूमधाम से मनाया होली का त्योहार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शनिवार को शिव विहार स्थित बीकेसी से. स्कूल में होली की पूर्व वेला पर बड़ी धूमधाम से होली का त्योहार मनाया। सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने एक दूसरे को चंदन लगा कर होली की शुभकामनायें दीं।

सभी शिक्षकों ने फूलों की होली खेल का आनंद की अनुभूति की। सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने होली के गानों पर डांस किया। विद्यालय अध्यापक अर्जुन शास्त्री, सुमित जैन ने श्याम भजन गाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। अंत में विद्यालय प्राचार्य सतीश कौशिक, एमडी जितेश कौशिक ने सभी शिक्षकों को होली की शुभकामनाएं दीं और चंदन, फूलों की होली खेलने का आह्वान किया।

गुरुग्राम जिले में सार्वजनिक स्थलों पर होली खेलना प्रतिबंधित

गुरुग्राम। अवहेलना होने पर फार्म हाउस, मॉल, मैरिज पैलेस या बैंक्वेट हॉल या अन्य पब्लिक प्लेस के मालिक के खिलाफ आईपीसी की धारा 188, आपदा प्रबंधन अधिनियम और अन्य कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत की जाएगी कार्रवाई। ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर 29 मार्च फाग पर्व की समाप्ति तक लागू रहेंगे। गुरुग्राम के उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने आम जनता से अपील भी की है कि वे कोविड-19 के बढ़ रहे केसों के दृष्टिगत अपनी खुद की और अपने परिवार सहित परिचितों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ही होली त्योहार मनाएं, कोविड प्रोटोकॉल का ध्यान रखें, घर से बाहर जाएं तो मास्क अवश्य पहनें, एक दूसरे के बीच सामाजिक दूरी बनाए रखें, अपने हांथों को साबुन से धोते रहें या सेनीटाइज करें। उपायुक्त ने सभी गुरुग्राम जिला वासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं भी दी हैं और सुरक्षित तरीके से होली मनाने की अपील की है।

दहेज प्रताड़ना में पांच आरोपियों पर केस दर्ज

पलवल। शादी में नकदी व कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर घर से निकालने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने अपने देवर पर छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया है। गदपुरी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर ससुराल पक्ष के पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी इंदू के अनुसार एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी शादी 2 मई वर्ष 2014 को हुई थी। शादी में मिले दहेज से ससुराल पक्ष के लोग संतुष्ट नहीं थे। दहेज में एक स्विफ्ट कार व पांच लाख रुपये नकद लाने के लिए पीड़िता के साथ मारपीट की जाती। पीड़िता का आरोप है कि एक दिन वह अपने कमरे में अकेली थी उसी दौरान देवर ने उससे छेड़छाड़ की। 20 जनवरी 2020 को पीड़िता की तबीयत खराब थी तो उसी दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने दवाई की बात कहकर जहर खिला दिया। तबीयत अधिक खराब होने पर उसे अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई

फसल पंजीकरण के लिए सीएम विंडो से गुहार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

एक हजार से अधिक किसान पंजीकरण से वंचित हैं

घंघौला सर्कल के आधा दर्जन से भी अधिक गांवों के किसानों ने सीएम विंडो पर शिकायत करते हुए सरसों और गेहूं की फसलों का पंजीकरण कराने के लिए गुहार लगाई है। किसान सर्कल पटवारी और गिरदावर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। जैसे-जैसे गेहूं की सरकारी खरीद का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सोहना के घंघौला सर्कल के करीब 1200 किसानों की रातों की नींद और दिन का चैन छिन गया है। फसल पंजीकरण के लिए अधिकारियों के कार्यालय में चक्कर लगाने के बाद घंघौला सर्कल के किसानों ने सरसों और गेहूं की खरीद का पंजीकरण कराने के लिए सीएम विंडो में शिकायत दर्ज कराई है। किसानों ने सर्कल परिवारी, गिरदावर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। गांव खटौला निवासी किसान विजय पाल ने बताया कि बताया कि घंघौला समेत खटौला, जोहलाका, बिछलाका, बिधवाका, राहाका आदि गांवों के किसानों की फसल का पंजीकरण नहीं हुआ है। किसानों की संख्या एक हजार से 1200 तक है। किसान खचेडू ने बताया कि यदि मंगलवार तक पंजीकरण नहीं होता है तो किसान भूख हड़ताल पर बैठ सकते हैं। किसान जगदीश का कहना है कि अपनी मांग को सीएम विंडो के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री तक अपनी मांग को भेजा है।

डीसी की शिकायत पर बीडीपीओ पूजा समेत कइयों पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला उपायुक्त यशपाल यादव की शिकायत पर तिगांव खंड की ब्लाक डवलपमेंट एवं पंचायत अधिकारी पूजा शर्मा, मुजेड़ी गांव की भूतपूर्व सरपंच रानी, ठेकेदार ललित मोहन शर्मा, ग्राम सचिव विजयपाल के खिलाफ करप्शन एक्ट के तहत थाना सदर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। थाना सदर प्रभारी ने एफआईआर दर्ज करने की पुष्टि की है।

जिला उपायुक्त के अलावा अभी इस मामले में विजिलेंस दस्ते (राज्य चौकसी ब्यूरो) ने भी जांच शुरू कर रखी है। बता दें, राज्य चौकसी ब्यूरो के डीएसपी की तरफ से जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) को 17 मार्च, 2021 को एक पत्र लिखा गया था।

करप्शन एक्ट समेत अन्य धाराओं में दर्ज हुई एफआईआर

इस पत्र के माध्यम से डीडीपीओ के अधीन ब्लाक डवलपमेंट पंचायत ऑफिसर (बीडीपीओ) पूजा शर्मा व ग्राम नीमका के सचिव परमजीत सिंह के विषय में जानकारियां मांगी गई थी। डीएसपी राज्य चौकसी ब्यूरो ने पत्र में लिखा कि पूजा शर्मा बीडीपीओ तिगांव अपनी सर्विस के दौरान कब-कब और कहां-कहां नियुक्त रही है। पूजा बीडीपीओ तिगांव द्वारा अपनी नियुक्ति से अब तक प्राप्त किए गए वेतन एवं भत्तों का विवरण सभी फार्म 16 की सत्यापित छायाप्रति व पूजा द्वारा जमा की गई आरटीआर सत्यापित प्रति जमा कराई जाए। इस अधिकारी द्वारा विभाग से चल व अचल संपति खरीदने बारे ली गई मंजूरियों की सत्यापित प्रति उपलब्ध कराई जाए। खास बात यह है कि राज्य चौकसी ब्यूरो द्वारा लिखे गए पत्र क्रमांक संख्या 414, दिनांक, 17 मार्च, 2021 में ठीक उसी प्रकार की जानकारियां ग्राम सचिव परमजीत के विषय में मांगी है, जो बीडीपीओ पूजा के संबद्ध में मांगी गई। खास बात यह है कि जिला उपायुक्त यशपाल यादव द्वारा अभी जो कार्रवाई अमल में लाई गई है, वह केवल ग्राम पंचायत मुजेड़ी को लेकर है लेकिन इसके साथ अभी नीमका ग्राम पंचायत में हुए कथित घोटालों पर कार्रवाई होनी बाकी है। जिला उपायुक्त कार्यालय सूत्रों के मुताबिक जल्द ही एफआईआर के ऑर्डर होंगे। यह भी बता दें कि राज्य चौकसी ब्यूरो की तरफ से जारी जांच को सीएम दरबार के संज्ञान में लाया गया था। इस मामले में बहुत जल्द अन्य गिरफ्तारियां भी संभव है।

मुजेड़ी-नीमका पंचायत में घोटाले की उच्च स्तरीय जांच शुरू
बीडीपीओ-ग्राम सचिव की कुंडली खंगाल रहा विजिलेंस दस्ता

संक्षिप्त समाचार

स्टुडस एसेसिरीज लिमिटेड क्रिकेट टीम ने 8 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। प्रथम पुरी कारपोरेट लीग 2021 मैच का आयोजन स्पैडहेमर क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर किया गया। यह मैच पैनासोनिक ब्लास्टर और स्टुडस एसेसिरीज लिमिटेड क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। जिसमें पैनासोनिक ब्लास्टर टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 136 रन बनाए। जिसमें शेखर और आकाश सिंह ने 32-32 रन लिए। स्टुडस एसेसिरीज लिमिटेड क्रिकेट टीम के गेंदबाज मन्नी शर्मा ने चार विकेट लिए। पंकज नरूला ने दो विकेट लिए। सारिफ खान, सुमित सोनी और अशोक ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टुडस एसेसिरीज लिमिटेड क्रिकेट टीम ने 14 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए। जिसमें गौरव झा ने सर्वाधिक 51 रन बनाए, रंजय यादव ने 39 रन बनाए, अनुराग शर्मा ने 23 रन बनाए। पैनासोनिक ब्लास्टर के गेंदबाज यतेन्द्रा और आशीष ने एक-एक विकेट लिए। अंत में स्टुडस एसेसिरीज लिमिटेड क्रिकेट टीम ने यह मैच आठ विकेट से जीत लिया। प्लेयर ऑफ द मैच और बेस्ट गेंदबाज का खिताब मन्नी शर्मा को दिया गया। बेस्ट बेट्समैन का खिताब गौरव झा को दिया गया।

शतरंज में खिलाड़ियों ने चली बेहतरीन चाल

फरीदाबाद। ऑल फरीदाबाद चैस एसोसिएशन की ओर से कालका पब्लिक स्कूल में सीनियर शतरंज प्रतियोगिता का समापन हुआ। इसकी शुरुआत कालका ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की डायरेक्टर डा ओनिका मेहरोत्रा ने करवाई। शतरंज प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका नकुल चौधरी ने निभाई। प्रतियोगिता में गर्व गौड़, सायरस छिक्कारा, समर्थ मित्तल और अविनय मोहन सिंह ने सराहनीय प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नरेंद्र शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अल्का छिक्कारा ने कहा कि प्रतियोगिता को कराने में डॉ. ओनिका मेहरोत्रा की खास भूमिका रही है और उन्होंने भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिता कराने का भरोसा दिलाया।

बाबा सूरदास की परिक्रमा में उमड़े हजारों श्रद्धालु

फरीदाबाद। 15 गांवों से होते हुए करीब 30 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पूरी की। श्रद्धालुओं ने दंडवत परिक्रमा होली पर्व पर किशोरी शरण महाराज (बाबा सूरदास) तिलपत वाले की परिक्रमा में उमड़े लाखों श्रद्धालुओं ने मनोकामना पूर्ण करने का संकल्प लिया। परिक्रमा में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए चलते है। परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं का जगह-जगह पर ग्रामीणों ने स्वागत किया। परिक्रमा मार्ग में प्रत्येक गांव में श्रद्धालुओं के लिए फल एवं प्रशाद और स्वास्थ्य संबंधित सुविधा वाले स्टॉल लगाए गए। आदर्श एवं प्राचीन ऐतिहासिक गांव तिलपत स्थित बाबा सूरदास की स्मृति में आयोजित होने वाली होली परिक्रमा प्रतिवर्ष होली से एक दिन पहले होती है। परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं की मन्नत पूरी होती है। हर वर्ष परिक्रमा में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। दिल्ली एनसीआर के अलावा दूरदराज से बाबा सूरदास के भक्त परिक्रमा में शामिल होकर धर्म लाभ उठाते हैं। तिलपत गांव स्थित सूरदास मंदिर से सुबह शुरू होकर परिक्रमा सबसे पहले ददसिया गांव, शेरपुर, ढ़ाढर, किड़ावली, लालपुर, महावतपुर, भोपानी, देहा, रिवाजपुर, टिकावली, बादशाहपुर, पलवली, बजीरपुर, मवई होते हुए एतमादपुर से पल्ला से निकलकर देर शाम तिलपत मंदिर पर संपन्न होती है। परिक्रमा का पड़ाव सभी गांव के मंदिरों पर होता है। जहां पर मंदिर प्रबंधन समिति एवं ग्रामीण मिलकर श्रद्धालुओं की सेवा में जल, फल, दूध, चाय की स्टॉल लगाकर बाबा के भक्तों की सेवा करते हैं।

मेवला में मंत्री ने किये विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

फरीदाबाद। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि मेरी नीयत और नीति में कोई खोट नहीं है। मैं जिस कार्य कि हामी भरता हूं उसे निश्चित तौर पर पूरा करने का प्रयास करता हूं। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने यह बात गांव मेवला महाराजपुर में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। इसमें बडखल की विधायक सीमा त्रिखा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर रही थी। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि पिछले छह सालों के विकास कार्य पिछले 25 वर्षों के विकास कार्यों के मुकाबले भारी है। उन्होंने कहा कि मेवला महाराजपुर गांव में लगभग 45 करोड़ रुपये की धनराशि से विकास कार्य कराए है। विधायक सीमा त्रिखा ने संबोधित करते हुए कहा कि मेवला महाराजपुर मेरा अपना गांव है। इसके विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगी। मेवला महाराजपुर गांव के लिए के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से विकास कार्यों के लिए धन मांग में कोई कमी नहीं छोड़ूंगी।

हाइवे पर ग्रीन बैल्ट का किया निगमायुक्त ने उद्घाटन

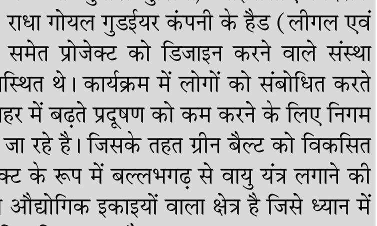

फरीदाबाद। शहरवासियों को साफ हवा और स्वच्छ वातावरण मिलेगा। शनिवार को नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव ने नेशनल हाईवे स्थित संत सूरदास मेट्रो स्टेशन पर ग्रीन बैल्ट का उद्घाटन किया। निगम आयुक्त द्वारा बल्लभगढ़ स्थित पंचायत भवन में वायु यंत्र का शुभारंभ किया। इन दोनों कार्यों में नीरी (सीएसआईआर), एनएचएआई समेत शहर की सबसे पुरानी कंपनी गुडईयर और एक एनजीओ आईपीसीए (इंडियन पोल्यूशन कंट्रोल एसोसिशन) ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण के लिए एक जनसभा का भी आयोजन किया। निगमायुक्त यशपाल यादव समेत निगम के अतिरिक्त आयुक्त इंद्रजीत कुलड़िया, एनएचएआई के निदेशक बंसल, सहायक प्रोजेक्ट निदेशक धीरज, नीरी साइंटिस्ट डॉ. सुनील गुलिया, आईपीसीए निदेशक आशीष जैन, उपनिदेशक डॉ. राधा गोयल गुडईयर कंपनी के हैड (लीगल एवं कम्पलायंस) सोनाली खन्ना समेत प्रोजेक्ट को डिजाइन करने वाले सस्था सहित कई अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में नीरी के लोगों को संबोधित करते हुए निगमायुक्त ने कहा कि शहर में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए निगम की ओर से कई प्रयास किए जा रहे है। जिसके तहत ग्रीन बैल्ट को विकसित किया गया है। पॉयलट प्रोजेक्ट के रूप में बल्लभगढ़ से वायु यंत्र लगाने की शुरुआत की गई है। यह घनी औद्योगिक इकाइयों वाली क्षेत्र है जिसे ध्यान में रखते हुए 22 स्थानों को चिह्नित किया गया है।

बीके : बिना सुरक्षाकर्मियों के माहौल हो जाएगा खराब

टैंडर में नहीं है सिक्योरिटी का कॉलम, गुस्साएं सिक्योरिटी कर्मी

बीके अस्पताल परिसर में रोजाना आने वाले मरीजों की भीड़।

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में हर बार सुरक्षाकर्मी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, माली, सफाई कर्मी, इलेक्ट्रिशियन एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों की भर्ती ठेके पर की जाती है, लेकिन इस बार जारी किए गए टैंडर में सुरक्षा कर्मियों की पोस्ट का कॉलम ही गायब है। यह बात अस्पताल में आग की तरह फैल गई। वहीं दूसरी तरफ चिकित्सक, स्टाफ और अधिकारी परेशान हैं कि यदि सुरक्षा कर्मी नहीं होंगे, तो यहां आने वाली लोगों की भीड़ को काबू कौन करेगा।

ये है पूरा मामला

बीके सिविल अस्पताल में कॉन्ट्रेक्ट आगामी 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। जिसे देखते हुए नया टैंडर जारी किया गया। जिसमें इस बार आउटसोर्सिंग में स्वीपर, वार्ड सर्वेंट, माली, धोबी, सुपरवाईजर, इलेक्ट्रिशियन, हेल्पर इलेक्ट्रिशियन, प्लम्बर, सीवरमैन, कारपेंटर, हेल्पर, कम्प्युटर ऑपरेटर, फायर सेफ्टी ऑफिसर, सीएसएसटी टैक्नीशियन व हेल्पर, कॉल प्रतिनिधी जो 24 घंटे तैनात रहे। इस कॉन्ट्रेक्ट में सुरक्षाकर्मी नहीं है। जिस पर अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों में रोष है।

परेशान है स्वास्थ्य कर्मी

बीके अस्पताल में हर रोज करीब 2000 से अधिक मरीज इलाज को आते है। रोजाना यहां मरीजों के बीच कहासुनी और मारपीट की घटनाएं होना आम बात है। इस दौरान कुछ मरीजों और तीमारदारों का गुस्सा यहां कम स्टाफ होने पर या देरी से इलाज मिलने पर भड़क जाता है, ऐसे में वह चिकित्सकों, स्टाफ से हाथापाई और कहासुनी तक कर देते है।

इस स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को सिक्योरिटी की आवश्यकता पड़ती है। इस बार सुरक्षाकर्मी न होने से इस स्थिति से कैसे निपटा जाएगा, यह सोचकर स्वास्थ्य कर्मी परेशान है।

अधिकारी का कथन

बीके अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों का टैंडर है या नहीं इस बारे में उन्हें अभी तक कुछ नहीं पता है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को टैंडर समाप्त होगा। अगर टैंडर में सुरक्षाकर्मी नहीं है, तो सरकार की तरफ से होम गार्ड तैनात करने की घोषणा की गई थी, लेकिन जब तक होमगार्ड नहीं आते, तब तक सुरक्षाकर्मियों को अस्पताल से हटाना नहीं चाहिए। उनकी अस्पताल में बहुत आवश्यकता है, क्योंकि स्टाफ की कम संख्या के कारण यहां मरीजों का गुस्सा भड़क जाता है। वहीं यहां रोजाना भीड़ को काबू करने के लिए और अस्पताल की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मी तैनात रहने चाहिए।

बिजली बिल में की गई बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं में नाराजगी

फरीदाबाद। बिजली विभाग उपभोक्ताओं को भेजे गए बिल की राशि को ऑनलाइन स्वीकार नहीं कर रहा है इसकी जगह वह दर्शाई गई राशि से लगभग तीन गुना राशि जमा कराने की डिमांड कर रहा है। बिल जमा करने की आखिरी तारीख एक अप्रैल है। इस बारे में बिजली विभाग की कस्टमर केयर नम्बर 1912 पर जानकारी प्राप्त करने पर कहा जा रहा है कि बढ़ाई गई राशि जमा करानी ही होगी। यह फालतू राशि क्यों मांगी जा रही है इसका कोई उचित कारण उपभोक्ताओं को नहीं बताया जा रहा है। बिजली विभाग की इस लूट व मनमानी से सभी उपभोक्ता परेशान हैं।

हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने बिजली बिल बढ़ोतरी की घोर निंदा करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर उनको उपभोक्ताओं की नाराजगी व चिंता से अवगत कराया है और अचानक की गई इस बिजली बिल बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने की मांग की है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि एक उपभोक्ता द्वारा खर्च की गई बिजली रीडिंग के हिसाब से बिजली का बिल 1410 रुपया आया था जब इस बिल राशि को ऑनलाइन जमा कराने की कार्रवाई की गई तो रुपए 3263 की डिमांड की जा रही है। इसी प्रकार एक बिजली बिल की राशि सिर्फ 569 है अब उसकी जगह रुपए 4544 मांगे जा रहे हैं।

दुर्घटनाएं रोकने को सीएम ने दिए सड़क मरम्मत के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सड़क सुरक्षा, परिवार पहचान पत्र और रबी सीजन फसल खरीद को लेकर मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शनिवार को बैठक ली। वीडियो कॉफ्रेंस में फरीदाबाद से परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा एवं उपायुक्त यशपाल शामिल हुए।

वीडियो कॉफ्रेंस में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नेशनल हाईवे ओर जर्जर सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के बचाव के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी अपने दायित्व का निर्वाह पूर्ण ईमानदारी निष्ठा से करें ताकि सड़क सुरक्षा के विषय को सही रूप में जनहित में लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि जर्जर हुई सड़कों की समय रहते मुरम्मत की जाए। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नेशनल हाईवे पर ट्रॉमा सेंटर, एंबुलेंस व अन्य सभी सुविधाओं का समय रहते संचालन किया जाना बेहद जरूरी है ताकि दुर्घटना के दौरान किसी की मृत्यु ना होने पाए। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने रोड सेफ्टी के विषय पर मुख्यमंत्री द्वारा दिए निर्देशों की गम्भीरता से अनुपालन का आश्वासन दिया। वीडियो कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने हरियाणा में मंडियों में अनाज खरीद के विषय पर विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे किसानों, आढ़तियों से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान समय रहते करें ताकि उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने परिवार पहचान पत्र योजना पर भी उपस्थित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि परिवार पहचान पत्र जनहित के सामाजिक व आर्थिक विकास व स्तर के दृष्टिगत महत्वपूर्ण योजना है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारी अपने दायित्व का निर्वाह करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विभागीय योजनाओं के लिये करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इन सभी योजनाओं को समय पर पूरा करना हम सब का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि कोई अधिकारी जानबूझकर इस प्रकार की कोताही बरतता है तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यदि कोई अधिकारी अच्छा कार्य करता है।

आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं : राजेश नागर

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने गांव भतौला के बाबा भूमिया बाबा मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य का प्रारम्भ किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने संस्कारों और ज्ञान का संरक्षित करने की जरूरत है वहीं आने वाली पीढ़ी को भी संस्कार दिए जाने बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर भूमिया बाबा मंदिर पर माथा टेककर यहां एक शिलान्यास पत्थर लगाया।

उन्होंने कहा कि भूमिया बाबा की कृपा हम सभी को वर्षो से मिल रही है। सिद्ध संतों की सेवा करना, उनके स्थलों को संरक्षित करना हमारी परंपरा में है। हम सभी को इस बारे में अपनी संतानों को भी बताना चाहिए। हम यदि अपनी आने वाली पीढ़ी को संस्कारों के बारे में नहीं बताएंगे तो वह कैसे संस्कारवान बनेंगे। ऐसे में बाहरी शक्तियां उन्हें आसानी से अपना शिकार बना सकती हैं। विधायक ने गांव के सभी निवासियों से इस कार्य में श्रमदान करने की भी अपील की। इस अवसर पर बाबू समरवीर आर्य और भरतचंद मास्टर ने हवन करवाया। इस अवसर पर राजपाल नम्बरदार, अतर सिंह नम्बरदार, ब्रह्मपाल, ओमकार प्रधान, सोमवीर चंदीला, ओमबीर चंदीला, अजब सिंह चंदीला, सुखबीर मैंबर, नेत्रपाल चंदीला, वेदराम चंदीला मौजूद थे।

गांव भतौला में शनिवार को बाबा भूमिया मंदिर का निर्माण होने के बाद हवन यज्ञ किया गया। जिला विकास एवं पंचायत विभाग में तैनात अधिकारी श्यामवीर चंदीला के विशेष सहयोग से बाबा भूमिया मंदिर का निर्माण सम्पन्न हुआ है। हवन यज्ञ के अवसर पर तिगांव के विधायक राजेश नागर समेत गांव निवासी और कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

मंदिर श्री बांके बिहारी में खेली फूलों की होली

फरीदाबाद। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री बांके बिहारी मंदिर एनएच- 5 रेलवे रोड एनआईटी फरीदाबाद में महिला मंडल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता मंदिर के प्रधान महंत ललित गिरी गोस्वामी ने की। महिला मण्डल द्वारा राधा-कृष्ण के भजन व होली के रसिया गीत गाकर सभी को मत्रमुग्ध कर दिया। महंत ललित गिरी गोस्वामी, महिला मंडल प्रधान मीनाक्षी गोस्वामी, प्रीति गोसाई, शोभा दत्ता, रेखा अहूजा, वंदना तलवार, अनीता जुनेजा, रमा अरोरा, वंदना तलवार ने होली की बधाई दी। महंत ललित गिरी गोस्वामी ने प्रभु के चरणों में अरदास की।

कोरोना के चलते होली पर विशेष सावधानी बरतें विद्यार्थी : जैन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर निजी स्कूल विशेष अभियान चलाकर विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को जागरुक कर रहा है। इसी कड़ी में डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद द्वारा स्कूल में आने वाले छात्र-छात्राओं तथा घर से ही शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को होली पर कोरोना के बचाव को लेकर पिछले एक सप्ताह से ऑनलाइन व ऑफ लाइन जागरुक किया जा रहा है। स्कूल के चेयरमैन रोहित जिनेंद्र जैन ने स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि फरीदाबाद में कोरोना के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं।

ऐसे में लोगों को पहले से अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, कहा कि पिछले एक वर्ष में कोरोना के चलते स्कूल बंद होने के कारण शिक्षा इससे प्रभावित हुई और दोबारा ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि हरियाणा सरकार के नियमों का पालन करते हुए होली को सादगी पूर्ण तरीके से बच्चे मनाएं तथा अपने अभिभावकों, सहयोगियों व दोस्तों को भी इसके लिए जागरुक करें ताकि होली कोरोना के मामलों को और अधिक बढ़ाने में कारण न बन सके। साथ ही उन्होंने अपने स्कूल की प्रिंसिपल व अन्य अध्यापक व अध्यापिकाओं को भी स्कूल की तरफ से अभिभावकों को होली पर कोरोना को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए होली इस बार परिवार के साथ बिना सार्वजनिक आयोजनों के ही मनानी चाहिए ताकि बच्चों की सेहत भी ठीक रहें और अभिभावक भी कोरोना की चपेट में न आएं। इस मौके पर रोहित जिनेंद्र जैन ने बच्चों से बातचीत भी की और कोरोना के दुष्परिणामों से उन्हें अवगत कराया।

इस मौके पर बच्चों ने शपथ ली कि वे इस बार होली पर कहीं बाहर न जाकर घर पर ही होली मनाएंगे तथा मास्क, सेनेटाइजर का प्रयोग नियमित रूप से करेंगे तथा और भी लोगों को कोरोना के प्रति जागरुक करेंगे। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल सुरजीत खन्ना ने भी बच्चों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनसे अपील की कि वे होली पर अपनी सेहत का ध्यान रखें और कोरोना के नियमों का पालन करें।

रविन्द्र फागना ने जीता 4 रन से मैच

फरीदाबाद। सूरजकुंड इंटर्नैशनल गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली) ने टीसीजी पिंक टीम को 4 रन से हराया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि टीसीजी पिंक ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली) टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 201 रन बनाए। नीतिका करहाना ने 99 रन, आरती ने 19 रन और रीमा सिसोदिया ने 17 रन बनाए। टीसीजी पिंक की गेंदबाज मोनिका चंदिला ने 3 विकेट, श्रुति सिंह ने 2 विकेट, वर्षा और हरशिका ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीसीजी पिंक टीम 20 ओवर में 7 विकेट में 197 रन ही बना सकी। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए कोर्ती चौधरी ने 86 रन, दीपिका ने 21 रन और खुशबू ने 18 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली)की गेंदबाज अंचल ने दो विकेट, इशावेल, सीमा और नन्दिनी ने 1-1 विकेट लिए। मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार नीतिका करहाना को दिया। नीतिका करहाना ने 57 बॉल में 20 चौके एक छक्का लगाकर 99 रन बनाए।

कोरोना: 85 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 47410

फरीदाबाद। जहां एक तरफ कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए, विभाग की तरफ से जगह-जगह कैम्प लगाए जा रहे है। वहीं दूसरी तरफ जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार सामने आ रही है। शनिवार को कोरोना के 85 मामले सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 47410 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ 31 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.2 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यहां मिले पॉजिटिव

जिले में 85 पॉजिटिव पाए गए। जिसमें सेक्टर-87, 22, चार्मस्वुड विलेज, जवाहर कालोनी, सेक्टर-48, 88, 78, 42, 19, 31, 37, तिगांव, सेक्टर-7, 8, ग्रीन फिल्ड कालोनी और सेक्टर-11 से 1-1 मरीज है। सेक्टर-49, 28 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-23, एनआईटी एक, सेक्टर-21, 3, 30, 2 से 2-2 मरीज है। सेक्टर-86, 17, 35 और सेक्टर-9 से 4-4 मरीज है। सेक्टर-82 से 5 मरीज है। सेक्टर-16 से 12 मरीज है। ग्रीन फिल्ड कालोनी और सेक्टर-14 से 6-6 मरीज है।

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांचे	: 569146
अब तक पॉजिटिव	: 47410
अब तक नेगेटिव	: 520061
रिपोर्ट आनी शेष	: 1675
ऑक्सीजन पर है	: 14
वैंटीलेटर पर है	: 4
अब तक मौत	: 422
अब तक ठीक	: 46547

किसानों को प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण का विकल्प

सरकार किसानों को डीबीटी पर विचार कर सकती है; भारत इसे बिना किसी अवरोध के दे सकता है और अभी तक विश्व व्यापार संगठन के तहत अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं।

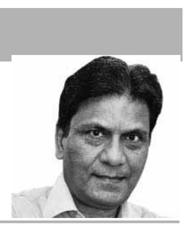

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जनवरी में आयोजित व्यापार नीति की समीक्षा (टीपीआर) बैठक में, भारत ने जोर दिया कि आयात की वृद्धि को रोकने और अनुचित को समाप्त करने के लिए खाद्य सुरक्षा उद्देश्य विशेष सुरक्षा उपायों (एसएसएम) की सेवा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग का एक स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। 29 नवंबर से होने वाले 12 वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी -12) में किए जाने वाले किसी भी कृषि सौदे के लिए कुछ सदस्यों की कृषि सब्सिडी पात्रता को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना चाहिए।

लगभग दो दशकों से, भारत डब्ल्यूटीओ में इन मुख्य कृषि मुद्दों को उठा रहा है, जो विकासशील देशों के लिए चिंता का विषय है, जिसे दोहा विकास एजेंडा (डीडीए) के रूप में जाना जाता है। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। वास्तव में, नैरोबी (दिसंबर 2015) में आयोजित एमसी -10 में, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के नेतृत्व वाले विकसित देशों ने डीडीए को शाब्दिक रूप से जोड़ दिया। एमसी -12 वांछित परिणाम देगा या नहीं, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। इस बीच, आत्मनिरीक्षण की जरूरत है कि चीजें कहां गलत हुईं?

डब्ल्यूटीओ के कृषि पर समझौते (एओए) के तहत, एक विकासशील देश कुल माप समर्थन (एएमएस) - सब्सिडी के लिए एक संक्षिप्त रूप - अपने खेत उत्पादन के मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं दे सकता है। विकसित देशों के लिए, सीमा पांच प्रतिशत रखी गई है। एएमएस में उत्पाद-विशिष्ट सब्सिडी और गैर-उत्पाद विशिष्ट जैसे कृषि इनपुट पर सब्सिडी जैसे खाद, बीज, सिंचाई और बिजली शामिल हैं।

उत्पाद-विशिष्ट सब्सिडी, बाहरी संदर्भ मूल्य (ईआरपी) से अधिक किसानों को दिए जाने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक है, जो कृषि-उपज की मात्रा से कई गुना अधिक है। जबकि एमएसपी को प्रासंगिक वर्ष के लिए लिया जाता है, कहते हैं, 2018-19, ईआरपी रुपये के संदर्भ में 1986-88 के दौरान प्रचलित वैश्विक कीमत का औसत है। यदि किसी विकासशील देश द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी 10 प्रतिशत से अधिक है, तो इसे डब्ल्यूटीओ की प्रतिबद्धता का उल्लंघन माना जाएगा।

एक शर्त लगाने के पीछे तर्क यह है कि किसी भी सदस्य देश में किसानों को दी जाने वाली अतिरिक्त सब्सिडी का वैश्विक खाद्य बाजार में उनके खाद्य आपूर्ति की कीमत को कृत्रिम रूप से कम करके अनुचित लाभ देने का प्रभाव है - जिसे व्यापार विरूपण कहा जाता है। शर्त को रोकने का इरादा है। भारत खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोलिंग (पीएसएच) का एक विशाल कार्यक्रम चलाता है। इसके तहत, भारतीय खाद्य निगम जैसी सरकार की एजेंसियां एमएसपी में किसानों से कृषि-उत्पाद खरीदती हैं और भारत की गरीब और कमजोर आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए उचित मूल्य की दुकानों के एक नेटवर्क के माध्यम से इसे वितरित करती हैं। चूंकि एमएसपी ईआरपी से अधिक है, इसलिए अतिरिक्त को एओए के तहत सब्सिडी के रूप में माना जाता है।

भारत का तर्क है कि पीएसएच से आपूर्ति केवल लाभार्थियों के लिए होती है और निर्यात के लिए उपलब्ध नहीं होती है, इसलिए इन आपूर्ति का कोई प्रश्न वैश्विक व्यापार में कोई विकृति पैदा नहीं करता है। इसलिए, यह देखने के लिए कि क्या शर्त का उल्लंघन है, एएमएस की गणना से बाहर रखा जाना चाहिए। तर्क ध्वनि है। लेकिन अहम सवाल यह है कि भारत पहले दिन से इस छूट के लिए दबाव क्यों नहीं बना रहा था? 1 जनवरी, 1995 को लागू होने वाले एओए में इसके समावेश पर जोर क्यों नहीं दिया गया? इसके अलावा, यहां तक कि एएमएस की गणना की पद्धति भी त्रुटिपूर्ण है।

सबसे पहले, प्रासंगिक / चालू वर्ष के लिए एमएसपी की तुलना ईआरपी से की जाती है जो 1986-88 में वापस चली गई थी। दूसरा, सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदी गई मात्रा को सब्सिडी के आंकड़े पर पहुंचने के लिए भी नहीं माना जाता है। तीसरा, संसाधन-गरीब किसानों को कृषि-इनपुट पर सब्सिडी (वे आत्म-उपभोग के लिए भोजन का उत्पादन करते हैं और कोई विपणन योग्य अधिशेष नहीं है) शामिल हैं। इन खामियों का असर कृत्रिम रूप से एएमएस को भड़काना है। उदाहरण के लिए, यूएस द्वारा विश्व व्यापार संगठन के लिए मई 2018 के अनुसार, 2013-14 के दौरान चावल पर भारतीय एएमएस केवल 5.45 प्रतिशत के विरुद्ध 77 प्रतिशत था, यह इन प्रतिबंधों को छोड़ देना चाहिए था। उपरोक्त के मद्देनजर, छूट प्राप्त करना तो भूल ही जाएं, एएमएस गणना में विसंगतियों ने भारत के पीएसएच कार्यक्रम को संभावित रूप से पीएसएच प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करने के मामले में अतिसंवेदनशील बना दिया है।

लगभग दो दशकों से, भारत डब्ल्यूटीओ में इन मुख्य कृषि मुद्दों को उठा रहा है, जो विकासशील देशों के लिए चिंता का विषय है, जिसे दोहा विकास एजेंडा के रूप में जाना जाता है। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। वास्तव में, नैरोबी (दिसंबर 2015) में आयोजित एमसी-10 में, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के नेतृत्व वाले विकसित देशों ने डीडीए को शाब्दिक रूप से जोड़ दिया। एमसी-12 वांछित परिणाम देगा या नहीं, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। इस बीच, आत्मनिरीक्षण की जरूरत है कि चीजें कहां गलत हुईं?

बाली में एमसी-9 (2013) एक शांति खंड के लिए सहमत हुआ जिसके तहत, यदि एक विकासशील देश 10 प्रतिशत से अधिक में एएमएस देता है, तो 2017 तक कोई भी सदस्य इसे चुनौती नहीं देगा, जब विश्व व्यापार संगठन उनके समाधान के लिए एक स्थायी समाधान की तलाश करेगा खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं। यह कई सवारियों के साथ आया जैसे कि खाद्य खरीद, स्टॉकहोल्डिंग, वितरण और सब्सिडी पर डेटा जमा करना। इनमें यह स्थापित करना भी शामिल है कि सब्सिडी व्यापार विकृत नहीं है।

31 जुलाई, 2014 को डब्ल्यूटीओ जनरल काउंसिल (जीसी) की बैठक में, भारत ने स्थायी समाधान खोजने के लिए समयबद्ध कार्य योजना पर जोर दिया, जिसे व्यापार सुविधा समझौते की मंजूरी के साथ 2014 के सह-टर्मिनस के अंत से पहले निष्पादित किया जाना था। (टीएफए) - विकसित देशों के लिए बहुत महत्व का क्षेत्र। यह एक अच्छी रणनीतिक चाल थी लेकिन इसे बीच में ही छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2014 में, यहां तक कि बाद में टीएफए के साथ दूर हो गया, पूर्व में स्थायी समाधान मिलने तक शांति खंड का विस्तार मिला। सीधे शब्दों में कहें, तो भारत ने स्थायी समाधान हासिल करने के अपने अधिकार को सचमुच आत्मसमर्पण कर दिया था; यह शांति खंड के लाभ के साथ ठीक था। हालांकि, सवारों के एक मेजबान के अधीन, यहां तक कि यह स्वचालित रूप से आश्वस्त नहीं है।

इस बीच, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों ने पांच प्रतिशत से अधिक स्तर पर सब्सिडी देना जारी रखा है (उन पर लागू सीमा), अभी भी डब्ल्यूटीओ के अनुरूप है। भारत के विपरीत, जो किसानों को कृषि-आदानों और एमएसपी की सब्सिडी देता है, वे किसानों को सीधे नकद लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) करके उसी परिणाम को प्राप्त करते हैं जो सब्सिडी कैप दायित्व से मुक्त है। एसएसएम के संबंध में - यह सदस्यों को अस्थायी रूप से बाध्य स्तरों से परे शुल्क बढ़ाने की अनुमति देता है, - यह अधिकतम अनुमेय कर्तव्य है जो एक सदस्य देश बाध्य दर समझौते के तहत लगा सकता है; उदाहरण के लिए, गेहूं के मामले में, यह 80 प्रतिशत है - बढ़ती आयात और कीमतों में गिरावट से निपटने के लिए।

नैरोबी में 2015 एमसी -10 ने माना था कि विकासशील देशों को हांगकांग मंत्रीस्तरीय घोषणा के तहत इसकी परिकल्पना करने का अधिकार होगा। लेकिन यह एओए के अनुच्छेद 5 में पहले से मौजूद प्रावधान में संशोधन करने की भारत की मांग के आसपास है, जो उन्हें वही लाभ प्रदान करने के लिए है जो विकसित देश विशेष (कृषि) सुरक्षा उपायों (एसएसजी) से प्राप्त करते हैं।

संक्षेप में, यह डब्ल्यूटीओ में हमारे वार्ताकारों की ओर से देखभाल और दूरदर्शिता की कमी का मामला है, जिसमें एएमएस गणना के लिए त्रुटिपूर्ण सूत्र को पहले स्थान पर एओए में रेंगना और सुधार करने के लिए एक चूक का अवसर है (2014/2014) 15) जिसने विकासशील देशों के लिए वर्तमान अनिश्चित स्थिति पैदा कर दी है।

यहां तक कि भारत ने इन मुद्दों को फिर से झंडी दिखा दी है, एक आश्चर्य है कि क्या विकसित देश एओए में खामियों को दूर करने के लिए सहमत होंगे या पीएसएच के तहत दी जाने वाली सब्सिडी के लिए छूट की अनुमति देंगे।

सरकार को स्थितियों से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। यह किसानों के लिए डीबीटी पर विचार कर सकता है; भारत इसे बिना किसी टोपी के दे सकता है और अभी तक डब्ल्यूटीओ के तहत अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। हालाँकि, तीनों कृषि कानूनों को लेकर गुस्से के मौजूदा माहौल में, जब एमएसपी चला जाएगा तब क्या होगा (यह डीबीटी शुरू करने का एक स्वाभाविक सहवर्ती है)? प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष स्वीकार करने या ना करने जैसी दुविधापूर्ण स्थिति पैदा हो गई है।

संगीत के द्वारा महिला सशक्तीकरण

राज्य महिला समाख्या की सहायता व प्रशिक्षण से तैयार महिलाओं के बैंड आरोहिणी ने पूरे उत्तर प्रदेश की यात्रा कर महिला सशक्तीकरण के गीत गाए व जागरूकता पैदा की।

स्वप्ना मजूमदार
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

इस बैंड में सबसे ज्यादा आयु वाली महिला 56 वर्ष तथा सबसे छोटी 21 वर्ष की है। आयु के इस अंतर के बावजूद भारत का केवल महिलाओं का ग्रामीण बैंड 'आरोहिणी' एकजुटता की भावना से आगे बढ़ते हुए महिला सशक्तीकरण को गति दे रहा है। बैंड की सभी सदस्य ग्रामीण महिलायें हैं जिनको कभी अपने घर से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला था। लेकिन 'आरोहिणी' के जन्म के बाद वे उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की वाहक बन गई हैं। 56 वर्षीय पुष्पलता देवी बताती हैं, 'मेरा जल्दी विवाह हो गया था। मुझे पढ़ने का मौका नहीं मिला। मैंने अपने कष्ट व उत्पीड़न से भरे जीवन की व्यथा बैंड के माध्यम से व्यक्त की है। अब में बाल विवाह के खिलाफ लिखती और गीत गाती हूं ताकि दूसरी लड़कियों को यह अभिशाप न झेलना पड़े।' बीस सदस्यों वाले बैंड में बहुसंख्य महिलाओं का बचपन में विवाह हो गया था। उनके मां-बाप के व ससुराली परिवार शिक्षा का महत्व नहीं समझते थे। यह ऐसे राज्य में असाधारण बात नहीं है जहां हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 वर्ष के पहले हो जाता है। इसी कारण देश में स्कूली शिक्षा से वंचित लड़कियों के मामले में यूपी सबसे ऊपर है। सरकारी संस्थान नीति आयोग द्वारा तैयार 2018 टिकाऊ विकास सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार जेंडर समानता सूचकांक के मामले में यूपी सबसे नीचे है।

बैंड यह स्थिति बदलना चाहता है। सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण महिला विकास के लिए कार्यरत संगठन राज्य महिला समाख्या-एमएस की सहायता व प्रशिक्षण से तैयार इस बैंड ने यूपी के विभिन्न जिलों की यात्रा की तथा महिला सशक्तीकरण के गीत गाए। अपने गीतों के माध्यम से बैंड ने मासिकधर्म स्वच्छता, बाल विवाह, घरेलू हिंसा तथा लड़कियों की शिक्षा की आवश्यकता पर व्याप्त भ्रम दूर करने के प्रयास किए। लेकिन दिसंबर, 2020 के बाद से यह बैंड तथा 600 से अधिक एमएस महिला कर्मचारी बेरोजगार हैं क्योंकि सरकार ने एमएस कार्य क्रम बंद करने की औपचारिक घोषणा की है। इसके साथ ही महिलाओं को 2018 से वेतन न मिलने के कारण दुहरे वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। मार्च 2020 में आई कोविड-19 वैश्विक महामारी और इस कारण देश भर में लाकडाउन से उनकी स्थिति और खराब हुई है। हालांकि, राज्य सरकार ने बार-बार महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है, पर उसने एमएस का आर्थिक संकट दूर करने के प्रयास नहीं किए। 19 जिलों में कार्यरत इस कार्यक्रम का बजट आबंटन लगातार घटता रहा। 2018-19 में राज्य सरकार ने वार्षिक बजट में इसके लिए 10 करोड़ की घोषणा की थी, पर उसकी आधी धनराशि ही मिली। इसके परिणामस्वरूप 5 करोड़ की धनराशि रद्द हो गई। 2019-20 में इसकी बहाली की उम्मीद भी टूट गई क्योंकि राज्य ने केवल 2 करोड़ का बजट आबंटित किया। इतने कम बजट के कारण राज्य में 30 साल से चल रहा कार्यक्रम अंततः बंद हो गया।

एमएस कार्यक्रम बंद होने का अर्थ 2,00,000 ग्रामीण महिलाओं के सपने टूटना था जो इस एजेंसी के माध्यम से अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रही थीं। इससे साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए सालों से जारी अथक काम बंद हो गया। राज्य में पितृसत्ता के खिलाफ तीन दशक से जारी यह टिकाऊ कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण था। महिलाओं का काम आसान नहीं था क्योंकि उनको पहला विरोध अपने परिवारों से ही झेलना पड़ा। एमएस ने पहले महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करने का काम शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से किया। इसके बाद से ही महिला अधिकारों की बात कही गई ताकि वे अपने घरों के दायरे से बाहर आ कर सामूहिक संगठन बना सकें। पुष्पलता देवी बताती हैं, 'जब मैंने पहले एमएस बैठकों में जाना शुरू किया तो मेरे परिवार ने जबरन मुझे घर से बाहर नहीं निकलने दिया। उनका कहना था कि महिला का स्थान घर के अंदर है, बाहर नहीं। लेकिन मैं अपनी बात पर डटी रही। मेरी पिटाई भी हुई, पर मैंने हार नहीं मानी और एमएस महिला समूह की सदस्य बनी। उनकी सहायता से मैंने फिर पढ़ाई शुरू की। इसके बाद मैं बैंड की सदस्य बन गई।' एमएस की बैठकों में पुष्पलता देवी जैसी महिलाओं के विचारों और उम्मीदों ने ऐसा बैंड बनाने की प्रेरणा दी जो अपनी आपबीती का प्रयोग दूसरों को प्रेरणा देने के लिए करता था। तत्कालीन राज्य निदेशक स्मृति सिंह के अनुसार 19 जिलों में 1,20,000 ग्रामीण महिलायें संगठन की सदस्य थीं। ऐसे में बैंड उनकी प्रतिभा सामने लाने का बड़ा माध्यम था। वे चाहती थीं कि बैंड अपने सदस्यों को अपने सपने पूरे करने तथा दूसरी महिलाओं को आगे आने की प्रेरणा दे।

महिला और बाल अधिकार मंचों ने 2017 में बाल विवाह समाप्त करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर काम शुरू किया तो उसमें इन्होंने नेतृत्व किया। अन्य सामूहिक संस्थाओं के माध्यम से वे अगले दो वर्ष में 437 बाल विवाह रोकने में सफल हुईं। अब सभी 19 जिलों में इन महिलाओं व बाल अधिकार मंचों का काम बंद हो गया है। इसके साथ ही 150 एमएस नारी अदालतें भी बंद हो गई हैं। इन अदालतों के बंद होने से अनेक महिलाओं के सामने अब न्याय पाने का कोई रास्ता नहीं बचा है।

एमएस के प्रतिनिधित्व वाले सभी जिलों में महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका मिला। इनमें से 20 का चयन कर उनको प्रशिक्षण दिया गया। बैंड का नाम 'आरोहिणी' रखा गया। बैंड के सदस्य अपने प्रदर्शनों के दौरान गुलाबी कुर्ता, काली सलवार व पीली पगड़ी पहनती थीं। बैंड में शामिल अररिया जिले की निवासी 32 वर्षीय सीमा कुमारी ने स्कूली शिक्षा बीच में ही छोड़ दी थी और उनका 15 वर्ष की आयु में विवाह हो गया था। वे बताती हैं, 'इसके बाद मेरी पहचान केवल एक पत्नी, बहू और मां की रह गई। जब मैं यह पोशाक पहन कर गाती हूं तो मेरी अलग पहचान बनती है। अब घर पर फैसलों में भी मेरी बात सुनी जाती है।' बैंड की सदस्य माया देवी ने नई चीजें सीखीं तथा गानों का प्रयोग सूचना देने के लिए किया। वे जानती हैं कि बाल विवाह निषेध कानून 18 साल से कम आयु वाली महिला का विवाह अवैध घोषित करता है जिसके लिए दो साल कैद की सजा हो सकती है। वे जानती हैं कि 15-19 साल की लड़कियों का प्रसव के समय मौत का खतरा दूना होता है। वे बताती हैं, 'गीतों के माध्यम से ये सूचनायें अच्छी तरह समझी जाती हैं क्योंकि संदेश मजेदार ढंग से दिया जाता है। जब महिलायें हमारे साथ अपनी समस्यायें साझा करतीं और सहायता मांगती हैं तो हम जानते हैं कि हमारा असर पड़ रहा है।' एमएस के काम से महिलाओं में जागरूकता और ज्ञान बढ़ा है, उनकी गतिशीलता बढ़ी है तथा सार्वजनिक स्पेस में वे ज्यादा दिखाई देती हैं। विभिन्न जिलों और राज्य के सार्वजनिक आयोजनों में बैंड का प्रदर्शन इसका प्रमाण है।

महिला और बाल अधिकार मंचों ने 2017 में बाल विवाह समाप्त करने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर काम शुरू किया तो उसमें इन्होंने नेतृत्व किया। अन्य सामूहिक संस्थाओं के माध्यम से वे अगले दो वर्ष में 437 बाल विवाह रोकने में सफल हुईं। अब सभी 19 जिलों में इन महिलाओं व बाल अधिकार मंचों का काम बंद हो गया है। इसके साथ ही 150 एमएस नारी अदालतें भी बंद हो गई हैं। इन अदालतों के माध्यम से महिलाओं को कम खर्च में जल्दी से न्याय मिलता था तथा हिंसा व आर्थिक भेदभाव की उनकी शिकायतें दूर होती थीं। इन अदालतों के बंद होने से अनेक महिलाओं के सामने अब न्याय पाने का कोई रास्ता नहीं है। राज्य में महिलाओं, खासकर दलित, आदिवासी व मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं। बाल लिंग अनुपात प्रति 1,000 लड़कों पर 885 लड़कियों का है। हालिया शोध से संकेत मिलता है कि यूपी में यह अंतर और बढ़ सकता है क्योंकि बेटे की पसंद के कारण लड़कियों का जन्म कम हो रहा है। इससे एक बार फिर रेखांकित होता है कि एमएस जैसे कार्यक्रम जेंडर समानता के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरकार को इस दिशा में विचार करना चाहिए।

अपनों से परेशान

योगी सरकार के एक अति वरिष्ठ मंत्री इन दिनों बहुत परेशान हैं। उनकी इस परेशानी का कारण कोई और नहीं उनके अपने ही हैं। मंत्री को शिकायत है कि सरकार के प्रचार प्रसार का काम देख रहा एक गुट उनके खिलाफ मुहिम चला रहा और मीडिया में उनकी खबरें रुकवाई जा रही हैं। परेशान मंत्री ने अपनी पीड़ा को मीडिया के कुछ मित्रों के सामने भी रखा है। दरअसल भाजपा को बहुमत मिलने पर यह मंत्री सीएम पद के प्रबल दावेदार थे लेकिन ऐन वक्त पर उनका पत्ता कट गया। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सरकार बनने पर इन्हें मंत्रिमंडल में अहम जिम्मेदारी मिली। मंत्री बनने के बाद यह मंत्री कईयों की आंखों की किरकिरी बने हुये हैं हालांकि सीएम योगी के साथ मंत्री जी के बेहतर रिश्ते हैं। लेकिन सरकार का एक गुट मंत्री जी के खिलाफ लगातार मुहिम चलाये हुए है। अब देखना यह है कि लम्बे समय से चली आ रही जंग क्या गुल खिलाती है।

शिव की महिमा

खाकी वाले महकमे के एक डीजी साहब इस समय पूरी तरह से भोले शंकर की भक्ति में लीन हैं। उनका भक्ति भाव यूं ही नहीं जागा। इसके पीछे लंबी कहानी है। भगवा सरकार में उनके साथ सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था लेकिन बीते सालों में कुछ ऐसा षड्यंत्र हुआ कि उनका सुख चैन छिन गया। पद से तो हटाए ही गए और नई तैनाती दिए जाने के बजाए मुख्यालय से अटैच कर दिया गया। डीजीपी बनने का ख्वाब देख रहे इन साहब पर तो जैसे तुषाराघात हो गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम को सोच-सोच कर तनाव में उन्हें नींद भी बमुश्किल आती थी। पूर्व में लंबे समय तक बनारस में तैनात रहने की वजह से वहां के एक पुराने परिचित ने उन्हें बाबा की शरण में आने की सलाह दी। सलाह पर अमल करते हुए उन्होंने काशी विश्वनाथ के दरबार में पहुंचकर हाजिरी लगाई और जब वहां से लौटे तो उसी के साथ उनकी नई तैनाती का आदेश भी जारी हो गया। वह दिन है और आज का दिन। डीजी साहब सुबह,दोपहर,शाम हर वक्त संस्कृत के मंत्रों के साथ भोले शंकर की भक्ति में सराबोर रहते हैं। उनके परिचितों का कहना है कि घर पर भी वह खाली समय में सिर्फ शिव के भजन ही सुनते हैं। अब तो उन्हें पूरी उम्मीद है कि बाबा उनकी मुराद पूरी करेंगे और डीजीपी बनने का उनका सपना भी पूरा होगा।

सुशीलता हो तो ऐसी

स्वभाव से भी काफी सुशील लोगों के लाल मौका पाते ही कभी कभी कृष्ण की भूमिका भी निभाने लगते हैं। बस अंतर इतना है कि कृष्ण के समय त्रेता युग था आज कल युग है। इसीलिए इन महोदय पर यह गाना फिट बैठता है कि इश्क के नाम पर करते सभी रासलीला हैं मैं करूं तो साला करैक्टर ढीला। वैसे अभी भी ये महोदय कृष्ण से किसी भी मामले में कम नहीं हैं। इतना जरूर है कि अब इन्होंने किसी भी मामले में बुरा मानना छोड़ दिया है। मौजूदा समय में आलम यह है कि इनके घर और कार्यालय में दूध दही की नदियां बह रही हैं। दूध के मामले में पूरी हुकूमत चलती है। पूरे प्रदेश में दूध की बढ़त से लेकर दूध की खपत तक में

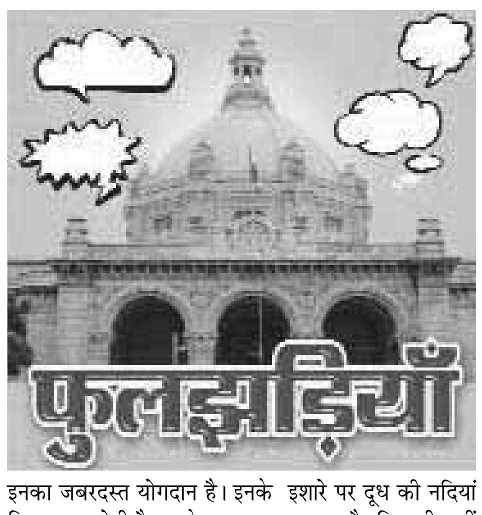

इनका जबरदस्त योगदान है। इनके इशारे पर दूध की नदियां दिशा बदल देती है। इनके पास ताकत भरपूर है। फिर भी इन्हीं के लोग इनको भूल गए। कार्यक्रम था दूध के स्थापना दिवस का। मुख्य अतिथि के रुप में महोदय बुलाये गए थे। कार्यक्रम में आए सभी लोगों ने अपनी अपनी बयान बाजी की। लोगों को धन्यवाद दिया। पुरस्कार वितरण हुआ। नाच गाने का भी विशेष इंतजाम था। उसकी भी घोषणा कर दी गई। तभी अचानक वहां बैठे एक महानुभाव को याद आया कि मुख्य अतिथि को बोलने का मौका ही नहीं दिया गया। उनको तो ऐसे ही विदा किया जा रहा है। मुख्य अतिथि भी अपनी सुशीलता का पूरा परिचय देते हुए शांत बैठे थे क्योंकि वह कुछ भी बुरा नहीं मानते।

शरणम् गच्छामि

पिछले दिनों विभाग में प्रमुख सचिव को हटाने के लिए जिन लोगों ने आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया था वे ही अब शरणम गच्छामि की तरफ रूख कर रहे हैं। आंदोलन का सारा ठीकरा बलि का बकरा बने वाले साहब पर फोड़ा जा रहा है। पिछले दिनों अधिकारियों ने प्रमुख सचिव को हटाने के लिए कर्मचारियों को आगे कर दिया था। कर्मचारियों के आंदोलन की लौ चार दिन भी नहीं टिक पाई। सरकारी फरमान से बलि का बकरा बने साहब के स्थानान्तरण के बाद सारा मामला ठंडा पड़ गया। नये साहब की तैनाती के बाद आंदोलन छोड़ सभी अपने अपने काम में रोजमर्रा की तरह जुट गये। अब खबर यह है कि आंदोलन से चर्चा में आये प्रमुख सचिव सबकी खबर लेने पर तुल गये हैं। हर एक के आउटपुट पर ध्यान दिया जा रहा है। अब इससे बचने के लिए लोग बुद्ध के शाश्वत वाक्य बुद्धं शरणंम् गच्छामि की तरह आगे बढ़ रहे हैं।

बंगाल का जादू

यूपी के एक साहब बंगाल क्या गए उन्हें निलंबन का दंश तो झेलना ही पड़ा साथ ही एक तोहमत अलग से मिल गई। वह भी बंगाली महिला के साथ अभद्रता की। साहब अच्छा खासा एपीसी शाखा में तैनात थे। बंगाल में हो रहे विधान सभा चुनाव में प्रेक्षक की जिम्मेदारी क्या मिली, सब गड़बड़ हो गया। उन्होंने तो यूपी की ही तरह सबको समझा और उसी प्रकार व्यवहार किया मगर बंगाल का जादू चल गया और साहब निलंबित हो गए। साहब की साथ हुई इस घटना को यूपी की नौकरशाही में बड़ी गंभीरता से लिया जा रहा है। इसे राजनीतिक मोड़ भी दिया जा रहा है। साहब लोगों के बीच चर्चा यहां तक हो रही है कि कहीं दीदी ने यह जानबूझकर तो नहीं किया साहब के साथ क्योंकि वह यूपी से ताल्लुक रखते हैं। यहां के महाराज दीदी के गढ़ में खुले आम ललकार के आ रहे हैं। फिलहाल साहब अब बड़े ही निराश हैं और सोच रहे है कि किस घड़ी में यह बंगाल जाने की जिम्मदारी ली थी।

मूर्ति की सियासत

अब लखनऊ चला श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी के पदचिन्हों पर। नगर निगम की कार्यकारिणी में एक स्वर से श्रीलक्ष्मण जी की भव्य 151 फिट की ऊंची प्रतिमा लगाने की मांग उठी। शहर की मुखिया ने इसे अपना पहला कर्तव्य बताते हुए ऐलान किया तो कईयों की नींद उड़ गयी। फिर क्या था कुछ विपक्षियों को इस एलान से बड़ी मिर्ची लगी। बेचारे छोटे चचा का चेहरा ही उतर गया। फिर कहते नहीं चूके। गंगा जमुनी तहजीब के शहर में बिना मतलब नफरत फैलाने का काम किए बिना चैन नहीं है। कई लोग बेचारे बिना बोले ही उठ खड़े हुए। कुछ बोल नहीं पाए। आगे कुआं और पीछे खांई जैसी स्थित में फंसे दिखे। वहीं मुखिया अब जमीन तलाशने में जुट गयीं है। अपनी टीमें भी काम पर लगा दी हैं। एक करोड़ रुपए की व्यवस्था भी हो गयी है। हालांकि कुछ लोग कहते नहीं चूके कि सबसे मुफीद स्थान लक्ष्मण टीला है जहां दूसरे वर्ग का धार्मिक स्थल बना हुआ है। औरंगजेब के जमानें में भव्य मंदिर को हटाकर अपनी बिल्डिंग बना दी गयी थी।

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की निविदाओं को जल्दी शुरू कराएं: कमिश्नर

पायनिरस समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की निविदाएं जल्दी शुरू करने का आदेश दिया गया है। भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल यात्रियों को फुट ओवर ब्रिज बनाने व परियोजनाओं के प्रचार प्रसार के निर्देश दिए हैं। यही नहीं पार्कों को चिन्हित कर जन स्वास्थ्य के लिए ओपेन जिम लगाए जाने के आदेश दिए गए हैं।

शनिवार को मंडलायुक्त रंजन कुमार की अध्यक्षता व अपर पुलिस महानिदेशक नीरा रावत, पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की उपस्थिति में लखनऊ स्मार्ट सिटी की तेरहवीं बोर्ड बैठक स्मार्ट सिटी में की गयी। लालबाग में हुई बैठक में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, नगर आयुक्त अजय द्विवेदी, एलडीए सचिव पवन गंगवार, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती विश्व भूषण मिश्रा सहित सभी संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त द्वारा परियोजनाओं की समीक्षा की गई व नवीन परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए सड़क पार किए जाने की सुविधा के लिए फुटओवर ब्रिज बनाए जाने व पूर्व से निर्मित फुटओवर ब्रिज पर लखनऊ स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं के विज्ञापन कराए जाने के निर्देश दिए गए। क्षेत्र में आने वाले प्रवासी युवाओं के लिए कौशल विकास को शुरू करने, कौशल विकास भवन निर्माण कार्य के लिए डीपीआर बनाए जाने के निर्देश दिए गए। पार्कों को चिन्हित कर जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ओपेन जिम लगाए जाने के निर्देश दिए गए। स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नगर निगम के सहयोग से सरोजनीनगर के औद्योगिक क्षेत्र के समीप नगर निगम सीमा क्षेत्र की भूमि पर सोलार फार्म बनाए जाने के निर्देश दिए गए। आम जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लखनऊ स्मार्ट सिटी द्वारा एसजीपीजीआई के तकनीकी सहयोग से शहर के 100 स्थलों पर हेल्थ एटीएम व किओस्क स्थापना की जानी है। लखनऊ स्मार्ट सिटी द्वारा लखनऊ नगर में विभिन्न स्थल चिन्हित करते हुए एलईडी डिस्प्ले बोर्ड एवं एसटीपी निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए गए लखनऊ नगर के सौंदर्यीकरण के लिए स्मारकों का चयन कर फसाड लाईटिंग लगाए जाने के लिए निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने स्मार्ट सिटी वर्तमान संचालित योजनाओं को जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए गये।

इंदिरानगर स्थित भूतनाथ मार्केट में होली के त्योहार पर खरीददारी करते लोग

सपा ने 'कलाकार घेरा' कार्यक्रम से प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शनिवार को समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा 'कलाकार घेरा' कार्यक्रम राजधानी सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कलाकारों ने भाजपा राज में कलाकारों के उत्पीड़न के खिलाफ अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति से विरोध प्रदर्शन किया।

कलाकारों ने अभिव्यक्ति स्वतंत्रता और कलाओं के राजनीतिकरण के खिलाफ सत्तादल की साजिशों की निंदा करते हुए भाजपा सरकार को भी हटाने का संकल्प दुहराया। लखनऊ में समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव अच्छे लाल सोनी की उपस्थिति में लखनऊ महानगर एवं लखनऊ जिला में कलाकार घेरा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कलाकारों ने भागीदारी की। लखनऊ महानगर में गिरजेश श्रीवास्तव, जहीर अब्बास, वर्षा श्रीवास्तव, मोहम्मद शरीफ उर्फ बल्ले तथा जिला में प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजकुमार यादव उर्फ गुड्डन यादव और उनके साथियों ने गीत संगीत के साथ भाजपा विरोध को स्वर दिया और समाजवादी आंदोलन का महत्व बताया। इसी के साथ ही अन्य जनपदों में भी सपा नेताओं ने कार्यक्रम कर प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन के दौरान एकमत होकर कलाकारों ने कहा कि वर्तमान सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा आरएसएस की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए कलाकारों पर अनुचित दबाव बनाया जाता है। कलाकारो के मानदेय और पेंशन में भेदभाव किया जाता है। कलाओं की विविधता को भाजपा राज में खतरा पैदा हो गया है। कलाकार की स्वतंत्रता का दमन किया जा रहा है और विरोध का स्वर उठाते ही कलाकार के खिलाफ एफआईआर और आरोप पत्र दर्ज हो जाता है।

जल निगम कर्मियों के समायोजन पर कवायद शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जल निगम कर्मचारियों के विलय पर कवायद शुरू हो गई है। विभाग के करीब आठ हजार कर्मचारियों को पंचायतीराज सहित दूसरे अन्य विभागों में भेजा जाना है। जल निगम ने इन्हे अतिरिक्त कर्मचारी घोषित कर रखा है। जल शक्ति विभाग बनने के बाद जल निगम के हाथ से अधिकतर काम निकल गया है। पहले जो काम करता था वही काम अब जल शक्ति विभाग को मिल गया है। वेतन संकट से जूझ रहे जल निगम प्रशासन ने कुछ माह पहले शासन को रिपोर्ट भेजी थी। जिसमे अतिरिक्त कर्मचारियों को दूसरें विभागों में समायोजित करने की संस्तुति की गई थी। जल निगम के इस प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल चुकी है। जिसके बाद इन कर्मचारियों के समायोजन पर सरकारी कवायद शुरू हुई है।

केशव प्रसाद मौर्य समेत प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने होली के पावन पर्व पर दी शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने होली के पावन पर्व पर देश व देशवासियों को अपनी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री डॉ. सिद्धार्थ नाथ सिंह ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। होली की पूर्व संध्या पर जारी शुभकामना संदेश में मंत्रीगण ने कहा कि रंगों का पावन पर्व होली हमारी सभ्यता एवं संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारा को बढ़ाने वाले भारतीय त्योहारों को प्रेमपूर्वक मिल जुलकर मनायें। इसके साथ ही जलशक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज व नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, वन मंत्री दारा सिंह चौहान तथा जलशक्ति राज्य मंत्री बीएस ओलख, परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार अशोक कटारिया व खेल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उपेन्द्र तिवारी,तथा अल्पसंख्यक कल्याण वक्फ एवं हज राज्य मंत्री मोहसिन रजा ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। होली की पूर्व संध्या पर जारी शुभकामना संदेश में मंत्रिमंडल के इन सदस्यों ने कहा है कि रंगों का यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। इसके साथ ही यह त्योहार आस्था एवं विश्वास की धारणा को सुदृढ़ करते हुए असत्य पर सत्य की विजय का भी द्योतक है। मंत्रिपरिषद के इन सदस्यों ने यह भी कहा है कि इस समय पूरा देश कोविड.19 की बीमारी के पुन: चपेट में आ रहा हैए इस लिए होली के पर्व को सादगी के साथ कोरोना के प्रोटोकाल का कड़ाई से अनुपालन करते हुए मनाये। इसके साथ ही एक दूसरे की भावना का आदर करते हुए समाजिक सौहार्द को और मजबूत बनाने का प्रयास करें।

पंचायत चुनाव से पहले मेरठ में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● **एसटीएफ ने अवैध शस्त्र बनाने फैक्ट्री का किया पर्दाफाश, आठ गिरफ्तार**

पंचायत चुनाव से पहले मेरठ में एसटीएफ ने अवैध शस्त्र बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी करके 135 अवैध तमंचा व पिस्टल, कारतूस और काफी संख्या में अधबने तमंचे व उन्हें बनाने के उपकरण बरामद किए। इस फैक्ट्री में बनने वाले तमंचे 1500 से 5000 रुपए और पिस्टल 22 हजार से 30 हजार तक में बेची जाती थीं।

एसटीएफ को बीते काफी समय से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में अवैध शस्त्रों की तस्करी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचनाएं प्राप्त हो रहीं थीं। ज्ञात हुआ कि जनपद मेरठ के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शस्त्रों का निर्माण कर विभिन्न स्थानों व अन्य राज्यों में भी सप्लाई की जा रही है। मुखबिर द्वारा सूचना दी गई जनपद मेरठ के मोहल्ला होली चौक मलियाना, थाना टीपी नगर क्षेत्र में अवैध रूप से पिस्टल, तमंचे बनाकर जनपद मेरठ के आसपास के जनपदों एवं अन्य राज्यों में भी सप्लाई किए जा रहे हैं। इस जानकारी के बाद एसटीएफ ने बताए गए स्थान पर दबिश दी तो तबरेज व शफीक उर्फ फौजी को 2 पिस्टल 32 बोर, 32 तंमचे 315 बोर, 9 तमंचे 12 बोर, 2 अधबनी पिस्टल 32 बोर व शस्त्र बनाने के उपकरण सहित गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में बताया कि हमारे साथी शॉपिक्स माल के पीछे ध्यानचंद मौहल्ले में भी अवैध शस्त्र बनाने के काम करते हैं। इस सूचना पर एसटीएफ ने शॉपिक्स माल के पीछे बताए गए स्थान पर दबिश दी गई तो वहां से 2 अभियुक्त भावेन्द्र उर्फ गुल्लू व फारूख को गिरफ्तार कर 16 तंमचे 315 बोर, 6 तमंचे 12 बोर, 2 अधबनी पिस्टल 32 बोर, 36 जिंदा कारतूस 12 बोर व शस्त्र बनाने सम्बन्धी उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि शस्त्र तैयार कर हम इसरार निवासी राधना थाना किठौर एवं लिसाड़ीगेट में भी सप्लाई करते है। इस सूचना पर थाना किठौर पुलिस द्वारा इसरार को गिरफ्तार कर 29 तंमचे 315 बोर, 5 तमचें 12 बोर, 2 बन्दूक 12 बोर एवं थाना लिसाड़ीगेट पुलिस द्वारा आकिल, अनस उर्फचूहिया उर्फ दानिश, अलीहसन को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही से 22 तंमचे 315 बोर, 6 तमंचे 12 बोर, 1 पोनिया 315 बोर, 1 पोनिया 12 बोर बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त तबरेज व शफीक उर्फ फौजी ने बताया कि हम लोग होली चौक, मलियाना थाना टीपी नगर पर खराद की मशीन से पिस्टल व तंमचे की बॉडी बनाने का काम करते हैं।

कैसरबाग बस अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों की कोरोना जांच करते स्वास्थ्यकर्मी

पहले दिन प्रधान पद के 244 व क्षेत्र पंचायत के 134 नामांकन पत्रों की हुई बिक्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● **बीडीसी व प्रधान पद के उमीदवरों को 300 और सदस्य ग्राम पंचायत के लिए नामांकन शुल्क 150 रुपए**

● **ग्राम पंचायत पद के प्रत्याशी 10, ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य 75 हजार, जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी 1.50 लाख रुपए से अधिक खर्च नहीं कर सकेंगे**

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बिगुल बजते ही प्रत्याशियों ने पहले दिन नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो गयी। प्रत्याशियों ने पहले ही दिन प्रधान पद के 244 व क्षेत्र पंचायत के 134 नामांकन पत्र खरीदें। ब्लाक में नामांकन पत्रों की बिक्री व प्रत्याशियों की सुविधा को देखते हुए अलग अलग काउंटर बनाए गए हैं। वहीं चुनाव लड़ने के लिए पुलिस से जारी चरित्र प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन पत्रों की बिक्री शनिवार से शुरू हो गई। पहले दिन प्रधान पद के 244 व क्षेत्र पंचायत के 134 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। राजधानी के आठों ब्लाक परिसर में नामांकन पत्र खरीदने वालों व समर्थकों की भीड़ रही। नामांकन पत्रों की बिक्री से पहले आरओ व एआरओं के साथ बैठक हुई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। गांवों में प्रधान पद के दावेदारों ने पिछले करीब दो माह से माहौल बनाना शुरू कर दिया है। ब्लाक में नामांकन पत्रों की बिक्री के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। इसके अलावा क्षेत्र पंचायत बीडीसी के 134 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। ब्लाक परिसर में दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। सूचना बोर्ड पर चस्पा हुई। आरक्षण सूची देखने वालों की भी भीड़ लगी रही। प्रधान व क्षेत्र पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक कई लोग शनिवार को ब्लाक पहुंचे। उन्होंने जरूरी दस्तावेजों की जानकारी मांगी।

मतदाता सूची में नाम तो किसी भी वार्ड से लड़ सकते हैं चुनाव

प्रधान व क्षेत्र पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक कई लोग शनिवार को ब्लाक पहुंचे। उन्होंने जरूरी दस्तावेजों की जानकारी मांगी। एडीओ पंचायत ने बताया कि इस बार प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिए किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया। पूर्व में जारी रहे निर्देश ही लागू हैं। बताया कि प्रधान व क्षेत्र पंचायत चुनाव के लिए जरूरी है कि गांव की वोटर लिस्ट में दावेदार का नाम शामिल है। क्षेत्र पंचायत सदस्य गांव के किसी भी वार्ड से नामांकन कर सकता है। इसके लिए जरूरी है कि प्रस्तावक उसी वार्ड के हों जहां से चुनाव लड़ा जा रहा है। बताया कि प्रधान व बीडीसी के लिए नामांकन पत्र खरीदते समय एक संलग्नक मिलेगा। ग्राम पंचायत सदस्य सीधे संलग्नक को भर कर जमा कर देगा। जबकि प्रधान व बीडीसी नोटरी हलफनामे के साथ संलग्नक जमा करेंगे। यदि आवेदन किसी जाति विशेष का है तो जाति प्रमाण पत्र देना होगा। जाति विशेष या फिर महिला आदि के मामले में जमानत धनराशि दो हजार रुपए से घटकर आधी हो जाएगी।

पुलिस से चरित्र प्रमाण्ण पत्र की जरूरत नहीं

चुनाव लड़ने के लिए शौचालय व पुलिस से जारी चरित्र प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। नामांकन करने की तिथि तक आवेदक की उम्र 21 से कम नहीं होनी चाहिए। साथ ही जरूरी है कि आवेदक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। बताया कि एक पद के लिए चार सेट में नामांकन किया जा सकता है। यदि किसी भी सेट में नामांकन सही मिला तो मान्य होगा। इसके लिए अलग-अलग जमानत धनराशि नहीं देना होगा। केवल नामांकन पत्र को ही खरीदना पड़ेगा। इस बार नामांकन के साथ ही आवेदक का फोटो अनिवार्य कर दिया है। हर सेट के साथ नामांकन करने वाले की फोटो लगी होना जरूरी है।

प्रत्याशियों को देना होगा एक-एक रुपए का हिसाब

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही दावेदार भी चुनावी मैदान में ताल ठोकने लगे हैं। सात अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए आयोग ने प्रत्याशियों के खर्च की सीमा को लेकर पहले ही दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। ग्राम पंचायत पद के प्रत्याशी दस हजार, ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रत्याशी 75 हजार और जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी 1.50 लाख रुपए से अधिक खर्च नहीं कर सकेंगे। चुनाव के दौरान जो भी धनराशि खर्च करेंगे, उसका पूरा हिसाब किताब रखना होगा। मतदान बाद निर्वाचन अधिकारी के यहां उन्हें इसे जमा करना होगा। होर्डिंग, बैनर, झंडे, कार्यकर्ताओं के खाने-पीने, वाहन आदि सभी के खर्च का ब्योरा देना होगा। इंटरनेट मीडिया पर होने वाले खर्च का भी उन्हें हिसाब देना होगा।

माकपा और कांग्रेस वैचारिक रूप से भ्रमित हैं: जेपी नड्डा

भाषा। चक्काराक्कल (केरल)

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि माकपा और कांग्रेस वैचारिक रूप से भ्रमित हैं क्योंकि एक ओर जहां केरल में ए दल एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहें हैं तो वहीं पश्चिम बंगाल में दोनों दलों ने हाल मिलाया हुआ है।
नड्डा ने कहा, यह देखना दिलचस्प है कि इस वक्त पश्चिम बंगाल में चुनाव हो रहे हैं। दोनों पार्टियां वैचारिक रूप से कितनी भ्रमित हो गई हैं। यहां कांग्रेस और माकपा एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही हैं और पश्चिम बंगाल में माकपा और कांग्रेस भाजपा के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रहीं हैं। नड्डा ने पार्टी के उम्मीदवार सी के पद्मनाभन के पक्ष में एक रोड शो में यह बात कही। चक्काराक्कल धर्मादम विधानसभा क्षेत्र में आता है जहां से मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने सबरीमला में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे पर कहा कि सत्तारूढ़ माकपा और

● नड्डा ने परावूर में अप्रैल 2016 में पटाखों में विस्फोट होने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी घटना के कुछ घंटे बाद पुत्तिंगल मंदिर परिसर में पहुंचे थे। इस घटना में 114 लोग मारे गए थे और 300 लोग घायल हो गए थे

मुख्यमंत्री ने आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया वहीं कांग्रेस वर्षों से केवल बातें ही करती रही।गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 2018 में उच्चतम न्यायालय के उस फैसले को लागू करने का निर्णय लिया था, जिसमें सभी आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी, इसके बाद राज्य में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। भाजपा नेता ने केरल के बहुचर्चित सोना तस्करी मामले में भी विजयन पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यालय भी इसमें शामिल था।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री का कार्यालय भी सोना तस्करी मामले में शामिल है। जांच चल रही है। उन्होंने (विजयन) केन्द्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की, लेकिन जब जांच उनके कार्यालय तक पहुंची तो वे कह रहे हैं कि केन्द्र सरकार राज्य सरकार पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि 2011 में जब सबरीमला में भगदड़ में 106 लोग मारे गए थे तब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्य की यात्रा करने की भी जहमत नहीं उठाई थी। वहीं नड्डा ने परावूर में अप्रैल, 2016 में पटाखों में विस्फोट होने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी घटना के कुछ घंटे बाद पुत्तिंगल मंदिर परिसर में पहुंचे थे। इस घटना में 114 लोग मारे गए थे और 300 लोग घायल हो गए थे।

चक्काराक्कल धर्मादम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान लोगों का अभिवादन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा

आगरा में एक अभ्यास के दौरान सेना के जवान

कांग्रेस नीत यूडीएफ ने केआईआईएफबी को फांसी पर लटकाने का काम अपने हाथ में ले लिया है: विजयन

भाषा। कोच्चि

केरल में कांग्रेस और भाजपा पर अपने हमले तेज करते हुए मुख्यमंत्री पी विजयन ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियां दक्षिणी राज्य में विध्वंसक गतिविधियां चला रही हैं और विपक्षी यूडीएफ उनके सुर में सुर मिला रहा है।

राज्य सरकार की कुछ परियोजनाओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच पर निशाना साधते हुए मार्क्सवादी नेता ने आरोप लगाया कि संघ परिवार केंद्र में अपनी शक्ति का इस्तेमाल केआईआईएफबी जैसी संस्थानों को नष्ट करने के लिए कर रहा है जिसके जरिए राज्य में पिछले पांच साल में अवसंरचना का अप्रत्याशित विकास किया गया है।

तिरुवनंतपुरम में केरल अवसंरचना निवेश बोर्ड (केआईआईएफबी) मुख्यालय में आयकर विभाग द्वारा निरीक्षण करने के दो दिन बाद,विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नीत यूडीएफ ने केआईआईएफबी के गले पर फंदा लगा दिया है और उसे फांसी देने वाले का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता रमेश चेन्नीतला केंद्र की भाजपा सरकार के मजबूत समर्थक बन गए हैं।केआईआईएफबी को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियों की कार्वाई का समर्थन करने का यूडीएफ पर आरोप लगाते हुए विजयन ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि वे (उसे) फांसी देने वाले का काम करेंगे। उन्होंने यहां प्रेस वार्ता में कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ द्वारा खोले गए दरवाजों से प्रवेश करने के बाद केंद्रीय एजेंसियां राज्य में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया , वे केआईआईएफबी को नष्ट करना चाहते हैं, और राज्य सरकार की लाइफ मिशन परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। लाइफ मिशन राज्य सरकार की भवन परियोजना है जिसमें बेघरों को घर उपलब्ध कराने की कल्पना की गई है। इसमें विदेशी योगदान (रेगुलेशन) अधिनियम के उल्लंघन के आरोप हैं। विजयन ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर केआईआईएफबी में आयकर निरीक्षण पर हमला करते हुए, आरोप लगाया था कि भाजपा नीत सरकार संघवाद को नष्ट करने की कोशिश कर रही है।

विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता चेन्नीतला मलयालम नव वर्ष विष्णु के लिए विशेष राहत किट के वितरण को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यह नववर्ष 14 अप्रैल को आएगा। चेन्नीतला ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि वे राज्य विधानसभा के लिए मतदान की तारीख तक विष्णु विशेष खाद्य सामग्री के वितरण को रोके, क्योंकि इससे आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन होता है और यह मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश है।

सेक्स स्कैंडल मामले में डीके शिवकुमार की सफाई, कथित वीडियो में दिख रही महिला से कभी नहीं मिला

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह उस महिला से कभी नहीं मिले जो कथित सेक्स वीडियो में दिखाई दे रही है। इस मामले में पूर्व मंत्री रमेश जरकीहोली के शामिल होने के आरोप लग रहे हैं। इस विवाद में उस समय नया मोड़ आया जब वायरल हुई ऑडियो क्लिप में महिला कथित रूप से उनका नाम लेकर बात करते हुए सुनाई दे रही है। इस बीच, वीडियो में कथित रूप से दिखाई दे रही महिला ने चौथी बार वीडियो संदेश जारी कर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। महिला का दावा है कि वह परेशान महसूस कर रही है और आत्महत्या करना चाहती है। महिला द्वारा शुक्रवार को दी गई शिकायत के बाद पुलिस ने पूर्व मंत्री जरकीहोली पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया। इसके कुछ घंटे के बाद ही महिला और उसके परिवार के सदस्यों के बीच टेलीफोन पर की गई बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ जिसमें कथित रूप से वह यह कहते हुए सुनाई दे रही है कि वह शिवकुमार के घर उनसे मिलने जा रही है। ऑडियो क्लिप सामने आने पर कार्नाटक भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और मांग की कि कांग्रेस शिवकुमार को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए। शिवकुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम सार्वजनिक जीवन में है, आप (मीडिया) जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। हम राजनेता भी मुश्किल में फंसे लोगों की मदद करते हैं। उस महिला ने कहा कि वह मुझसे मिलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि रोजाना कम से कम 10 लोग उनके पास निजी समस्या को लेकर मिलते हैं, उस तरह संभव है महिला आई होगी लेकिन कभी उनसे नहीं मिली।

मुंबई में मॉल में आग लगने के सिलसिले में छह लोगों खिलाफ मामला दर्ज

भाषा। मुंबई

महानगर पुलिस ने यहां के भांडुप इलाके के एक मॉल में आग लगने की घटना के सिलसिले में छह लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। भीषण आग में वहां स्थित एक अस्पताल में इलाजरत कोरोना वायरस के नौ मरीजों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) के प्रमोटर राकेश वधावन और उनके बेटे एवं माल के सारंग को प्राथमिकी में नामजद किया हैं। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को भांडुप थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें ड्रीम्स मॉल और सनराइज अस्पताल के प्रबंधकों के नाम भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, मॉल के निदेशकों राकेश वधावन, निकिता अमित सिंह त्रेहन,

● एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अस्पताल से बाहर निकाले गए मरीजों को मुलुंड, भांडुप, ठाणे, घाटकोपर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है

सारंग वधावन और दीपक शिर्के तथा अस्पताल के निदेशकों अमित सिंह त्रेह)न और स्वीटी जैन के नाम प्राथमिकी में शामिल हैं। निकिता त्रेहन अस्पताल की निदेशक भी हैं।
भांडुप थाना के एक अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और 34 (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा,"अब तक की जांच के दौरान पुलिस को मॉल में कई कमियां मिलीं। सुरक्षा के लिहाज से कुप्रबंधन का मामला सामने आया है और समय पर अग्नि सुरक्षा उपकरण की जांच नहीं की गई। उन्होंने बताया कि यह भी पाया गया कि मॉल में।,108 दुकानें हैं, उनमें से लगभग 40 प्रतिशत बंद हैं और संचालन में नहीं हैं। अधिकारी ने कहा,"जनवरी में, सनराइज अस्पताल को कोविड देखभाल केंद्र में बदल दिया गया था। गौरतलब है कि मुंबई के भांडुप इलाके में ड्रीम्स मॉल इमारत में बृहस्पतिवार आधी रात के कुछ देर बाद आग लग गई। आग एक दुकान में लगी और चार मंजिला मॉल की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित सनराइज अस्पताल तक फैल गई। इस घटना में अस्पताल में भर्ती नौ मरीजों की मौत हो गई।बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि अस्पताल में कोविड-19 का इलाज करा रहे नौ मरीजों की आग लगने के कारण दम घुटने से मौत हो गई जबकि दो अन्य मरीजों की आग लगने से पहले ही कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई थी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया, प्रशीतन अभियान अब भी चल रहा है। यह गंभीर स्तर की आग थी। आग पर काबू पा लिया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अस्पताल से बाहर निकाले गए मरीजों को मुलुंड, भांडुप, ठाणे, घाटकोपर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस बीच नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने आग लगने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को जल्द ही रिपोर्ट देने के लिए कहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शुक्रवार दोपहर को घटनास्थल पर पहुंचे थे और उन्होंने कहा था कि इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा उसके खिलाफ कठोर कार्वाई की जाएगी।

लेह और करगिल एलएएचडीसी ने गठन के बाद से ही नहीं दिया खातों का लेखाजोखा : सीएजी

भाषा। जम्मू

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कहा है कि लेह और करगिल जिलों से संबद्ध लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों (एलएएचडीसी) ने अपने गठन के बाद से ही खातों की लेखा-जोखा रिपोर्ट पेश नहीं की है जो एक गंभीर वित्तीय अनियमितता है। सीएजी ने कहा कि शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (कश्मीर और जम्मू), जम्मू कश्मीर राज्य आवासन बोर्ड और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण समेत जम्मू कश्मीर के आठ अन्य स्वायत्त निकायों की ऑडिट रिपोर्ट भी कई सालों से लंबित हैं। सीएजी ने 31 मार्च 2019 को खत्म हुए वर्ष के लिए पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर के सामाजिक, सामान्य और आर्थिक (गैर पीएसयू) विषयों पर हाल में संसद में सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में कहा कि एलएएचडीसी लेह और एलएएचडीसी करगिल समेत 10 स्वायत्त निकायों ने अपना वार्षिक खाता उपलब्ध नहीं कराया है जबकि इनके ऑडिट की आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर राज्य को अगस्त 2019 में दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर व लेह में विभाजित कर दिया गया था। सीएजी ने कहा, एलएएचडीसी, लेह ने अपने गठन के समय (1995-96) से लेखाजोखा रिपोर्ट जमा नहीं कराई है यद्यपि परिषद को अच्छी खासी रकम जारी की गई और जो रकम खर्च नहीं हुई उसे साल के अंत में राज्य के लोक लेखा खाते में अव्यपगत कोष जमा करा दिया गया जिसकी रकम वापस नहीं होती है। उसने कहा कि एलएएचडीसी, करगिल की स्थिति भी ऐसी ही है जो 2004-05 में अस्तित्व में आया था।सीएजी ने कहा कि एलएएचडीसी को वर्ष 2018-19 में 546.24 करोड़ रुपए का अनुदान मिला जबकि एलएएचडीसी करगिल को उसी वित्त वर्ष में 597.95 करोड़ की रकम मिली।

'स्थानीय लोगों को पोलिंग एजेंट नियुक्त करने संबंधी पुराने नियम फिर से लागू करे आयोग'

● तृणमूल की मांग पर आयोग की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर बंदोपाध्याय ने कहा सीईओ ने हमारी बात सुनी, लेकिन उन्होंने कुछ खास नहीं कहा

भाषा। कोलकाता

सांसद सुदीप बंदोपाध्याय के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को निर्वाचन आयोग से वह नियम फिर से लागू करने की अपील की, जिसके तहत पोलिंग एजेंट का उस मतदान केंद्र का मतदाता होना अनिवार्य था, जहां का उसे एजेंट बनना होता था।उल्लेखनीय है कि आयोग ने पिछले सप्ताह पोलिंग एजेंट के लिए नियमों में संशोधन करने का निर्णय

लिया, जिसके तहत कोई भी दल उस विधानसभा क्षेत्र के अंदर के किसी भी व्यक्ति को मतदान एजेंट नियुक्त कर सकता है, जो उस क्षेत्र का मतदाता हो।बंदोपाध्याय ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि जिस जगह मतदान केंद्र है, वहीं के स्थानीय व्यक्ति को ही राजनीति दल का पोलिंग एजेंट नियुक्त किया जाना चाहिए, जैसा कि पहले होता था। उन्होंने कहा, भाजपा के ज्ञापन देने के बाद निर्वाचन आयोग ने उसी स्थान से पोलिंग एजेंट नियुक्त किए जाने की पुरानी परंपरा को बदल दिया है और इससे पहले चरण में मतदान केंद्रों में काफी समस्याएं आईं, क्योंकि एजेंट एक-दूसरे को जानते ही नहीं हैं। बंदोपाध्याय ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से अपील की है कि वह उसी स्थान से पोलिंग एजेंट नियुक्त करने के नियम को पुन: लागू करे, जहां मतदान केंद्र है, जिससे शेष सात चरणों में सुचारू और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित होगा। तृणमूल की मांग पर आयोग की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर बंदोपाध्याय ने कहा, सीईओ ने हमारी बात सुनी, लेकिन उन्होंने कुछ खास नहीं कहा। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें आयोग से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है, उन्होंने कहा, हमारा काम उनके सामने समस्याओं को उठाना है। हम लोकतांत्रिक परंपराओं में भरोसा रखते हैं। समर्थन खोने के कारण तृणमूल के परिणाम से डरे होने संबंधी भाजपा के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए बंदोपाध्याय ने कहा, दो मई के बाद साफ हो जाएगा कि लोगों की पसंद क्या है।

GOVERNMENT OF HARYANA TENDER NOTICE

SR. No.	NAME OF DEPARTMENT	NAME OF WORK NOTICE TENDER	OPENING DATE CLOSING DATE	AMOUNT / EMD (APPROX.) IN RUPEES	WEBSITE OF THE DEPARTMENT	NODAL OFFICER/CONTACT DETAILS/EMAIL
1	PWD B&R, KARNAL	UP-GRADATION OF PHC INTO AB-HWC AT VILLAGE UJHA, SEWAH, ATTA, PATTI KALYANA DISTT. PANIPAT (PROVIDING SPECIAL REPAIR TO EI) + 5 OTHER WORKS	26.03.2021 03.04.2021	15.89 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	PWD B&R, CHANDIGARH	PROVIDING SECURITY GUARDING/FRONT DESK/HOUSE KEEPING SERVICES OF NIRMAN SADAN IN SECTOR-33-A,CHANDIGARH WITH 10400 SQ.METER COVERED AREA FOR 2021-22 (I.E.FROM 01.04.2021 TO 31.03.2022	CLOSING DATE 15.04.2021	58.30 LACS	https://etenders.hry.nic.in	0172-2618279 pwd-eecd-chandigarh@hry.nic.in
3	IRRIGATION & WATER RESOURCES DEPARTMENT HARYANA, PANCHKULA	CONSTRUCTION/RENOVATION OF DATA CENTRE-ATAL BHUJAL YOJANA PROJECT	26.03.2021 09.04.2021	EMD NIL	https://etenders.hry.nic.in	01722560080 xen.ataljal@gmail.com
4	IRRIGATION & WATER RESOURCES DEPARTMENT HARYANA, AMBALA	LAYING OF NP3 RCC PIPELINE AT RD 4000 OF AMBALA DRAIN + 5 OTHER WORKS	CLOSING DATE 12.04.2021	236.20 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01712973270 xensylambala@gmail.com
5	IRRIGATION & WATER RESOURCES DEPARTMENT HARYANA, NARWANA	REPAIRING OF 02 NOS. GATES OF BML BARWALA LINK CHANNEL AT RD 37000 + 1 OHTER WORK	CLOSING DATE 31.03.2021	EMD 10000	https://etenders.hry.nic.in	xen-wsnrw.irr@gov.in
6	IRRIGATION & WATER RESOURCES DEPARTMENT HARYANA, NUH	E-RICREPLACEMENT OF V.R. BRIDGE AT RD. 1350 OF NORTH POSSAR DRAIN	CLOSING DATE 09.04.2021	31.62 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01267-271271 xen-wsnuh.irr@gov.in
7	IRRIGATION & WATER RESOURCES DEPARTMENT HARYANA, SIRSA	REMODELING OF W/C O/L RD 9600-R SHERANWALI DISTY.	CLOSING DATE 16.04.2021	41.03 LACS	https://etenders.hry.nic.in	Xennehrana@yahoo.com
8	WOMEN & CHILD DEVELOPMENT, PANJIRI PLANT, GHARAUNDA,	RATE CONTRACT FOR PURCHASE OF HDPE/PP BAGS PLUS OTHER WORK.	27.03.2021 11.04.2021	11 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01748253895 panjiriplantwcdgharaunda@yahoo.co.in
9	PUBLIC HEALTH ENGINEERING, MANDI DABWALI	ESTIMATE FOR LAYING OF DRINKING WATER SUPPLY PIPELINE IN VILLAGE AND VARIOUS DHANIES AND PROVIDING FUNCTION HOUSEHOLD TAP CONNECTION TO VILLAGE LAMBI DISTT. SIRSA (UNDER JAL JEEVAN MISSION)	25.03.2021 05.04.2021	10.90 LACS	https://etenders.hry.nic.in TENDER NO 2021_HRY_165980_1	9416930996 ee.mandidabwali@gmail.com
10	PANCHAYATI RAJ, JHAJJAR	CONST. OF 7 NOS. ANGANWARI CENTRE AND 1 NO. COMMUNITY CENTRE OF DISTRICT JHAJJAR (RE-TENDER)	26.03.2021 07.04.2021	77.68 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416484910 prexeeng.jjr@hry.nic.in
11	PANCHAYATI RAJ, KARNAL	ONE WORK CONST. OF BRICK PAVEMENT OF RASTA FROM PWD ROAD TO H/O RAJ SINGH, ONE WORK CONST. OF LANGAR HALL AND FOUR OTHER WORKS	26.03.2021 14.04.2021	77.10 LACS	https://etenders.hry.nic.in	prexeeng.krl@hry.nic.in
12	CIVIL SURGEON PANIPAT	FOR SUPPLY OF MEDICINES AND CONSUMABLE ITEMS FOR ALL GOVT. HEALTH INSTITUTES IN DISTT PANIPAT	01.04.2021 14.04.2021	EMD 50000/-	https://etenders.hry.nic.in	0180-2630275 cppnpt@gmail.com

FOR FURTHER INFORMATION KINDLY VISIT : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
R.O. NO: 2372

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की हालत स्थिर

● एम्स में मंगलवार को हो सकती है बाइपास सर्जरी

भाषा। नई दिल्ली

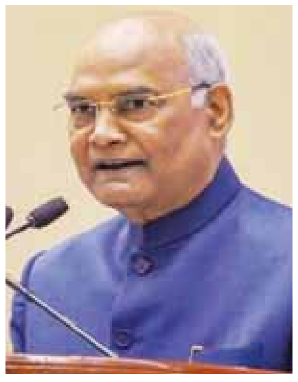

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की हालत स्थिर है और उन्हें आगे की जांच के लिए एम्स ले जाया गया है, जहां मंगलवार को उनकी बाइपास सर्जरी की जा सकती है। राष्ट्रपति भवन के बयान में यह जानकारी दी गई है।

राष्ट्रपति भवन ने कहा, नियमित मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों द्वारा राष्ट्रपति महोदय की देखरेख की जा रही है। उनकी हालत स्थिर है एवं विशेषज्ञ उनकी देखरेख कर रहे हैं। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को 27 मार्च की दोपहर को दिल्ली स्थित एम्स ले जाया गया। जांच करने के बाद डाक्टरों ने उन्हें बाइपास सर्जरी कराने की सलाह दी, जो 30 मार्च को सुबह में होने की संभावना है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को शुक्रवार सुबह सीने में तकलीफ होने के बाद स्वास्थ्य जांच के लिए सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल लाया गया था। अस्पताल के मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की हालत स्थिर है।

उन्हें आगे की जांच के लिए एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) रेफर किया गया है। राष्ट्रपति भवन के ट्वीट में कहा गया है, नियमित मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों द्वारा राष्ट्रपति महोदय की देखरेख की जा रही है।

उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी लेने वाले सभी शुभचिंतकों के प्रति राष्ट्रपति महोदय ने धन्यवाद व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को राष्ट्रपति के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल गए थे।

राष्ट्रपति ने देशवासियों को होली की बधाई दी

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को होली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यह त्योहार राष्ट्रवाद की भावना को और मजबूती प्रदान करेगा, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता की अभिन्न अंग है। राष्ट्रपति ने होली की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, रंगों का त्योहार होली वसंत ऋतु का प्रमुख त्योहार भी है। यह सामाजिक सौहार्द का पर्व है, जो लोगों के जीवन में खुशियां, उमंग और आशाएं लेकर आता है। यह हमें सामाजिक एकजुटता तथा बंधुत्व का संदेश देता है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कोविंद के हवाले से कहा गया है कि इसके अतिरिक्त यह त्योहार लोगों को साथ आकर नए भारत के निर्माण के लिए भी प्रेरित करता है, जिसका निर्माण एकता और सद्भावना की नींव पर हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा, कामना करता हूं कि हर्षोल्लास का यह पर्व राष्ट्रवाद की भावना को और अधिक मजबूती प्रदान करे, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता का अभिन्न हिस्सा है। होली के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों और विदेश में रह रहे भारतीयों को बधाई देता हूं।

लखनऊ में शनिवार को होली के त्योहार से पहले रंगों से खेलती हुईं महिलाएं।

ममता के कथित ऑडियो टेप से बंगाल की राजनीति में मचा हंगामा

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में शनिवार को 30 सीटों के लिए जारी मतदान के बीच भाजपा ने एक ऐसी ऑडियो क्लिप जारी करके बड़ा विवाद खड़ा कर दिया, जिसमें कथित रूप से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक भाजपा नेता को तृणमूल में फिर से शामिल होने और उन्हें जीतने में मदद करने के लिए मनाती सुनाई दे रही हैं।

बनर्जी नंदीग्राम से अपने पूर्व सहयोगी और अब भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनावी मैदान में खड़ी हैं। नंदीग्राम आंदोलन के बल पर ही बनर्जी ने राज्य में वाम मोर्चे को 2011 में हराकर उससे सत्ता छीनी थी। राज्य में तब उन्होंने 34 साल से सत्ता पर काबिज वाम मोर्चे को हराया था। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की और उन्हें टेप सौंपकर आरोप लगाया कि बनर्जी विधानसभा चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग कर रही हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इस ऑडियो टेप की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए, लेकिन उसने साथ ही कहा कि प्रलय पाल तृणमूल के पूर्व नेता थे, जो भाजपा में शामिल हो गए हैं और यदि बनर्जी उन्हें वापस पार्टी में आने के लिए मना रही हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अधिकारी परिवार के वफादार पाल ने आरोप लगाया है कि बनर्जी ने उन्हें स्वयं फोन किया और नंदीग्राम सीट से जीत हासिल करने में उनकी मदद मांगी।

बनर्जी ने अधिकारी परिवार की मजबूत पकड़ वाले पूर्व मेदिनीपुर जिले में भाजपा पदाधिकारी पाल से कथित रूप से कहा, आपको नंदीग्राम में जीत दर्ज करने में हमारी मदद करनी चाहिए। देखिए, मैं जानती हूं कि आपको कुछ शिकायतें हैं, लेकिन इनमें से अधिकतर शिकायतें अधिकारी परिवार के कारण हैं, जिसने मुझे कभी नंदीग्राम या पूर्व मेदनीपुर नहीं आने दिया। मैं आगे से हर बात का खयाल रखूंगी। ऑडियो क्लिप में पाल कथित रूप से कह रहे हैं, दीदी, आपने मुझे फोन किया, जो कि मेरे लिए सम्मान की बात है, लेकिन मैं अधिकारी परिवार को धोखा नहीं दे सकता, क्योंकि उसने हर मुश्किल समय में मेरा साथ दिया है। पाल ने बाद में टीवी समाचार चैनलों से कहा कि बनर्जी ने उन्हें फोन किया और उनसे तृणमूल में लौटने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पाल ने कहा, मैं अब भाजपा के लिए काम कर रहा हूं और अब उन्हें धोखा नहीं दे सकता। पीटीआई-भाषा इस ऑडियो टेप की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर पाई है।

भाजपा के सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालवीय ने कथित बातचीत की क्लिप साझा करते हुए ट्वीट किया, बड़ी बात। ममता बनर्जी नंदीग्राम में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष प्रलय पाल को फोन करती हैं और उनसे मदद का आग्रह करती है। प्रलय उनसे कहते हैं कि तृणमूल में उनका अपमान किया गया और वह इस परिवार और भाजपा को धोखा नहीं दे सकते। ममता बनर्जी नंदीग्राम और तृणमूल बंगाल में निश्चित ही हार रही हैं। विजयवर्गीय ने पत्रकारों से कहा, ममता बनर्जी ने जिस प्रकार बात की, उस तरह कोई हार मान चुका उम्मीदवार ही बात कर सकता है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह टेप प्रामाणिक हैं, भाजपा नेता ने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी से यह बात कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, वह मदद की याचना कर रही हैं। यह दर्शाता है कि उन्होंने हार मान ली है। तृणमूल ने कहा कि इस टेप की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि बनर्जी पार्टी के किसी पूर्व सदस्य से बात करती हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, पहली बात तो यह है कि इस क्लिप की पुष्टि नहीं हुई है। हमें नहीं पता कि यह सच्चाई है या यह सब झूठ है, लेकिन यदि कोई नेता अपने किसी पूर्व नेता या सहयोगी को फोन करता है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह राजनीति में स्वाभाविक सी बात है। नंदीग्राम सीट के लिए दूसरे चरण में एक अप्रैल को चुनाव होगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिसरख मंडल में किया सघन जनसंपर्क

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने विगत 7 दिनों से चल रहे कार्यक्रमों की कड़ी में 25 मार्च और 26 मार्च को बिसरख मंडल के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र के ग्रामीण तथा सोसायटी के इलाकों में सघन जनसंपर्क किया गया तथा लोगों को सरकार द्वारा विगत 4 वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में पत्रक के माध्यम से जानकारी दी गई।

मीडिया प्रभारी आशीष दुबे ने बताया कि बिसरख मंडल भाजपा अध्यक्ष रवि भदौरिया के निर्देश पर सभी पदाधिकारियों मुख्यत: जितेन्द्र सेन जीतू, आदित्य भटनागर, दिनेश बेनीवाल, मुकेश चौहान, शिखा शर्मा, अश्विनी पटेल, सौरभ शर्मा के साथ सभी सोसायटी टीमों ने इस अभियान में अपना योगदान दिया। इसी के साथ सभी लोगों से कोरोना संक्रमण की स्थिति के मद्देनजर प्रशासनिक नियमों के अनुसार उचित सतर्कता बरतते हुए होली का त्यौहार मनाने की अपील की गई।

मुंबई अस्पताल आग

प्राथमिकी में एचडीआईएल के प्रमोटर वधावन पिता-पुत्र नामजद

भाषा। मुंबई

उपनगर भांडुप के ड्रीम्स मॉल में शुक्रवार तड़के लगी और इसकी सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित सनराइज हॉस्पिटल तक फैल चुकी आग को करीब 40 घंटे बाद आखिरकार बुझा दिया गया तथा प्रशीतन का काम भी पूरा हो गया है। इस घटना में कोविड-19 के नौ मरीजों की मौत हो गई थी। इस सिलसिले में एचडीआईएल के प्रमोटर राकेश वधावन और पांच अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर 40 घंटे बाद पूरी तरह काबू पा लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) के प्रमोटर राकेश वधावन और उनके बेटे सारंग को प्राथमिकी में नामजद किया हैं। वे मॉल के कथित तौर पर निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भांडुप थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मॉल के निदेशकों राकेश वधावन, निकिता अमित सिंह त्रेहन, सारंग वधावन और दीपक शिर्के तथा अस्पताल के निदेशकों अमित सिंह त्रेहन और स्वीटी जैन के नाम प्राथमिकी में शामिल हैं। निकिता अस्पताल की निदेशक भी हैं। भांडुप थाना के एक अधिकारी ने बताया कि उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और 34 (साझा इरादा रखने) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इससे पहले, वधावन परिवार के सदस्यों के खिलाफ पीएमसी बैंक घोटाला मामले में भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, अब तक की जांच के दौरान पुलिस को मॉल में कई कमियां मिलीं। सुरक्षा के लिहाज से कुप्रबंधन का मामला सामने आया है और समय पर अग्नि सुरक्षा उपकरण की जांच नहीं की गई। उन्होंने बताया कि यह भी पाया गया कि मॉल में 1,108 दुकानें हैं, उनमें से लगभग 40 प्रतिशत बंद पड़ी हुई हैं और संचालन में नहीं हैं।

अधिकारी ने कहा, जनवरी में, सनराइज अस्पताल को कोविड देखभाल केंद्र में बदल दिया गया था। गौरतलब है कि मुंबई के भांडुप इलाके में ड्रीम्स मॉल इमारत में बृहस्पतिवार देर रात आग लग गई। आग एक दुकान में लगी और चार मंजिला मॉल की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित सनराइज अस्पताल तक फैल गई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि अस्पताल में कोविड-19 का इलाज करा रहे नौ मरीजों की आग लगने के कारण दम घुटने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य मरीजों की आग लगने से पहले ही कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई थी। 107 बिस्तरों वाले अस्पताल में घटना के वक्त कुल 78 मरीजों का इलाज चल रहा था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शुक्रवार दोपहर को घटनास्थल पर पहुंचे थे और उन्होंने कहा था कि इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस अस्पताल के मरीजों को मुलुंड, भांडुप, ठाणे, घाटकोपर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस बीच, नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने आग लगने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को जल्द ही रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

प्रौद्योगिकी की वजह से भविष्य में अदालत कक्ष छोटे होंगे: प्रधान न्यायाधीश बोबडे

भाषा। पणजी

प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के कारण भविष्य में अदालत कक्ष और अदालत परिसर छोटे हो जाएंगे। न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा कि कोरोना वायरस ने न्याय तक पहुंच में चुनौती पेश की है, लेकिन इसने अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए मार्ग प्रशस्त किया है।

प्रधान न्यायाधीश पोरवोरिम में बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ की नई इमारत का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय विधि और न्याय, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। न्यायमूर्ति बोबडे ने अपने भाषण में कहा, रविशंकर प्रसाद के मंत्रालय की वजह से मैं भविष्य में छोटे अदालत कक्षों की प्रवृत्ति देखता हूं। उन्होंने कहा कि ई-फाइलिंग एवं आंकड़े रेखने के लिए कई भंडारण कक्षों की जरूरत नहीं होगी और न ही कागज़ रखने के लिए कक्षों की जरूरत होगी।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अदालतों के अवसंरचना के मुद्दे पर अपना काम किया है और उसने न्यूनतम मानकों के लिए मानदंड और रूपरेखा बताई है। उन्होंने कहा कि अवसंरचना पर चर्चा काफी हद तक अधिक अदालतों के निर्माण पर है।

भूमिगत रासायनिक टैंक की सफाई करने के दौरान तीन श्रमिकों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के अम्बरनाथ शहर में बंद पड़ी एक रसायन फैक्टरी में अपशिष्ट ऑयल के भंडारण में इस्तेमाल किए जाने वाले भूमिगत टैंक की सफाई करने के दौरान शनिवार को तीन श्रमिकों की मौत हो गई। अम्बरनाथ निगम परिषद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी यशवंत नलवाडे ने बताया कि तीनों ने कुछ अपशिष्ट हटाने के बाद दम घुटने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि आज सुबह टैंक के अंदर बेहोश होने से पहले श्रमिकों ने मिचली और चक्कर आने की शिकायत की थी।

राष्ट्रीय न्यायिक आधारभूत ढांचा निगम बनाने की आवश्यकता: न्यायमूर्ति रमना

भाषा। पणजी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एन.वी.रमना ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका की जरूरतों को पूरा करने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को साथ मिल कर राष्ट्रीय न्यायिक आधारभूत ढांचा निगम गठित करना चाहिए। देश के अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में चुने गए न्यायमूर्ति रमना यहां पोरवोरिम में बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ की नई इमारत का उद्घाटन कर रहे थे। समारोह में प्रधान न्यायाधीश एस. ए. बोबडे और केन्द्रीय कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित थे। न्यायमूर्ति रमना ने कहा, आधुनिकीकरण के रास्ते में आने वाली बाधाओं के बारे में बात करे तो, धन की कमी कभी भी प्रगति के रास्ते में अड़चन नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्यों को साथ मिल कर न्यायपालिका की अवसंरचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक आधारभूत ढांचा निगम का गठन करना चाहिए।

पेज 1 का शेष

विस चुनाव...

जिनमें से कई सीटें कभी नक्सल प्रभावित इलाका रहे जंगल महल में हैं। कुछ मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को मास्क, सेनेटाइजर और पॉलिथिन के दस्ताने दिए गए। निर्वाचन आयोग (ईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शाम पांच बजे तक 79.79 प्रतिशत मतदान हुआ था। मतदान कमोबेश शांतिपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिमी मिदनापुर जिले में एक रैली में दावा किया कि भाजपा ने ईवीएम में गड़बड़ी की है और केन्द्रीय बलों के माध्यम से मतदाताओं को डरा रही है। उन्होंने कहा, आज कांठी के कुछ मतदान केन्द्रों पर वीवीपैट से दिखा कि वोट भाजपा के पक्ष में पड़ रहे हैं, फिर चाहे मतदाता किसी अन्य पार्टी के चुनाव चिन्ह का बटन क्यों ना दबा रहा हो। कुछ जगहों पर केन्द्रीय बलों को मतदाताओं को धमकाते हुए देखा गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी के छोटे भाई सौमेंदु ने दावा किया कि कांठी में तृणमूल समर्थकों ने उनपर हमला किया और उनकी कार में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हमले में उनका चालक घायल हो गया। सौमेंदु ने कहा, मैं कांठी से गुजर रहा था, रास्ते में तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने मेरी कार पर ईंट फेंके और उसके शीशे तोड़ दिए। ऐसा लगता है कि आसन्न हार को देखकर उनका दिमाग बौखला गया है। दांतां विधानसभा क्षेत्र के मोहनपुर में बूथ कब्जा करने के कथित प्रयास के बाद तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प में चार लोग घायल हो गए। पश्चिम मेदिनीपुर के केशियारी में स्थानीय लोगों ने सिर्फ एक पार्टी के पक्ष में वोट पड़ने का दावा करते हुए प्रदर्शन किया जिसपर सुरक्षा बलों को लाठी चार्ज करना पड़ा। बाद में प्रदर्शनकारियों ने यह आरोप लगाते हुए सड़क जाम किया कि सुरक्षा बलों ने घर-घर जाकर महिलाओं को पीटा है। पुलिस ने बताया कि केशियारी के बेगमपुर में दिन में एक व्यक्ति का शव मिला जिसकी पहचान मंगल सोरेन के रूप में हुई है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि सोरेन पार्टी का समर्थक था और तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने उसकी हत्या की है, हालांकि सत्तारूढ़ दल ने आरोप को खारिज किया है। वहीं जिला प्रशासन ने चुनाव आयोग को भेजे रिपोर्ट में कहा है कि मौत का चुनावी प्रक्रिया से कोई लेना-देना नहीं है। वहीं पुरुलिया से भाजपा नेता दीपक बौरी ने दावा किया कि विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार सुजॉय बंदोपाध्याय ने कहासुनी के दौरान उनकी गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी। पुलिस ने बताया कि पश्चिमी मेदिनीपुर के सालबोनी इलाके में तृणमूल के कथित समर्थकों ने माकपा उम्मीदवार सुशांत घोष से हाथापाई की और उनके वाहन पर पथराव किया। घटना की रिपोर्टिंग कर रहे कुछ पत्रकारों से भी हाथापाई की गई।

असम में...

हितेंद्रनाथ गोस्वामी, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख रिपुन बोरा, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी कार्यकर्ता अखिल गोगोई सहित 264 प्रत्याशियों की राजनीतिक किस्मत की ईवीएम में बंद हो गई है। राज्य विधानसभा की 126 सीटों के लिए तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला चरण शनिवार को संपन्न हुआ।

मोदी ने...

जाने पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चुनाव के दौरान बांग्लादेश जाते हैं और वहां बंगाल पर बयान देते हैं। मतुआ समुदाय के 80 लाख मतदाता पश्चिम बंगाल में रहते हैं, जो देश बंटवारे और फिर 1972 के युद्ध के समय भारत आ गए थे। यह समुदाय उत्तरी 24 परगना, दक्षिणी 24 परगना, नादिया समेत बंगाल के कई जिलों में मतदान को प्रभावित करते हैं। ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव के दौरान एक बांग्ला एक्टर का वीजा इसीलिए कैंसल कर दिया गया था, क्योंकि वह तृणमूल कांग्रेस की रैली में शामिल हुए थे।

बारह राज्यों...

ऊपर आयु के लोगों की हो रही हैं। बैठक में यह बात भी सामने आई कि 90 प्रतिशत लोग बीमारी से वाकिफ हैं, लेकिन सिर्फ 44 प्रतिशत ही मास्क पहन रहे हैं। बैठक में बताया गया कि एक व्यक्ति संक्रमित होने पर यदि नियमों का पालन नहीं करता है तो 30 दिनों में 406 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

टीकाकरण के...

कहना है कि देश में दशकों से बड़े पैमाने पर टीकाकरण होता आया है। टीकाकरण कभी भी 100 फीसदी असरदार नहीं होता। विशेषज्ञों के मुताबिक टीका लगवाने वाले की कमजोर प्रतिरोधक क्षमता तथा हाई वायरस लोड एंटीबॉडी को दबा देते हैं और यही कारण हो सकता है कि टीके की दो खुराक लेने के बावजूद कुछ लोग कोविड-19 पॉजिटिव आ जाते हैं। इसी तरह बेंगलुरू में दूसरी डोज लेने के बावजूद एक ईएनटी सर्जन पॉजिटिव हो गए। उन्हें हल्का संक्रमण हुआ। ऐसे ही एक मामला इस महीने की शुरुआत में गुजरात के गांधीनगर के देहगाम तालुका में सामने आया जब एक स्वास्थ्य अधिकारी टीके की दोनों डोज लेने कई दिनों बाद वायरस से संक्रमित हो गया। उसने 16 जनवरी को पहली तथा 15 फरवरी को दूसरी डोज ली थी। विशेषज्ञों के मुताबिक वैक्सीन की दो डोज लेने के बावजूद ऐसे और मामले सामने आते रहेंगे क्योंकि ये करीब 70 से 75 फीसदी ही असरदार हैं। भारत में अब तक 5.8 करोड़ लोगों को टीका लग चुका है। इसमें 51,44,011 स्वास्थ्य कर्मी तथा 35,39,144 फ्रंटलाइन वर्कर दूसरी डोज भी ले चुके हैं। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में न्यूरो सर्जन (न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रमुख) डॉ. राजिंदर के धमीजा ने कहा 'वैक्सीन वायरस के खिलाफ सुरक्षा नहीं दे सकती। लेकिन अधिकांश मामलों में टीका लगवा चुका व्यक्ति यदि संक्रमित हो जाता है तो उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही कोविड नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है, मास्क पहनिए, स्वच्छ रहिए और भीड़भाड़ से बचिए।'

महाराष्ट्र में...

का जुर्माना लगाया जाएगा। इसमें कहा गया है कि राज्य में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक समारोहों के आयोजन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

सितंबर तक...

के प्रकार के खिलाफ परीक्षण किया गया है। इसकी कुल दक्षता 89 प्रतिशत पाई गई है। हमें उम्मीद है कि इस टीके को सितंबर, 2021 तक पेश किया जा सकेगा। हालांकि, नोवावैक्स और एसआईआई के बीच वाणिज्यिक करार में उच्च-मध्यम और उच्च-आय वर्ग के देश शामिल नहीं हैं। इन देशों के लिए टीके का अधिकार नोवावैक्स के पास ही है। पूनावाला ने इस साल जनवरी में कहा था कि एसआईआई को उम्मीद है कि कोवोवैक्स को जून 2021 तक पेश कर दिया जाएगा। एसआईआई पहले से भारत और दुनिया के कई देशों में एस्ट्राजेनेका ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके कोविशील्ड की आपूर्ति कर रही है।

भारत-बांग्लादेश...

एक प्रतीकात्मक डिब्बा भी भेंट किया जो भारत द्वारा बांग्लादेश को सौंपी गई कोविड-19 रोधी टीके की 12 लाख खुराकों का प्रतीक है। हसीना ने अपने पिता और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्मशती के मौके पर जारी किए गए सोने और चांदी का एक-एक सिक्का मोदी को भेंट किया। उन्होंने बांग्लादेश की 50वीं जयंती के मौके पर जारी चांदी का एक सिक्का भी मोदी को भेंट किया।

दोनों ही...

के आध्यात्मिक गुरु हरिचंद ठाकुर की जन्मस्थली ओराकांडी के एक मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद प्रधानमंत्री ने इस समुदाय के लोगों से संवाद करने के दौरान यह कहा। उन्होंने कहा, भारत और बांग्लादेश दोनों ही देश अपने विकास से, अपनी प्रगति से पूरे विश्व की प्रगति देखना चाहते हैं। दोनों ही देश दुनिया में अस्थिरता, आतंक और अशांति की जगह स्थिरता, प्रेम एवं शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से ओराकांडी आने का इंतजार कर रहे थे।

मृत्युपूर्व बयान...

और उसकी हत्या के दो आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा था। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 25 मार्च 2021 के आदेश में कहा, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अनुच्छेद 32 के तहत मृत्युपूर्व बयान साक्ष्य के तौर पर स्वीकार्य है। अगर यह स्वेच्छा से दिया गया हो और विश्वास पैदा करने वाला हो तो यह अकेले दोषसिद्धि का आधार बन सकता है। न्यायालय ने कहा, अगर इसमें विरोधाभास, अंतर हो या इसकी सत्यता संदेहास्पद हो, प्रामाणिकता व विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाली हो या मृत्युपूर्व बयान संदिग्ध हो या फिर आरोपी मृत्युपूर्व बयान के संदर्भ में संदेह पैदा करने ही नहीं बल्कि मृत्यु के तरीके व प्रकृति को लेकर संदेह पैदा करने की स्थिति में सफल होता है तो आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, इसलिए, काफी चीजें मामले के तथ्यों पर निर्भर करती हैं। मृत्युपूर्व बयान को स्वीकार या खारिज करने के लिए कोई सख्त पैमाना या मापदंड नहीं हो सकता।

नहीं जलेंगे...

पॉवर ओवरलोडिंग की समस्या से निजात दिलाने के मकसद से देश का पहला यूटिलिटी स्केल स्टोरेज सिस्टम का रानीबाग में उद्घाटन किया। यह सिस्टम बहुत की साधारण है। पहले की बैटरियां बहुत प्रदूषण फैलाती थीं, लेकिन अब लिथियम युक्त बैटरी से प्रदूषण नहीं होता और यह कम से कम 10 साल तक चलती है। इस बैटरी की कीमत भी काफी कम है। यदि चार घंटे का स्टोरेज चाहिए तो 150 किलोवॉट है और अगर एक घंटे की स्टोरेज मान कर चलें तो 600 किलोवॉट है। इसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। उन्होंने बैटरी लगाने वाली कंपनी से अनुरोध किया कि इसकी कीमत को चार गुना तक कम कर दे तो और ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल करेंगे।

दिल्ली में...

सत्येंद्र जैन ने कहा कि वैक्सीनेशन के लिए पंजीकरण व्यवस्था में कई दिक्कतें आ रही थीं। कई लोग पंजीकरण कराने के बाद दिए गए समय पर टीका केंद्र नहीं पहुंच पा रहे थे। जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अधिक से अधिक लोग वैक्सीन लगवा सकें, इसके लिए केंद्र सरकार से कुछ रियायत देने की मांग करते हुए पत्र लिखा था। सीएम के पत्र लिखने के बाद ही केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए उम्र सीमा 45 वर्ष की है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार के पास वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक है। दिल्ली में पुन: लॉकडाउन की संभावना पर मंत्री ने कहा कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें, अब लॉकडाउन की कोई जरूरत नहीं। पहले लॉकडाउन करके देखा गया था, लेकिन कोरोना को काबू करने में उससे कोई खास मदद नहीं मिली।

अंतिम संस्कार...

कर सकेंगे। मुख्य सचिव विजय देव ने अपने आदेश में कहा कि अंतिम संस्कार में सिर्फ 50 लोगों को अनुमति होगी। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष देव ने कहा कि यह आदेश 30 अप्रैल तक लागू होगा।

राहुल ने भगवान अयप्पा के मंदिर और वावर मस्जिद में पारंपरिक प्रार्थना की

भाषा। कोट्टायम (केरल)

केरल में चुनाव प्रचार कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भगवान अयप्पा के मंदिर और निकट में स्थित वावर मस्जिद में पारंपरिक प्रार्थना की। साथ ही, उन्होंने चुनावी सभाओं में भाजपा-आरएसएस और सत्तारूढ एलडीएफ पर निशाना साधा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर देश के लोगों को धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया।

कोट्टायम के इरुमेलै में राहुल गांधी ने भगवान अयप्पा के मंदिर और वावर मस्जिद के आमने-सामने होने का उल्लेख करते हुए सामाजिक सद्भाव की सराहना की।

उन्होंने कहा, खुशी और शांति के साथ रहना और एक दूसरे के हितों की रक्षा करना एक ऐसी सोच है, जो आज आप इस देश को सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं।

यहां की परंपरा के मुताबिक, हिंदू श्रद्धालु काले रंग का पारंपरिक वस्त्र पहनकर और माथे, सीने और बाहों पर भस्म लगाकर निकट की इस मस्जिद में प्रार्थना करते हैं। यह परंपरा भगवान अयप्पा की मुस्लिम संत वावर के साथ मित्रता की मान्यता से जुड़ी है। सबरीमला मंदिर के दो महीने के वार्षिक दर्शन के दौरान इस परंपरा का पालन किया जाता है।

खुले वाहन में सवार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया, भारत में यह सोच निशाने पर है। हमारे प्रधानमंत्री और आरएसएस अपना पूरा समय और जीवन गड्ढा खोदने में लगाते हैं। वे नफरत और गुस्सा पैदा करते हैं ताकि एक विचार में विश्वास रखने वाले लोग दूसरे विचार में विश्वास रखने वालों से लड़ें।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा-आरएसएस ने भारत के बहुलवाद पर हमला किया है, जिससे देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति अवरुद्ध हो गई है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमें इस विभाजनकारी अवरोध से अपने देश को मुक्ति दिलानी है।

राहुल गांधी ने इरुमेलै का दौरा उस वक्त किया है, जब विपक्षी दल सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मुद्दे को लेकर माकपा की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन एलडीएफ पर निशाना साध रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि एलडीएफ सरकार ने 2018 में इस मंदिर में सभी आयुवर्ग की महिलाओं के दर्शन करने की अनुमति देने से संबंधित उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अमल करने का फैसला किया था, जिसके बाद भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला था। इडुक्की जिले की एक सभा में राहुल गांधी ने कहा कि लोग देश को बांटने और नफरत फैलाने वाली ताकतों को पराजित करें।

मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी ने फोन टैपिंग में संलिप्तता के आरोपों को खारिज किया

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने विवादास्पद फोन टैपिंग प्रकरण में संलिप्तता के आरोपों को खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने तो सोशल मीडिया पर उपलब्ध क्लिप को फॉरवर्ड किया था ताकि चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने के षड्यंत्र का खुलासा हो सके।

उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ फोन टैपिंग में संलिप्त होने के आरोप आधारहीन हैं। वह ऑडियो क्लिप पहले ही सोशल मीडिया में चल रही थी। मुझे वह क्लिप सोशल मीडिया पर मिली और मैंने उसे फॉरवर्ड कर दिया ताकि राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराने के षड्यंत्र का खुलासा हो सके।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हाल ही में दिल्ली के एक थाने में शर्मा व अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने और गैरकानूनी तरीके से टेलीग्राफिक सिग्नल (टेलीफोन की बातचीत) को टैप करने के आरोप में शिकायत दर्ज की है। वहीं, विधानसभा में मुख्य सचेतक महेश जोशी ने कहा कि शेखावत को अपने राज्य की पुलिस पर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्होंने विशेष कार्यबल और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी को अपनी आवाज का नमूना नहीं दिया।जोशी ने ट्वीट किया, शेखावत को अपने राज्य की पुलिस पर विश्वास नहीं है इसलिए उन्होंने एसओजी, एसीबी द्वारा मांगने पर आवाज का नमूना नहीं दिया लेकिन अब उनकी केंद्र सरकार के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को अपनी आवाज का नमूना देकर अपनी ही प्राथमिकी को मजबूत बनाने की कोशिश करें, साबित करें कि उनका टेलीफोन टैप हुआ है। जोधपुर से सांसद शेखावत की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने शर्मा व अन्य के खिलाफ भारतीय टेलीग्राफ कानून 1885, सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 409, व भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी के तहत मामला दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल कांग्रेस के कुछ विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावती तेवर अपनाए जाने के बाद कांग्रेस ने अपने विधायकों को लंबे समय तक अलग-अलग होटलों में रखा था। इस दौरान विधायकों के फोन टैप किए जाने के आरोप लगे थे हालांकि अधिकारियों व सरकार की ओर से इसका लगातार खंडन किया गया।पिछले साल अगस्त में भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने राज्य में फोन टैपिंग के बारे में सवाल पूछा था जिसका जवाब इस महीने राज्य विधानसभा की वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। इसके बाद यह मामला फिर गर्मा गया है। इस मामले को लेकर पिछले दिनों विधानसभा में हंगामा हुआ था, जहां राजस्थान सरकार ने राज्य में नेताओं के फोन टैपिंग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि राज्य में किसी विधायक, सांसद या जनप्रतिनिधि का फोन टैप नहीं हुआ है। संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने सदन में विपक्ष को चुनौती दी कि अगर वह अपने आरोप साबित कर दे तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित पूरी सरकार इस्तीफा दे देगी।

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Shanti Devi W/o Sh. Ram Narain Salvania is the owner of Property Bearing No. RZ-33, FF built on Plot No. RZ-33, Khasra No. 340, situated at Village Nasirpur, Delhi State, colony known as West Sagarpur, Delhi-110046 through sale deed dated 11.02.2013 Reg. No. 1315 in SR-IX Delhi. the property chain document of my client has been lost, details are as -sale deed dated 06.05.2011, Reg. No.5938 registered in SR-IX Delhi. any Person/Bank/Financial Institution having any claim/right, lien any objection whatsoever should be notified to the undersigned/adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092 along with documentary evidence under address through registered A/d within 14 days from the date of publication of this notice failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.

Vishal Mehan
Ch. No. E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092
Mob No-6392463773

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक सूचना सामान्य जनता के लिए, मेरे मुवक्किल श्री सम्राट यादव, पुत्र स्वर्गीय श्री सिकंदर लाल, निवासी 93, आनंद लोक, नई दिल्ली- 110049 के निर्देशों के तहत और उनकी ओर से जारी किया गया है।
इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल के पिता स्वर्गीय श्री सिकंदर लाल, पुत्र स्वर्गीय श्री शिव लाल सिंह जो संपत्ति PTS-07-1102, "PALM TERRACES SELECT" माप 3670 वर्ग फ़ीट, गुड़गांव, हरियाणा (इसके पश्चात "संपत्ति" के रूप में संदर्भित किया जाएगा) के सह-मालिक, हैं जिनका निधन दिनांक 01.06.2018 को हो गया है।
स्वर्गीय श्री सिकंदर लाल अपने पीछे एक पुत्र श्री सम्राट यादव और एक पुत्री श्रीमती शाबिन नारंग छोड़ गए।
यह कि स्वर्गीय श्री सिकंदर लाल ने एक पंजीकृत वसीयत छोड़ी है, जिसके तहत उन्होंने उपरोक्त संपत्ति के अपने हिस्से को मेरे मुवक्किल के पक्ष में स्थानांतरित कर दिया। इस संबंध में, श्रीमती शाबिन नारंग, क्लास 1 कानूनी वारिस, ने भी मेरे मुवक्किल के पक्ष में एनओसी सौंपी। मेरे मुवक्किल, श्री सम्राट यादव, क्लास 1 के कानूनी उत्तराधिकारी और वसीयत के लाभार्थी हैं, अपने स्वयं के नाम पर उपरोक्त संपत्ति के हस्तांतरण के लिए आवेदन करना चाहते हैं।
कोई भी व्यक्ति जिसकी उक्त संपत्ति में कोई दावा या रुचि है, वह इस नोटिस के प्रकाशन दिनांक से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को अपना दावा दायर कर सकते हैं, जिसके पश्चात कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अंकुर गर्ग (अधिवक्ता)
18, LGF, लिंक रोड, जंगपुरा विस्तार।
Ph: 011-41665582

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Sunil Kumar Sharma is the absolute owner of Flat No. 117-D, Pkt-F, Mayur Vihar-II, Delhi-110091 inherited after the death of his father G.N.Sharma and mother Premwati Sharma, he is the only legal heir of them and he is in process to sell the same.
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage(equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91, 9810063351

दारोगा की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के खंदौली थाने में तैनात दारोगा हत्याकांड में आरोपित 50 हजार के इनामी विश्वनाथ को शनिवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैरों में गोलियां लगी हैं और उसे जैतपुर ग्राम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। आगरा पुलिस अधीक्षक (शहर) रोहन प्रमोद बोत्रे ने बताया की पुलिस को सूचना मिली थी कि आगरा में खंदौली के गांव नेहरा में दारोगा प्रशांत यादव की हत्या कर फरार हुआ आरोपी विश्वनाथ फिरोजाबाद से जैतपुर क्षेत्र में आ रहा है। इस पर पुलिस ने उसको पकड़ने के लिए घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के दौरान विश्वनाथ के दोनों पैरों में गोलियां लगी हैं। उसके कब्जे से दो तमंचे और एक बाइक भी बरामद की गई है। 24 मार्च की शाम को दो भाइयों का विवाद सुलझाने गए दारोगा प्रशांत यादव की विश्वनाथ ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आगरा में दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आर्मी चीफ के साथ

TECHNOFAB ENGINEERING LIMITED

Regd. Office: 913, Hemkunt Chambers, 89 Nehru Place, New Delhi - 110 019, CIN : L74210DL1971PLC005712
Tel : +91-11-2641-1931 / 2641-5961

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS (STANDALONE AND CONSOLIDATED) FOR THE QUARTER ENDED 30TH JUNE 2020

Sr. No.	Particulars	STANDALONE (Rs.in Lacs except shares and EPS)			CONSOLIDATED (Rs.in Lacs except shares and EPS)		
		Quarter Ended 30.06.2020 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter Ended 30.06.2019 (Unaudited)	Quarter Ended 30.06.2020 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter Ended 30.06.2019 (Unaudited)
1.	Total Income from Operations	155.10	5,653.95	1,470.53	155.10	5,653.95	1,470.53
2.	Net Profit / (Loss) for the period (Before Tax and Exceptional items)	(3,441.47)	(9,626.41)	(3,569.41)	(3,432.80)	(9,392.20)	(3,455.55)
3.	Net Profit / (Loss) for the period (Before tax)	(5,666.21)	(22,594.55)	(6,401.61)	(5657.54)	(22,360.34)	(6,287.75)
4.	Net Profit / (Loss) for the period After Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(5,666.43)	(24,054.00)	(5,729.06)	(5657.77)	(23,867.70)	(5,615.21)
5.	Net profit for the period	(5,666.43)	(24,054.00)	(5,729.06)	(5657.77)	(23,867.70)	(5,615.21)
6.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (After Tax) and other Comprehensive Income (After Tax)]	(2.44)	(12.07)	2.89	(2.44)	(12.07)	2.89
7.	Paid-up equity share capital (10,490,000 Equity Shares of Rs. 10/- each.)	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00
8.	Reserves (Excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet		(481.35)			772.03	
9.	Earnings Per Share (EPS) (before extraordinary items) (of Rs. 10/- each) Basic: Diluted:	(54.02) (54.02)	(229.30) (229.30)	(54.61) (54.61)	(53.96) (53.96)	(227.53) (227.53)	(53.53) (53.53)

NOTE:- The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly / Annual Financial Results is available on the Stock Exchanges websites i.e. (www.bseindia.com) and (www.nseindia.com) and also available on the Company's Website www.technofabengineering.com.

Date: 26/03/2021
Place: Faridabad

For and on behalf of the Board of Directors of **Technofab Engineering Limited**
Sd/- **Arjun Gupta** (Chairman & Managing Director) DIN-00012092

अमरनाथ यात्रा के लिए

पंजीकरण की शुरूआत होगी एक अप्रैल से

भाषा। जम्मू

दक्षिण कश्मीर में हिमालय स्थित अमरनाथ गुफा तीर्थस्थल के लिए वार्षिक तीर्थयात्रा के वास्ते पंजीकरण एक अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह गुफा मंदिर 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जिसके लिए 56 दिवसीय यात्रा पहलगाम और बालटाल मार्गों से 28 जून को शुरू होगी और 22 अगस्त को समाप्त होगी।इस महीने की शुरुआत में आयोजित एक बैठक में अधिकारियों ने कहा था कि सभी कोविड-19 प्रोटोकॉल लागू हैं और सरकार द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा।श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नीतीश्वर कुमार ने कहा, दोनों मार्गों के लिए पंजीकरण पूरे देश में 446 निर्दिष्ट बैंक शाखाओं के माध्यम से। अप्रैल से शुरू होगा, जिसमें पंजाब नेशनल बैंक (316), जम्मू कश्मीर बैंक (90) और यस बैंक (40) की शाखा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के लिए प्रक्रिया के बारे में विवरण, आवेदन पत्र और बैंक की शाखाओं की राज्यवार सूची पूरे पते के साथ बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है।सीईओ ने कहा कि राज्य सरकारों या केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों द्वारा अधिकृत डॉक्टरों या चिकित्सा संस्थानों द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र ही पंजीकृत बैंक शाखाओं में स्वीकार किए जाएंगे। प्रमाणपत्र अनिवार्य हैं क्योंकि गुफा बहुत ऊंचाई पर स्थित है और यात्रा कठिन है। कुमार ने कहा, यात्रा-2021 के लिए 15 मार्च के बाद जारी स्वास्थ्य प्रमाणपत्र ही वैध होंगे। पंजीकरण करने के लिए जिन कदमों का पालन करना होगा, उनके बारे में जानकारी बोर्ड की वेबसाइट पर डाल दी गई है। उन्होंने कहा कि इसमें आधार शिविरों तक पहुंचने की प्रासंगिक जानकारी, पंजीकरण के लिए शुल्क, टट्टू, पालकी और पोर्टर्स के लिए शुल्क भी शामिल हैं। कुमार ने कहा कि 13 वर्ष से कम या 75 वर्ष से अधिक आयु के लोग और छह सप्ताह से अधिक गर्भवती महिलाओं को इस वर्ष की यात्रा के लिए कोविड-19 मानदंडों के अनुसार पंजीकृत नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा के लिए सप्ताह के प्रत्एक दिन और मार्गों के लिए परमिट अलग-अलग होंगे। कुमार ने कहा कि जो तीर्थयात्री हेलीकॉप्टर से यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें अग्रिम पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि इसके लिए उनका टिकट पर्याप्त होगा।
कुमार ने कहा कि हालांकि, उन्हें एक अधिकृत चिकित्सक द्वारा जारी अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्राप्त करना जरूरी होगा। इस बीच, जम्मू में अधिकारियों ने इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए शनिवार को भगवती नगर आधार शिविर में व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवास क्षमता 2,000 से बढ़ाकर 5,000 करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पर जोर देते हुए जम्मू के उपायुक्त अंशुल गर्ग ने अधिकारियों को यात्री निवास और यात्रियों के ठहरने के लिए आसपास पहचान किए गए स्थानों को स्वच्छ और हरित बनाए रखने का निर्देश दिया। गर्ग ने यहां एक बैठक में बिजली, पेयजल, परिवहन, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, मोबाइल टॉयलेट, क्लॉक रूम और सामुदायिक रसोईघर जैसी सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को इस शिविर की आवास क्षमता को मौजूदा 2,000 से बढ़ाकर 5,000 करने का निर्देश दिया।

कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सेना ने भर्ती परीक्षा स्थगित की

लुधियाना (पंजाब)। सेना ने पंजाब में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सामान्य ड्यूटी के पदों पर भर्ती के लिए होने वाली समान प्रवेश परीक्षा 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 28 मार्च को होने वाली परीक्षा कोविड-19 के बढ़ते मामलों और जिला प्रशासन की सलाह पर 25 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई है। लुधियाना स्थित सेना भर्ती कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि शारीरिक परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षण उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार समान प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। ए उम्मीदवार लुधियाना, मोगा, रूपनगर और साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि लुधियाना स्थित सेना भर्ती कार्यालय ने सात से 27 दिसंबर 2020 तक भर्ती रैली आयोजित की थी।

कार्यालय नगर पंचायत टीकरी जनपद बागपत

पत्रांक–276 न0प0टी0 दिनांक –26.03.2021

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत टीकरी जनपद बागपत की **FSSM POLICY & AND ACTION PLAN** निकाय की वेवसाइट **nptilri.in** पर जनसामान्य हेतु प्रकाशित की गई है। एवं दिनांक 5.12. 2019. को दैनिक जागरण **DE SLUDING OPERATOR** में निकाय में रजिस्टेशन तथा फीकल स्लज हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उसी विज्ञापन के अन्तर्गत **DE SLUDING OPERATOR** को टैक किसी भी खुले स्थान पर खाली करते पाया जाता है तो उसे खुले में शौच के अन्तर्गत 500 रु0 का जुर्माना वसूला जाएगा एवं आवश्यकता पडने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

अधिशासी अधिकारी — नगर पंचायत अध्यक्ष
ललित कुमार आर्य — सोमपाल राठी
नगर पंचायत टिकरी (बागपत) — नगर पंचायत टिकरी (बागपत)

वृंदावन में भागवत कथा के दौरान भाजपा सांसद हेमा मालिनी को पुस्तक भेंट करते कथावाचक ठाकुर देवकीनंदन महाराज

TECHNOFAB ENGINEERING LIMITED

Regd. Office: 913, Hemkunt Chambers, 89 Nehru Place, New Delhi - 110 019, CIN : L74210DL1971PLC005712
Tel : +91-11-2641-1931 / 2641-5961

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS (STANDALONE AND CONSOLIDATED) FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED 30TH SEPTEMBER 2020

Sr. No.	Particulars	STANDALONE (Rs.in Lacs except shares and EPS)				CONSOLIDATED (Rs.in Lacs except shares and EPS)			
		Quarter Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Half Year Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Quarter Ended 30.09.2019 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Half Year Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Quarter Ended 30.09.2019 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2020 (Audited)
1.	Total Income from Operations	229.97	385.07	1,964.11	5,653.95	229.97	385.07	1,964.11	5,653.95
2.	Net Profit / (Loss) for the period (Before Tax and Exceptional items)	(920.82)	(4,362.29)	(1,260.41)	(9,626.41)	(920.45)	(4,423.25)	(1,110.57)	(9,392.20)
3.	Net Profit / (Loss) for the period (Before tax)	(2,413.02)	(8,079.23)	(1,558.76)	(22,594.55)	(2,482.65)	(8,140.19)	(1,408.92)	(22,360.34)
4.	Net Profit / (Loss) for the period After Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(2,418.29)	(8,084.72)	(1,043.81)	(24,054.00)	(2,487.44)	(8,145.21)	(891.72)	(23,867.70)
5.	Net profit for the period	(2,418.29)	(8,084.72)	(1,043.81)	(24,054.00)	(2,487.44)	(8,145.21)	(891.72)	(23,867.70)
6.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (After Tax) and other Comprehensive Income (After Tax)]	(2.78)	(5.22)	(0.34)	(12.07)	(2.78)	(5.22)	(0.34)	(12.07)
7.	Paid-up equity share capital (10,490,000 Equity Shares of Rs. 10/- each.)	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00	1,049.00
8.	Reserves (Excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet				(481.35)				772.03
9.	Earnings Per Share (EPS) (before extraordinary items) (of Rs. 10/- each) Basic: Diluted:	(23.05) (23.05)	(77.07) (77.07)	(9.95) (9.95)	(229.30) (229.30)	(23.71) (23.71)	(77.65) (77.65)	(8.50) (8.50)	(227.53) (227.53)

NOTE:- 1. The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly / Annual Financial Results is available on the Stock Exchanges websites i.e. (www.bseindia.com) and (www.nseindia.com) and also available on the Company's Website www.technofabengineering.com.
2. The above unaudited results duly reviewed by the Audit Committee have been approved by the Board of Directors at their meeting held on 26th March, 2021 and the Auditors have performed limited review.

Date: 26/03/2021
Place: Faridabad

For and on behalf of the Board of Directors of **Technofab Engineering Limited**
Sd/- **Arjun Gupta** (Chairmen & Managing Director) DIN-00012092

पायनियर
नई दिल्ली , रविवार, 28 मार्च , 2021

मुंबई इंडियन्स ने नई जर्सी का अनावरण किया

मुंबई। गत चैम्पियन मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए नई जर्सी का अनावरण किया जिसमें ब्रह्माण्ड की संचरना के पांच मूल तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का समावेश है और यह फ्रेंचाइजी के मूल्यों को दर्शाता है। जर्सी के बारे टीम के प्रवक्ता ने कहा, इंडियंस ने हर साल एक विरासत को आगे बढ़ाया है, जो हमारे मूल मूल्यों और विचारधाराओं पर आधारित है।

हरभजन केकेआर टीम से जुड़े

मुंबई। दो बार की चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स के नए खिलाड़ी हरभजन सिंह शनिवार को दोपहर टीम होटल में पहुंच गए जबकि कुछ अन्य खिलाड़ियों ने डी वाई पाटिल स्टेडियम पर अभ्यास शुरू कर दिया। हरभजन पहली बार केकेआर के लिए खेलेंगे।वह मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स टीम का हिस्सा रह चुके है।

मुक्केबाजी के लिए मजबूत टीम का चयन किया

नई दिल्ली। पोलैंड के कीलस में 10 से 24 अप्रैल तक आयोजित होने वाले एआईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत 20 सदस्ईय मजबूत दल को भेजेगा। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने शनिवार को बताया कि महिला टीम में 2019 एशियाई युवा चैंपियन नोरेम बेबीरोजीसाना चानू (51 किग्रा), विन्का (60 किग्रा), सनामचा चानू (75 किग्रा), अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक) और खेलो इंडिया की तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (69 किग्रा) शामिल होंगी।

गेंदबाजों के लिए खतरनाक हैं स्टोक्स, बटलर

पुणे। बेन स्टोक्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों के लिए खतरा बन जाते है और इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जोस बटलर ने उम्मीद जताई है कि उनके शीर्ष हरफनमौला का यह फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए भी जारी रहेगा। स्टोक्स को पहले दो वनडे मे बल्लेबाजी क्रम मे ऊपर भेजा गया और उन्होंने दूसरे वनडे मे 10 छक्को के साथ 99 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की।

राष्ट्रीय आनलाइन योगासन चैम्पियनशिप खत्म, महाराष्ट्र चैम्पियन

नई दिल्ली। देश की पहली आनलाइन योगासन चैम्पियनशिप शनिवार को समाप्त हुई जिसमें 30 राज्यों ने भाग लिया और महाराष्ट्र ओवरआल चैम्पियन रहा। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने कुछ दिन पहले ही लोकसभा में बताया था कि सरकार ने राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ को मान्यता दे दी है। उन्होंने कहा था कि योगासन को खेलो इंडिया युवा खेल 2021 में शामिल कर लिया गया है।

बदले तेवरों के साथ उतरेगी टीम इंडिया

● इंग्लैंड से अंतिम मुकाबला आज

भाषा। पुणे

इंग्लैंड के हाथों दूसरे मैच में करारी हार से सबक लेते हुए भारतीय क्रिकेट टीम यहां रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय मैच में बदले हुए तेवरों और नई रणनीति के साथ देशवासियों की होली में जीत के रंग भरने के इरादे से खेलेगी। बल्लेबाजों की ऐशगाह पिच पर इंग्लैंड ने पिछले मैच में 20 छक्के लगाकर 337 रन के मुश्किल लक्ष्य को आसान बना डाला। खराब फॉर्म में चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव और कृणाल पंड्या ने उनका काम आसान कर दिया। भारतीय कप्तान विराट कोहली को रविंद्र जडेजा की इतनी कमी कभी महसूस नहीं हुई होगी जितनी पिछले मैच में।जॉनी बेयरस्टो और बेन स्टोक्स ने भारतीय स्पिनरों को मनचाहे स्ट्रोक्स लगाकर खूब रन बनाए। गेंदबाजी में कुलदीप ने आठ छक्के गंवाए जो किसी भी भारतीय गेंदबाज से ज्यादा हैं। उन्होंने दूसरे मैच में 84 और पहले में 64 रन दिए थे। वहीं कृणाल ने छह ओवर में 12 की औसत से 72 रन दे डाले।

ऐसे में इन दोनों की जगह लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर को उतारा जा सकता है। चहल भले ही सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है लेकिन कोहली के पास कोई विकल्प भी नहीं है। कृणाल भी बल्लेबाजी के दम पर टीम में जगह पा सकते हैं लेकिन खराब गेंदबाजी को देखकर स्पष्ट है कि वह दीर्घकालिन विकल्प नहीं हैं। बल्लेबाजी में 336 रन का स्कोर खराब नहीं था लेकिन बल्लेबाजी की शैली में बदलाव की जरूरत है।भारतीय टीम आखिरी 15 ओवर में तेजी से खेलने पर भरोसा करती आई है और यह परिपाटी पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने स्थापित की थी। कई बार यह दाव चल जाता है लेकिन विश्व चैम्पियन इंग्लैंड ने दिखा दिया है कि मददगार पिच पर शुरू से ही हमला बोलना सही रहता है। इससे बाद में ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या जैसे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिल जाता है। कप्तान कोहली ने दोनों मैच में अर्धशतक बनाया लेकिन उनसे शतक की उम्मीद है।

कोहली ने हालांकि कहा कि वह रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलते। उन्होंने कहा , मैने अपने जीवन में कभी शतक के लिए नहीं खेला। यही वजह है कि मैं इतने कम समय में इतने शतक बना भी सका। यह टीम की जीत में योगदान की बात है। आपके शतक के बावजूद टीम नहीं जीत रही है तो वह किस काम का। कोहली ने आखिरी एक दिवसीय शतक अगस्त 2019 में बनाया था। हार्दिक फिनिशर की भूमिका में होंगे लेकिन हाल ही में संपन्न टी20 श्रृंखला को छोड़कर उन्होंने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है।टीम प्रबंधन को इस पर विचार करना होगा। तेज गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार के साथ यॉर्कर विशेषज्ञ टी नटराजन को उतारा जा सकता है।वैसे शारदुल ठाकुर फॉर्म में हैं लेकिन उन्हें आराम देने पर मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा में से एक के लिए जगह बनती है। दूसरी ओर इंग्लैंड के हौसले इस जीत से बढे हैं और बेन स्टोक्स का फॉर्म में आना राहत की बात है।

आर्चर के हाथ की सर्जरी सोमवार को

पुणे। इंग्लैड के चोटिल तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर सोमवार को अपने दाहिने हाथ की सर्जरी करवाऐंगे। वह पहले ही इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से बाहर हो चुके है। आर्चर ने इंग्लैड के मौजूदा भारतीय दौरे पर दो टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले है। वह टी20 श्रृंखला के खत्म होने के बाद इंग्लैड लौट गए। इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बॉर्ड से शनिवार को जारी बयान में कहा गया, इंग्लैड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के मंगलवार को ब्रिटेन लौटने के बाद दाएं हाथ का स्कैन और फिर समीक्षा के बाद सर्जरी करवाएंगे। दाएं हाथ की कोहनी की चोट के लिए उन्हें एक और इंजेक्शन दी गई है, इस चोट के कारण वह भारत के खिलाफ एकदिवसीय टीम से बाहर हो गए थे। बोर्ड के मुताबिक, आर्चर के दाएं हाथ की सर्जरी सोमवार (29 मार्च) को होगी ताकि वह योजना के मुताबिक विश्राम लेकर इससे उबर सके। बारबाडोस के इस 25 साल के तेज गेंदबाज ने सभी प्रारूपों को मिला कर 42 मैचों में इंग्लैड का प्रतिनिधित्व किया है।

तेंदुलकर कोविड-19 से संक्रमित

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के कोविड-19 जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। पूर्व भारतीय कप्तान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। तेंदलुकर ने बताया कि वह घर पर पृथक-वास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि परिवार के अन्य सदस्यों की कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव है। तेंदुलकर(47) ने ट्विटर पर लिखा, मैं खुद जांच करवा रहा था और कोविड-19 से बचने के लिए सभी जरूरी सावधानी भी बरत रहा था। हालांकि बीमारी के हल्के लक्षणों के बाद आज जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई है। घर के अन्य सदस्य जांच में नेगेटिव आए है। मैं घर में पृथक-वास में हूं और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन कर रहा हूं। मैं उन सभी स्वास्थ्य पेशेवरों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जो मेरी और देशभर के अन्य लोगों की देखभाल कर रहे हैं। सभी सावधानी बरते। महाराष्ट्र और खासकर मुंबई में पिछले कुछ समय में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़े है। शुक्रवार को इसके 36,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए।

मुझे नई गेंद से प्रदर्शन सुधारने की जरूरत: प्रसिद्ध

पुणे। अपनी गति और उछाल से सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के नए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने स्वीकार किया कि उन्हें नई गेंद के साथ अधिक किफायती बनने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों एकदिवसीय मैचों में प्रसिद्ध पुरानी गेंद से विकेट झटकने में सफल रहे लेकिन शुरुआती ओवरों में नई गेंद से उनके खिलाफ आसानी से रन बने। प्रसिद्ध ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की छह विकेट से हार के बाद कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं बेहतर शुरुआत करना चाहूंगा।

गावस्कर से मेरे बारे में बात कर सकते है: बेयरस्टो

पुणे। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनके इरादे पर सवाल उठाने वाले सुनील गावस्कर की टिप्पणी पर कहा कि पूर्व भारतीय दिग्गज उन्हें फोन कर सबसे लंबे प्रारूप में खेलने के लिए उनकी इच्छाशक्ति के बारे में चर्चा कर सकते है। बेयरस्टो भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की चार पारियों में तीन में खाता खोलने में नाकाम रहे थे जबकि एक पारी में उन्होंने 28 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने इस श्रृखला को ।-3 से गंवाया था। गावस्कर ने टेस्ट में उनकी बल्लेबाजी देखकर कहा था कि ऐसा लग रहा कि वह खेलने के इच्छुक नहीं है।

प्रसिद्ध कृष्णा को टेस्ट में मौका देने पर चयन समिति को जरूर विचार करना चाहिए : गावस्कर

पुणे। भारत के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कार का मानना है कि नए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपनी गति और सीम पर नियंत्रण के कारण टेस्ट क्रिकेट में राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छा योगदान कर सकते है और चयन समिति को लंबे प्रारूप में उनके नाम पर उसी तरह से विचार करना चाहिए जैसा की 2018 में जसप्रीत बुमराह के साथ किया गया था। कर्नाटक के 25 साल के इस गेंदबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार आगाज करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में चार विकेट चटकाए थे।

रक्षात्मक बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ेगा : वॉन

पुणे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पहले 40 ओवर में रक्षात्मक खेल दिखाने का खामियाजा भारत को दो साल बाद अपनी मेजबानी में होने वाले विश्व कप में भुगतना पड़ सकता है। भारत ने हमेशा से आखिरी दस ओवर में तेजी से खेलने की रणनीति अपनाई है।

शुरुआती मैचों में बुरे प्रदर्शन के बाद धोनी ने क्रिकेट का लुत्फ उठाने को कहा था: रुतुराज

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने कहा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती तीन मैचों में जल्दी आउट हो जाने के बाद कप्तान एम एस धोनी से मिली हौसलाअफजाई ने उन्हें बाद के मैचों में खुल कर खेलने और अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की। उन्हों ने पिछले सत्र के आखिरी तीन मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ नाबाद 65, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 72 और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ नाबाद 62 रन की पारियां खेली।

साइना को लगा झटका, बाहर

● ओरलियांस मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे कृष्णा-विष्णु

भाषा। पेरिस

साइना नेहवाल ओरलियांस मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई जबकि पुरूष युगल वर्ग में कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णु वर्धन गौड़ पंजाला की जोड़ी फाइनल में पहुंच गई। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना को डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन ने 28 मिनट में 21- 17, 21- 17 से हराया। वहीं महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी को थाईलैंड की जे किटिथाराकुल और रविंडा प्राजोंगजाइ ने 21-18, 21-9 से मात दी। कृष्णा और विष्णु ने हालांकि ब्रिटेन के कालम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड को 21-17 , 21 -17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस साल पहली बार साथ खेल रही भारतीय जोड़ी का सामना अब इंडोनेशिया के साबर के गुतामा और मोहम्मद रजा पहलवी या चौथी वरीयता प्राप्त इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी से होगा। कृष्णा युगल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी हैं जो पहले जूनियर दिनों में सात्विक साइराज रांकिरेड्डी के साथ खेलते थे।

वास व श्रीलंका क्रिकेट का विवाद सुलझा, इस्तीफा वापिस

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास और देश के क्रिकेट बोर्ड के बीच विवाद समाप्त हो गया है और वास बोर्ड के तेज गेंदबाजी सलाहकार पद पर बने रहने को राजी है। उन्होंने पिछले महीने पद से इस्तीफा दे दिया था। श्रीलंका क्रिकेट ने एक बयान में कहा , श्रीलंका क्रिकेट आपको सूचित करता है कि चमिंडा वास और श्रीलंका क्रिकेट की प्रबंधन टीम के बीच बैठक हुई जिसमें उस मसले को सर्वसम्मति से सुलझा लिया गया जिसकी वजह से वास ने इस्तीफा दिया था।

लगातार 22वीं जीत के साथ ओसाका मियामी ओपन के तीसरे दौर में पहुंची

भाषा। मयामी

विश्व रैंकिग में दूसरे स्थान पर काबिज टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में शुक्रवार को अजला तोम्लजानोविच को हारा कर लगातार 22वीं जीत दर्ज की। जापान की खिलाड़ी ने 7-6, 6-4 से मैच अपने नाम किया। ओसाका लगभग एक साल से अजेय है और इस दौरान उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तीसरे दौर में पहुंच चुकी ओसाका अगर एक और जीत दर्ज करती है तो इस टूर्नामेंट में यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को विश्व रैंकिंग में 83वें स्थान पर काबिज एमिल रूसूवोरी से ।-6, 6-3, 6-। से हार का सामना करना पड़ा। मेदवेदेव ने एन-ह्सुन लू को एक घंटे से भी कम समय में 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

विजयवीर व तेजस्विनी का स्वर्णिम निशाना

● 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण जीता

भाषा। नई दिल्ली

भारत के विजयवीर सिद्धू और तेजस्विनी ने आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व कप में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित टीम में शनिवार को स्वर्ण पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक मुकाबला दो भारतीय जोड़ियों के बीच था जहां विजयवीर और तेजस्विनी की जोड़ी ने गुरप्रीत सिंह और अभिदन्या अशोक पाटिल की मिश्रित जोड़ी को यहां डा. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में 9-। से हराया। क्वालीफिकेशन दो में गुरप्रीत और पाटिल की मिश्रित जोड़ी 370 अंक के साथ शीर्ष पर थी जबकि 16 साल की तेजस्विनी और 18 साल के वजयवीर की जोड़ी 368 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर थी। इससे पहले शुक्रवार को विजयवीर ने अनीश भानवाला और गुरप्रीत जैसे भारतीय निशानेबाजों को पछाड़ कर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। भारत का हालांकि ट्रैप मिश्रित टीम वर्ग में निराशा हाथ लगी जहां कीनान चेनाइ और श्रेयसी सिंह की जोड़ी पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रही। मेजबान टीम को तुर्की के सफीए एस और यावुज इलनाम ने 38-35 से हराया। कीनान शुक्रवार को व्यक्तिगत पुरूष ट्रैप स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहे थे। उनकी शुरूआत बहुत खराब रही लेकिन बाद में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। श्रेयसी भी कुछ शॉट चूक गई। दोनों ने क्वालीफिकेशन में 141 स्कोर किया और कांस्य पदक के मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया। इसमें हालांकि वे बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी। ट्रैप में पदक नहीं मिला।

डिजिटल कर: अमेरिका की भारत और अन्य देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

वाशिंगटना-नई दिल्ली। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर समकारी शुल्काडिजिटल सेवा कर लगाने की तैयारी कर रहे भारत और कुछ अन्य देशों को जवाबी व्यापार कार्वाई की चेतावनी दी है। यूएसटीआर ने भारत सहित छह देशों के खिलाफ प्रस्तावित व्यापार कार्वाई के संदर्भ में नोटिस जारी कर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं। यूएसटीआर ने बयान में कहा कि वह संभावित व्यापार कार्वाई को लेकर सार्वजनिक नोटिस और टिप्पणी की प्रक्रिया पर आगे बढ़ रहा है, जिससे उसके बाद जांच को पूरा करने के लिए एक साल की सांविधिक अवधि समाप्त होने से पहले प्रक्रियागत विकल्प उपलब्ध होगा। यूएसटीआर की इस चेतावनी पर सरकार के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि भारत प्रस्तावित कार्वाई की अंशधारकों के साथ समीक्षा करेगा। उसके बाद बाद देश के व्यापार और वाणिज्यिक हित तथा लोगों के कुल हितों को आधार पर उचित उपाय करेगा। जून, 2020 में अमेरिका ने अमेरिकी व्यापार कानून, 1974 की धारा 301 के तहत डिजिटल सेवाओं पर कराधान की जांच शुरू की थी। भारत, इटली, तुर्की, ब्रिटेन, स्पेन और ऑस्ट्रिया इस तरह के कर पर विचार कर रहे हैं।

विश्वबैंक ने पाकिस्तान को 1.33 अरब डॉलर का ऋण देने के लिए करार किया

इस्लामाबाद। विश्वबैंक ने पाकिस्तान को 1.336 अरब डॉलर का ऋण प्रदान करने के लिए करार किया है। इस ऋण से नकदी संकट से जूझ रहे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत किया जा सकेगा और साथ ही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में भी मदद की जा सकेगी। द डॉन अखबार के अनुसार 1.336 अरब डॉलर के ऋण के कुल छह परियोजना समझौतों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए। इसमें 12.8 करोड़ डॉलर का अनुदान भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कर्ज से पाकिस्तान सरकार को सामाजिक संरक्षण, आपदा और जलवायु जोखिम प्रबंधन, बुनियादी ढांचे में सुधार, कृषि, खाद्य सुरक्षा, मानव पूंजी विकास और संचालन के क्षेत्रों में मदद मिलेगी।

करार पर आर्थिक मामलों के मंत्रालय के सचिव नूर अहमद ने पाकिस्तान सरकार की ओर से हस्ताक्षर किए। वहीं सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकारों के प्रतिनिधियों ने संबंधित करारों पर ऑनलाइन हस्ताक्षर किए। विश्वबैंक के कंट्री निदेशक नाजी नेहासिन ने संगठन की ओर से करार पर हस्ताक्षर किए।

जेएनपीटी ने नया इंटर-टर्मिनल मार्ग खोला, बीएमसी को चार टर्मिनलों से जोड़ेगा

मुंबई। देश के प्रमुख कंटेनर बंदरगाह जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) ने शनिवार को एक नए इंटर-टर्मिनल मार्ग को शुरू करने की घोषणा की। इसके जरिए बीएमसी टर्मिनल को बंदरगाह पर चार अन्य टर्मिनलों के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे यातायात को और बेहतर किया जा सकेगा। जेएनपीटी के चेयरमैन संजय सेठी ने इस टर्मिनल का उद्घाटन किया। इसमें मौके पर बंदरगाह के अन्य अधिकारी और सीमा शुल्क अधिकारी मौजूद थे। जेएनपीटी ने बयान में कहा कि इस टर्मिनल से बीएमसी टर्मिनल और चार अन्य टर्मिनलों के बीच कंटेनरों की आवाजाही का रास्ता पहले के पांच किलोमीटर से घटकर आधा यानी ढाई किलोमीटर रह जाएगा। जेएनपीटी पांच कंटेनर टर्मिनलों का परिचालन करता है। प्रमुख घरेलू बंदरगाहों में कुल कंटेनर कार्गो में जेएनपीटी की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है।

1.75 लाख करोड़ का विनिवेश लक्ष्य हासिल होने योग्य : सुब्रमण्यम

● एलआईसी के आईपीओ से एक लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) केवी सुब्रमण्यम ने कहा है कि 2021-22 का 1.75 लाख करोड़ रुपए का विनिवेश लक्ष्य काफी हद तक हासिल होने योग्य है। सुब्रमण्यम ने शनिवार को कहा कि एलआईसी के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से ही सरकार को एक लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। सीईए ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को लक्ष्य में रखने का जो लक्ष्य दिया गया है, उससे उतार-चढ़ाव तथा मुद्रास्फीति के स्तर को कम करने में मदद मिली है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को 31 मार्च, 2021 तक वार्षिक मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया गया है। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुब्रमण्यम ने शनिवार को कहा कि 2021-22 के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश का लक्ष्य वास्तव में 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष के 2.10 लाख करोड़ रुपए के लक्ष्य का शेष हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) का निजीकरण और एलआईसी का आईपीओ महत्वपूर्ण होंगे। अनुमानों के अनुसार बीपीसीएल के निजीकरण से 75,000 से 80,000 करोड़ रुपए प्राप्त हो सकते हैं। एलआईसी के आईपीओ से ही एक लाख करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। सरकार बीपीसीएल में अपनी समूची 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसे आज की तारीख तक देश का सबसे बड़ा निजीकरण माना जा रहा है। जहां तक एलआईसी की सूचीबद्धता का सवाल है, सरकार ने इसी सप्ताह संसद में पारित वित्त विधेयक 2021 के जरिए एलआई अधिनियम में संशोधन कर लिया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, विनिवेश के ए आंकड़े काफी हद तक हासिल होने योग्य हैं। इनमें से कई पर काम शुरू हो गया है। अगले वित्त वर्ष में इन्हें पूरा कर लिया जाएगा। सुब्रमण्यम ने निजीकरण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि सरकार का काम व्यापार करना नहीं है और उनका प्रशासन चार रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश को प्रतिबद्ध है। सुब्रमण्यम ने कहा कि भारत को अपनी वृद्धि की क्षमता को पूरा करने के लिए और बैंकों की जरूरत है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका की आबादी भारत की एक-तिहाई है लेकिन वहां 25,000 से 30,000 बैंक हैं। भारत की दीर्घावधि की वृद्धि पर उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 10 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है। 2022-23 में यह घटकर 6.5 से 7 प्रतिशत रह सकती है।

कोल इंडिया का मार्च में रैक लदान 24.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सरकारी उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शनिवार को कहा कि उसने चालू महीने में प्रतिदिन औसतन 312 रैक लोड (लदान) किए जो 24.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। सार्वजनिक उपक्रम कंपनी ने एक बयान में कहा, सीआईएल ने 26 मार्च तक प्रतिदिन औसतन 312 रैक माल का लदान किया। पिछले साल मार्च महीने में इसी तारीख तक उसने प्रतिदिन औसतन 250.3 रैक लोड किए थे। इसी तरह, बिजली क्षेत्र के लिए औसत लोडिंग मार्च में 22.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 269.2 रैक रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 219.4 रैक थी। पहली तिमाही में कोविड -19 महामारी की वजह से कोल इंडिया की आपूर्ति में 21 प्रतिशत की कमी आने के बाद जुलाई, 2020 से अब तक छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर कंपनी वापस विकास की ओर अग्रसर है। रेल के जरिए कोयला लदान में वृद्धि के बावजू, पिछले साल की तुलना में कोयले की मात्रा के संदर्भ में सीआईएल की आपूर्ति मामूली रूप से कम हो गई है, जिसका मुख्य कारण बिजली क्षेत्र द्वारा कम मात्रा में उठान करना तथा महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण सड़क रास्ते से आपूर्ति लगभग 32 प्रतिशत घटना है। इन दो कारकों ने वर्ष के दौरान सीआईएल की आपूर्ति को प्रभावित किया।

कोवोवैक्स का भारत में परीक्षण शुरू, सितंबर तक उतारे जाने की उम्मीद : पूनावाला

भाषा। नई दिल्ली

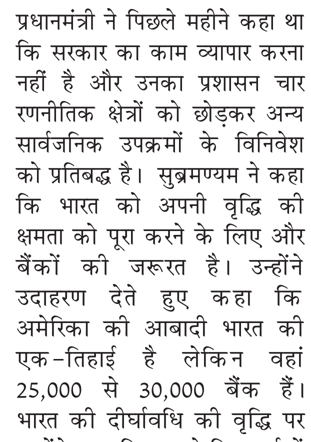

सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने शनिवार को कहा कि भारत में कोविड-19 टीके कोवोवैक्स का नैदानिक परीक्षण शुरू हो गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस टीके को इस साल सितंबर तक उतारा जा सकता है। अगस्त, 2020 में अमेरिका की वैक्सीन कंपनी नोवावैक्स इंक ने एसआईआई के साथ लाइसेंस करार की घोषणा की थी। नोवावैक्स ने यह करार अपने कोविड-19 वैक्सीन कैंडिडेट एनवीएक्स-सीओ2373 के विकास और वाणिज्यिकरण के लिए किया है। यह टीका भारत और निचले तथा मध्यम आय वर्ग के देशों को उपलब्ध कराया जाएगा। पूनावाला ने ट्वीट किया, कोवोवैक्स का भारत में परीक्षण शुरू हो गया है। इस वैक्सीन का विकास नोवावैक्स और सीरम इंस्टिट्यूट के द्वारा भागीदारी में किया जा रहा है। इस टीके का अफ्रीका और ब्रिटेन में कोविड-19 के प्रकार के खिलाफ परीक्षण किया गया है। इसकी कुल दक्षता 89 प्रतिशत पाई गई है। हमें उम्मीद है कि इस टीके को सितंबर, 2021 तक पेश किया जा सकेगा। हालांकि, नोवावैक्स और एसआईआई के बीच वाणिज्यिक करार में उच्च-मध्यम और उच्च-आय वर्ग के देश शामिल नहीं हैं। इन देशों के लिए टीके का अधिकार नोवावैक्स के पास ही है। पूनावाला ने इस साल जनवरी में कहा था कि एसआईआई को उम्मीद है कि कोवोवैक्स को जून 2021 तक पेश कर दिया जाएगा।

सूचीबद्ध की तुलना में गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश से मुझे अधिक लाभ मिला : झुनझुनवाला

मुंबई। घरेलू बाजारों में सबसे बड़े व्यक्तिगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एक दशक से भी अधिक से निजी कंपनियों में निवेश किया हुआ है, लेकिन उन्हें जो फायदा गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश से हुआ है, वह सूचीबद्ध कंपनियों से प्राप्त लाभ से कहीं अधिक है। झुनझुनवाला को बिग बुल (बड़ा तेजड़िया) कहा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए इक्विटी बाजारों पर कराधान का स्तर उचित है। उन्होंने जन स्माल फाइनेंस की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि गैर-सूचीबद्ध पोर्टफोलियो पर प्राप्त होने वाली मेरी आय मेरे सूचीबद्ध पोर्टफोलियो पर मिलने वाली आय से कहीं अधिक है। वहां भी मेरे पास 10-12 साल के लंबे निवेश हैं।

सतविंदर सिंह बने आसियान आर्थिक समुदाय के उप-महासचिव

सिंगापुर। भारतीय मूल के सतविदर सिंह को आसियान सचिवालय ने अपने आर्थिक समुदाय के अगले उप-महासचिव के रूप में नियुक्त किया है। सतविदर सिंगापुर के एक वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारी है। मीडिया में छपी खबरों के अनुसार, व्यापार और उद्योग मंत्रालय (एमटीआई) ने सतविदर सिंह के द्वारा शुक्रवार को तीन साल के कार्यकाल के लिए पद संभाल लेने की घोषणा की। सिंह फिलिपीन के डॉ अलादीन का स्थान लेंगे।

डीडी फ्री डिश के ग्राहकों की संख्या चार करोड़ के पार : रिपोर्ट

नई दिल्ली। सरकारी प्रसारक प्रसार भारती की डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवा डीडी फ्री डिश के ग्राहकों की संख्या चार करोड़ को पार कर गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईवाई फिक्की की मीडिया एंटरटेनमेंट रिपोर्ट-2021 में कहा गया है कि प्रसार भारती की बहु-चैनल फ्री-टू-एयर डीटीएच सेवा के दर्शकों की संख्या में बढ़ोतरी की मुख्य वजह टेलीविजन सेट सस्ते होना, आर्थिक मुद्दे और डीटी रेट्रो चैनल शुरू होना तथा बड़े प्रसारकों का फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर लौटना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीडी फ्री डिश मजबूत वृद्धि की राह पर है। इसके ग्राहकों की संख्या चार करोड़ को पार कर गई है।

दो भारतीय मूल के उद्यमियों ने क्रिप्टोकरेंसी पर रोक नहीं लगाने को कहा

सिंगापुर। दो भारतीय मूल के सिंगापुर के ब्लॉक्चेन उद्यमियों ने भारत सरकार से आभासी मुद्राओं (क्रिप्टोकरेंसी) पर प्रतिबंध नही लगाने का आग्रह किया है। दोनो उद्यमियों ने हाल ही में एक डिजिटल कलाकृति खरीदने के लिए 6.93 करोड़ डॉलर की भारी-भरकम राशि खर्च की है। उन्होंने तर्क दिया कि क्रिप्टोकरेंसी पश्चिम और शेष विश्व के बीच समता लाने वाली शक्ति हो सकती है। उद्यमी, कोडर और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियों के एंजल निवेशक विग्नेश सुंदरेसन और उनके मित्र एवं पूर्व पत्रकार आनंद वेंकटेश्वरन ने यह अपील की है। दोनों मूलतः तमिलनाडु से है और मेटापर्स नाम से नॉन-फंजिबल टोकन कोष चलाते है।

बाइडन ने मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को किया आमंत्रित

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर वार्ता के मकसद से आयोजित होने वाले नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है।

इस शिखर सम्मेलन का मकसद जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के आर्थिक लाभ एवं महत्व को रेखांकित करना है।बाइडन पृथ्वी दिवस पर 22 अप्रैल से विश्व के नेताओं के दो दिवसीय जलवायु शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे, जिसमें वह 2030 तक कार्बन उत्सर्जन कम करने के अमेरिकी लक्ष्य की रूपरेखा पेश करेंगे, जिसे ऐतिहासिक पेरिस समझौते के तहत राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के रूप में जाना जाता है।व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा, यह ग्लासगो में इस साल नवंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के मार्ग में एक मील का पत्थर होगा।

● जलवायु परिवर्तन पर डिजिटल शिखर सम्मेलन का होगा आयोजन

उसने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के अलावा चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सऊद्दी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद्द और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत 40 नेताओं को शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इन नेताओं के अलावा दक्षिण एशिया से बंग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग को भी सम्मेलन मे शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन और सीओपी26 का मुख्य लक्ष्य वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के प्रयासों को गति देना है।

उसने कहा कि इस सम्मेलन में इन उदाहरणों को भी रेखांकित किया जाएगा कि जलवायु महत्वाकांक्षा से अच्छे वेतन वाली नौकरियां कैसे पैदा होती हैं, नवोन्मेषी तकनीक विकसित करने में कैसे मदद मिलती है और कमजोर देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अनुसार ढलने में कैसे सहायता मिलती है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन से पहले अमेरिका पेरिस समझौते के तहत अपने नए राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के रूप में महत्वाकांक्षी 2030 उत्सर्जन लक्ष्य की घोषणा करेगा।

इस सम्मेलन में वे 17 देश भाग लेंगे, जो वैश्विक स्तर पर 80 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं और वैश्विक जीडीपी में उनकी 80 प्रतिशत भूमिका है।

वेस्ट हैवेन में चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर में बच्चों से मिलतीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला देवी हैरिस

अमेरिकी सांसद ने भारतीय राजदूत से मुलाकात कर अंतरदेशीय बंदरगाह से व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने अटलांटा में भारत की महावाणिज्य दूत स्वाति कुलकर्णी से मुलाकात की और इस बात पर चर्चा की है कि किस प्रकार से भारत के साथ व्यापार संबंध खासतौर पर दक्षिण कैरोलाइना में अंतरदेशीय बंदरगाह डिलन के जरिए , स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में मदद कर सकते हैं।रिपब्लिकन पार्टी के सांसद टॉम रिक ने कुलकर्णी से मुलाकात के बाद कहा, अंतरदेशीय बंदरगाह डिलन ने ऐसे सुमदाय को समृद्धि प्रदान करने में सहायता की है जो लंबे वक्त तक आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं था। बंदरगाह की वजह से करीब दो हजार नए रोजगार पैदा हुए हैं। हम इस क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा देना चाहते हैं और डॉ कुलकर्णी से यह जानना कि किस प्रकार से भारत इस क्षेत्र के लिए कारोबारी साझेदार बना रह सकता है,इसे बढ़ाने का शानदार तरीका है। अंतरदेशीय बंदरगाह डिलन के महाप्रबंधक माइकल एलमोर भी बैठक के दौरान मौजूद थे। कुलकर्णी ने कहा, मैं सांसद टॉम रिक के साथ हुई बैठक की वास्तव में सराहना करती हूं। उनके जिले में उनसे मुलाकात करना बड़ी बात है। भारत के प्रति उनके सद्भाव की प्रशंसा करती हूं।

अमेरिका में वर्जीनिया तट पर गोलीबारी की घटनाएं, दो लोगों की मौतः पुलिस

वर्जीनिया (अमेरिका)। अमेरिका में वर्जीनिया तट पर समुद्र किनारे गोलीबारी की घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम आठ लोग घायल हो गए।वर्जीनिया तट के पुलिस प्रमुख पॉल नेउडिगेट ने संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे गोलीबारी हुई, जिसमें तकरीबन आठ लोगों को गोली लगी। पुलिस प्रमुख ने बताया कि अधिकारी मामले की जांच कर रही है।उन्होंने बताया कि एक अधिकारी ने वहां एक व्यक्ति को रोका और गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने व्यक्ति पर गोली चलाई, जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। नेउडिगेट ने बताया कि दूसरा व्यक्ति गोलीबारी की एक अन्य घटना में मारा गया। अधिकारी ने कहा कि यह गोलीबारी की एक अन्य घटना थी, जिसकी जांच की जा रही है। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन गोलीबारी में उनकी संभावित भूमिका की अभी जांच की जा रही है। अमेरिका में इस प्रकार की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

अपने लोगों को टीका लगाने की तुलना में विश्व को कही अधिक संख्या में टीकों की आपूर्ति की हैः भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने अपने लोगों को कोविड-19 का टीकाकरण करने की तुलना में वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक टीकों की आपूर्ति की है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह कहा। साथ ही, भारत ने आगाह किया कि टीके की उपलब्धता में असमनता कोरोना वायरस महामारी से निपटने के सामूहिक वैश्विक संकल्प को पूरा करने की कोशिशों को नाकाम कर देगी क्योंकि टीके तक पहुंच में विसंगति गरीब देशों को सर्वाधिक प्रभावित करेगी। कोविड-19 टीकों तक न्यायसंगत वैश्विक पहुंच पर राजनीतिक घोषणापत्र की पहल करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। इस पहल को संयुक्त राष्ट्र के 180 से अधिक देशों का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थाई प्रतिनिधि एवं राजदूत के. नागराज नायडू ने शुक्रवार को महासभा की अनौपचारिक बैठक में कहा कोविड-19 महामारी अब भी जारी है, लेकिन वर्ष 2021 इस सकारात्मक संकल्प के साथ शुरू हुआ कि वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय महामारी को रोकने के लिए कई टीके उपलब्ध कराएगा। नायडू ने कहा, टीका ईजाद करने की चुनौती से निपट लिया गया है, हम अब कोविड-19 के टीकके की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता और वितरण को सुनिश्चित कर रहे हैं। वैश्विक सहयोग में अभाव और टीकों तक पहुंच में विसंगति सबसे गरीब देशों को सर्वाधिक प्रभावित करेगा।

● भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए टीके की दो लाख खुराक भी सहायता के तौर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है

उन्होंने महासभा से कहा कि भारत महामारी के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहा है। नायडू ने कहा कि भारत अगले छह महीनों में न सिर्फ अपने 30 करोड़ अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण करेगा, बल्कि 70 से अधिक देशों को टीके की आपूर्ति करने की प्रक्रिया में भी जुटा हुआ है। उन्होंने कहा, अब तक हमने अपने लोगों को टीका लगाने की तुलना में वैश्विक स्तर पर इसकी कहीं अधिक आपूर्ति की है। नायडू ने कहा कि स्वदेश विकसित कोवैक्सीन सहित भारत के दो टीकों आपात उपयोग की मंजूरी मिली हुई है और 30 अन्य टीके क्लीनिकल परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं। कोवाक्स पहल को कोविड-19 के टीकों की आपूर्ति करने वाला भारत एक प्रमुख देश है। इसने पिछले महीने इसे टीके की 20 लाख खुराक उपलब्ध कराई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के लिए टीके की दो लाख खुराक भी सहायता के तौर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। नायडू ने कहा कि शांति सैनिकों के लिए टीकों की खेप शनिवार तड़के मुंबई से भेजी गई है और यह जल्द ही डेनमार्क पहुंच जाएगी। महासभा के 75 वें सत्र के अध्यक्ष वोल्कान बोजकीर ने बैठक में कहा कि विश्व इस महामारी से एक साथ उबर जाएगा, लेकिन यह टीकों तक निष्पक्ष एवं न्यायसंगत पहुंच पर निर्भर करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीकाकरण में सर्वाधिक जोखिम का सामना कर रहे समूहों और हाशिए पर मौजूद लोगों को अवश्य ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

श्रीलंका ने इस सप्ताह गिरफ्तार किए गए सभी 54 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

भाषा। कोलंबो

श्रीलंकाई नौसेना ने देश के जल क्षेत्र में कथित तौर पर घुसने के कारण इस सप्ताह गिरफ्तार किए गए सभी 54 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है।भारतीय आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि 40 लोगों को शुक्रवार को रिहा किया गया था और शेष 14 मछुआरों को शनिवार सुबह रिहा कर दिया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने 24 मार्च को 54 मछुआरों को गिरफ्तार किया था। नौसेना के उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की थीं।

कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि वह इन मछुआरों को दूतावास संबंधी सहायता मुहैया करा रहा है। उसने कहा कि मछुआरों के मामले से मानवीय तरीके से निपटे जाने की जरूरत है।

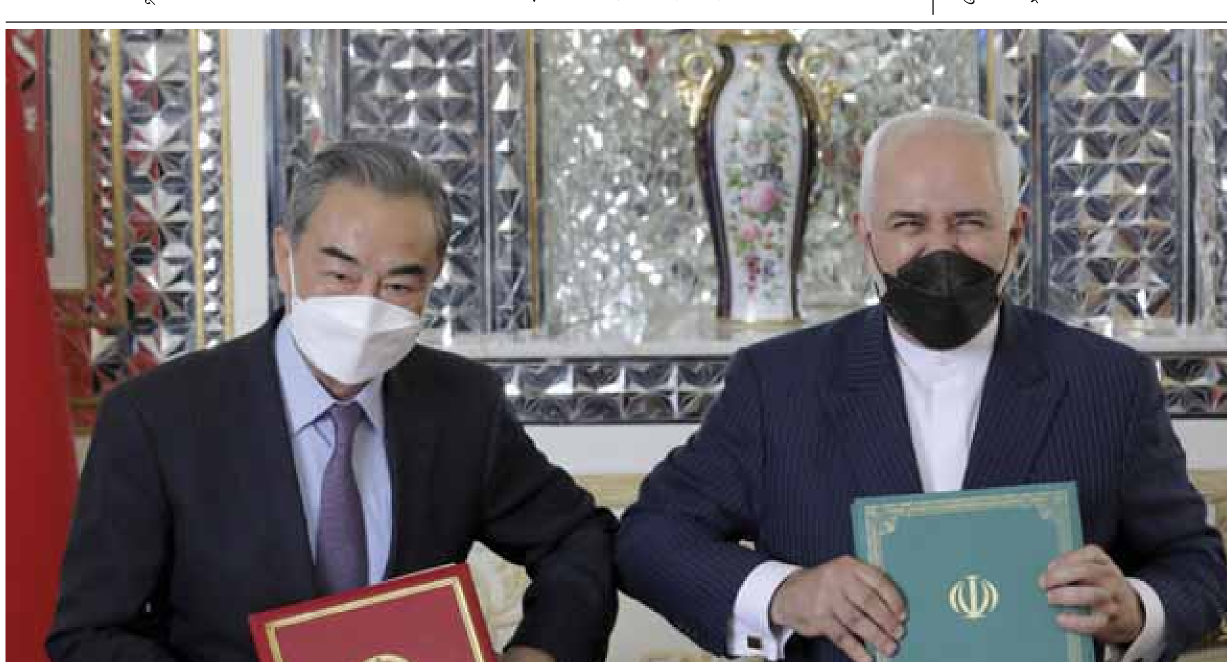

तेहरान में एक समझौते के दौरान ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जावेद जरीफ व चीन के उनके समकक्ष वांग वी

लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के दक्षिण पश्चिम शहर ब्रिस्टल में लॉकडाउन विरोधी सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारियों पर अंडे और कांच की बोतलें फेंकी। पुलिस ने इस दौरान 10 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच शुक्रवार शाम गतिरोध पैदा होने के बाद, अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के जरिए कई चेतावनियां दी, जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया गया।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और गृह मंत्री प्रीति पटेल ने पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं की निंदा की। जॉनसन ने ट्विटर पर कहा, कल रात ब्रिस्टल में पुलिस अधिकारियों पर शर्मनाक हमले हुए। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारियों पर हिंसा के इरादे से भीड़ द्वारा ईंट, बोतलों और पटाखों से हमला नहीं किया जाना चाहिए।

● ब्रिटेन के ब्रिस्टल में हुई कार्रवाई

पुलिस और शहर को मेरा पूरा समर्थन है। पटेल ने ट्विटर पर स्थानीय पुलिस को अपना समर्थन दिया और कहा कि वह इस तरह की घटनाओं से निराश हैं।स्थानीय एवन और समरसेट पुलिस ने कहा कि शहर में ब्रिजवेल पुलिस थाने के निकट पुलिस कार्वाई में स्वान दस्ते और एक पुलिस हेलीकॉप्टर समेत विशेषज्ञ संसाधनों का इस्तेमाल किया गया।शुक्रवार के विरोध के संदर्भ में (पुलिस) अधीक्षक मार्क रूनाकेरे ने कहा, ज्यादातर लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से काम किया, लेकिन कुछ लोगों ने हिंसक रवैया अपनाते हुए अधिकारियों पर कांच की बोतलें और ईट फेंकी। उन्होंने कहा, यह हिंसक आचरण स्वीकार्य नहीं है। अधिकारियों ने बार-बार लोगों को जाने के लिए कहा, लेकिन एक बार जब माहौल बदल गया तो लोग हिंसक हो गए और कार्वाई करनी जरूरी हो गई। रूनाकेरे ने बताया कि हिंसा करने, एक आपातकालीन कर्मचारी पर हमला करने और प्रतिबंधित ए श्रेणी के मादक पदार्थों को बरामद किए जाने समेत कई अपराधों में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से तीन को पिछले रविवार को शहर में उपद्रव के संबंध में हिरासत में लिया गया था। शुक्रवार शाम ब्रिस्टल के कॉलेज ग्रीन में विरोध प्रदर्शन के लिए एक हजार से अधिक लोग एकत्र हुए थे। तथाकथित किल द बिल प्रदर्शनकारी सरकार के पुलिस, अपराध, सजा एवं अदालत विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पुलिस को प्रदर्शन से निपटने के लिए और शक्तियां दे देगा।

कोलंबिया में कार बम विस्फोट में 19 लोग घायल

बोगोटा (कोलंबिया) । पश्चिमी कोलंबिया के एक शहर में कार बम विस्फोट में 19 लोग घायल हो गए। कोलंबिया के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंसा बढ़ने के बीच यह धमाका हुआ है।अधिकारियों ने बताया कि 30,000 लोगों की आबादी वाले शहर कोरिंटो में धमाका हुआ। इस शहर में कोलंबियाई सेना और विद्रोही समूहों के बीच लंबे समय से लड़ाई चल रही है। ए विद्रोही समूह कोकीन की तस्करी करते हैं और पास के एंडीज पर्वत पर छिप जाते हैं।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कोरिंटो में शुक्रवार को नगर निकाय की इमारत के पास एक कार में विस्फोट हुआ। डिप्टी मेयर लियोनार्दो रिवेरा ने बताया कि उस समय शहर के मेयर इमारत में नहीं थे लेकिन नगर निकाय के तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संयुक्त राष्ट्र आयोग ने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आग्रह किया

एपी। संयुक्त राष्ट्र

लैंगिक समानता के लिए काम करने वाले संयुक्त राष्ट्र के एक संगठन ने निर्णय लेने वाली वैश्विक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की मांग की है। संस्थान ने शुक्रवार रात को स्वीकार किए गए एक दस्तावेज में यह मांग की है। कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ वूमन ने लैंगिक समानता हासिल करने के लिए 25 वर्ष पहले बीजिंग में महिला सम्मेलन में स्वीकार की गई रूपरेखा की पुनः पुष्टि की और आज के कई अहम मसलों पर रोशनी डाली जिसमें सार्वजनिक जीवन में पुरुषों और महिलाओं के बीच सत्ता का संतुलन और डिजिटल दुनिया में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा का बढ़ता प्रभाव शामिल है।

राजनयिकों ने आखिरी मिनट तक महिला अधिकार रक्षकों, लैंगिक आधारित हिंसा और इससे पहले प्रजनन और यौन स्वास्थ्य एवं अधिकारों की भाषा पर बातचीत की। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों ने गैर पुष्ट लिंगों और ट्रांसजेंडर महिलाओं को आयोग से मान्यता दिलाने की कोशिश की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।हालांकि उन्हें यह संदर्भ हासिल करने में कामयाबी मिली की जो महिलाएं कई तरह के भेदभाव एवं विविध स्थितियों का सामना करती हैं। यूरोपीय संघ ने कहा कि वह चाहता था कि 23 पन्नों के दस्तावेज में और महत्वकांक्षी भाषा हो। उसने कहा कि कुछ प्रतिनिधियों द्वारा प्रक्रिया को पटरी से उतारने और लैंगिक समानता पर अतंरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता और दायित्वों को लेकर सवाल उठाना दिखाता है कि महिला अधिकारों को लेकर पीछने हटना अब भी जारी है।संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों ने सहमत निष्कर्षों पर चर्चा की थी और दो हफ्ते चली बैठक के अंत में आयोग के 45 सदस्यों ने सर्वसम्मति से इसे स्वीकार किया। दस्तावेज में आयोग ने सभी महिलाओं के मानव अधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने में नागरिक समाज की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन किया।संयुक्त राष्ट्र महिला की कार्यकारी अधिकारी फुमज़िले म्लाम्बो-न्गकुका ने कहा कि यह दस्तावेज सब को खुश नहीं कर सकता है और परिणाम और महत्वकांक्षी तथा सिफारिशें और स्पष्ट तथा निर्णायक होनी चाहिए थी।

म्यांमा में तख्तापलट के बाद सबसे अधिक रक्तपात वाला दिन, दर्जनों की मौत

एपी। यांगून (म्यांमा)

म्यांमा की सेना ने देश की राजधानी में शनिवार को परेड के साथ वार्षिक सशस्त्र बल दिवस का अवकाश मनाया, वहीं देश के अन्य इलाकों में पिछले महीने हुए तख्तापलट के विरोध में हो रहे प्रदर्शन को दबाने के तहत सैनिकों व पुलिसकर्मियों द्वारा दर्जनों लोगों को मारे जाने की खबर है। यांगून में मौजूदा समय के मृत्यु के आंकड़ों को एकत्रित कर रहे एक स्वतंत्र शोधकर्ता ने शनिवार शाम तक मरने वाले लोगों का आंकड़ा 93 बताया है। ए मृतक करीब दो दर्जन शहरों और कस्बों से थे। यह आंकड़े इसे तख्तापलट के बाद से सबसे अधिक रक्तपात वाले दिनों में से एक बनाते हैं। ऑनलाइन समाचार वेबसाइट म्यांमा नाउ ने बताया कि मृतकों का आंकड़ा 91 पहुंच गया है। यह दोनों ही संख्या तख्ता पलट के बाद इससे पहले के एक दिन में सर्वाधिक मौत के 14 मार्च के आंकड़ों से कहीं ज्यादा हैं। तब मृतकों की संख्या 74 से 90 के बीच कही जा रही थी। अपनी सुरक्षा के मद्देनजर नाम न जाहिर करने की इच्छा व्यक्त करने वाला यह शोधकर्ता आम तौर पर प्रतिदिन असिस्टेंस असोसिएशन ऑफ पॉलिटिकल प्रिजनर्स द्वारा जारी आंकड़ों का मिलान करता है। यह संस्था मृत्यु और गिरफ्तारी के आंकड़ों का ब्योरा रखती है और इसे पुख्ता सूत्र के तौर पर देखा जाता है। एसोसिएटेड प्रेस स्वतंत्र रूप से मौत के इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता है। इन हत्याओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा हुई है और म्यांमा में कई कूटनीतिक मिशनों ने बयान जारी किए हैं जिनमें शनिवार को बच्चों समेत नागरिकों की हत्या का जिक्र है। म्यांमा के लिए यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ट्विटर पर कहा, 76वां म्यांमा सशस्त्र बल दिवस आतंक और असम्मान के दिन के तौर पर याद किया जाएगा। बच्चों समेत निहत्थे नागरिकों की हत्या ऐसा कृत्य है जिसका कोई बचाव नहीं है। सू ची की निर्वाचित सरकार को एक फरवरी को तख्तापलट के जरिए हटाने के विरोध में होने वाले प्रदर्शनों से निपटने के लिए प्रशासन ज्यादा ताकत का इस्तेमाल कर रहा है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षणों के लिए अपनी आलोचना को लेकर बाइडन पर किया पलटवार

एपी। सियोल

उत्तर कोरिया ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों की आलोचना को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर पलटवार करते हुए उनकी टिप्पणियों को उकसावे वाली और उत्तर कोरिया के आत्मरक्षा के अधिकार का अतिक्रमण बताया। साथ ही उसने अपनी सैन्य शक्ति का विस्तार करते रहने का आह्वान किया।

वरिष्ठ अधिकारी री प्योंग चोल का यह बयान तब आया है जब उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी तट पर कम दूरी की दो मिसाइलों का परीक्षण किया। बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभालने के बाद पहली बार उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षण किए हैं।

ये परीक्षण दिखाते हैं कि उत्तर कोरिया, अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध के बावजूद अपनी सैन्य क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कम दूरी के इन हथियारों से अमेरिका के करीबी सहयोगियों दक्षिण कोरिया और जापान के समक्ष पैदा हो रहे खतरे पर भी जोर दिया।

बाइडन ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ परामर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर वे तनाव बढ़ाना जारी रखते हैं तो इसका जवाब दिया जाएगा। लेकिन में कूटनीति के लिए भी तैयार हूं लेकिन यह परमाणु कार्यक्रम बंद करने की शर्त पर होगा। प्योंगयांग की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने री के हवाले से कहा कि उत्तर कोरिया बाइडन की उन टिप्पणियों पर गहरी चिंता जताता है जो उत्तर कोरिया के प्रति उनकी द्वेष भावना को दिखाती हैं। री ने कहा कि उत्तर कोरिया के हथियार परीक्षणों की आलोचना करना अमेरिका के लिए गैंगस्टर सरीखा तर्क है क्योंकि अमेरिका तो खुलकर बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है और वह किसी भी समय कोरियाई प्रायद्वीप में अपनी सेना भेज सकता है।उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के पास अपनी आत्मरक्षा के लिए अजेय वाह्य क्षमता का निर्माण करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है क्योंकि अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया लगातार सैन्य धमकियां दे रहे हैं और साझा सैन्य अभ्यास कर रहे हैं।

पायनियर
रविवार, 28 मार्च, 2021
एजेण्डा

सामान्य कोई ऐसी चीज नहीं है जिससे प्रेरित हुआ जाए, बल्कि यह ऐसी चीज है जिससे परे होना चाहिए।
- जूडी फास्टर

क्या नाट्य जैसा है सिनेमा?

सिनेमा को नाट्य जैसा समझने से, एक उम्मीद है कि हम बौद्धिक विरासत की खोज करेंगे तथा विभिन्न सांस्कृतिक विमर्शों से लाभान्वित होंगे। नाट्यशास्त्र के अंतरनिंहित सिद्धांतों तथा ये सिद्धांत किस प्रकार आधुनिक सिनेमा में प्रतिबिंबित हैं, इसकी गहन पड़ताल करती प्रचंड प्रवीर की रिपोर्ट........

क्या सिनेमा को नाट्य कहा जा सकता है? आइए हम एक कदम पीछे जाते हैं और समझते हैं कि 'नाट्य ' क्या दर्शाता है? नाट्य ड्रामा या नाटक के समान नहीं है, बल्कि यह नाटक की विषय-वस्तु या सार है (नाटका)। प्राचीन भारतीय नाट्यशास्त्र, जैसा कि नाट्यशास्त्र में वर्णित है (जो कि विद्वानों की पीढ़ियों द्वारा व लेखक भरत मुनि के नाम से, 200 ईसा पूर्व से 200 ईसवी के बीच रचा गया है), कई अवधारणाओं की व्याख्या करता है, जो नाट्य के लिए सभी प्रकार की कलाओं का निर्वाह करने का दावा करता है।

नाट्यशास्त्र का अर्थ नाट्य प्रस्तुति के सफल निर्माण और प्रदर्शन हेतु कवियों व कलाकारों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शक का काम करना था। यह इस पौराणिक उपाख्यान के साथ शुरू होता है कि नाट्य कैसे रचा गया था। एक प्रमुख संवाद में, देवताओं के राजा इंद्र, भगवान ब्रह्मा से एक रसिक माध्यम रचने का अनुरोध करते हैं, जो कि श्रव्य और दृश्य दोनों हो। उन्होंने पूछा कि नया रसिक माध्यम समस्त ज्ञान का मुक्ति बन्धन होना चाहिए यानी मुक्ति या स्वतंत्रता, सभी के लिए उपलब्ध होनी चाहिए।

थिएटर, नाट्य एवं रस

आइए हम नृत्त, नृत्य एवं नाट्य जैसे कुछ प्रमुख शब्दों पर ध्यान दें। किसी भी सार्थक अर्थ से रहित नृत्य की एक सामान्य श्रेणी को शास्त्रीय रूप से नृत्त कहा जाता है। जब अर्थ को नृत्य आंदोलनों के माध्यम से व्यक्त किया जाता है, तो इसे नृत्य कहते हैं। नाट्य में रस का तत्व होता है, जो आनंद के साथ-साथ आनंद की वस्तु भी है। रस का विचार, हमारी सांस्कृतिक विरासत के अनुसार, विचारकों, कला-सिद्धांतकारों व आम लोगों के लिए उल्लेखनीय रूप से दिलचस्प है।

हम सामान्यत: नाट्य प्रदर्शन के साथ 'नाट्य' को जोड़ देते हैं व उसके समकक्ष मान लेते हैं। जब हम थिएटर के बारे में सोचते हैं, तो हम वाचन या चालों में कुछ तमाशों या कुछ अतिशयोक्तियों को विशेषता दे देते हैं। इस सीमित दृष्टिकोण के आधार पर, हम कुछ बुनियादी सिद्धांतों की अनदेखी कर जाते हैं। आमतौर पर जिसे अतिशयोक्ति समझा जाता है वो नाट्य - धर्मी के दस भागों में से एक है, जो अतिशयोक्ति को हमेशा निर्धारित नहीं करता है।

नाट्यशास्त्र और अभिनवगुप्त

नाट्यशास्त्र की हमारी समझ बहुत सतही रह जाती, यदि हमने दसवीं शताब्दी के महान कश्मीरी शैव दार्शनिक, अभिनवगुप्त द्वारा उस पर की गयी लुप्त हो गयी टिप्पणी की खोज नहीं की होती। अभिनवभारती, को 1910 में केरल में पाया गया था। इस खोज से, भारतीय दार्शनिक विमर्श को कश्मीर शैव धर्म में एक नई भव्यता प्राप्त हुई, जो बौद्ध धर्म बनाम सनातन, द्वैतवादी बनाम गैर- की बहस के बाद तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा, तात्विकी, व्याकरण एवं भक्ति परंपराओं पर महान शास्त्रीय भारतीय दार्शनिक बहसों का फल मानी जाती है जो विचारों की विभिन्न केन्द्रों पर व्याकरण के प्रभावों को आत्मसात करते वाली द्वैतवादी परंपराएँ हैं। अभिनवगुप्त के प्रभाव को 13 वीं शताब्दी में शारंगदेव के संगीत-रत्नाकर में देखा जा सकता है।

दार्शनिक प्रणालियां और रस सिद्धांत

सौंदर्यशास्त्र में दार्शनिक विमर्श के निहितार्थ को समझने के लिए, हम चेतना और उसके कार्यों की विशेषताओं पर चर्चा करते हैं। इसीलिए, कला के आनंद का एक विचार, विचारों के सुसंगत ढांचे के भीतर चर्चा करने हेतु आध्यात्मिक एवं ज्ञानमीमांसीय विज्ञान के विचारों से जुड़ा हुआ है। उदाहरण के लिए, हम कह सकते हैं कि हमारी चेतना के तीन प्रमुख कार्य हैं : जानना, कार्य करना और महसूस करना। ये कार्य परस्पर अनन्य नहीं हैं, लेकिन चेतना को समझने के लिए प्रमुख पहलू हैं। अब जानने का नियम (ज्ञान, ज्ञाता और ज्ञात को शामिल करना) और अभिनय का नियम (कार्रवाई, वाहक, और वस्तु को शामिल करना) महसूस करने के नियम से अलग हैं (इसमें पुनर्मिलन, रसज्ञ और एक सौंदर्य प्रदर्शन शामिल है)।

प्रसिद्ध रस सूत्र यह दर्शाता है कि एक नाटकीय प्रदर्शन को देखने के दौरान, निर्धारक, परिणामी और क्षणभंगुर भावना व्यक्त रस का मेल (आमतौर पर 'भावना' के रूप में रूपांतरित होता है)। व्यक्त किया गया रस आठ प्रकार का होता है : प्रेम (श्रृंगार), हास्य, वीर, अद्भुत (चमत्कार), रोष (रौद्र), दुखद (करुणा), वीभत्स और भयानक। रस सिद्धांत की प्रमुख विशेषता समूची प्रस्तुति में एक प्रमुख रस की पहचान है, जबकि एक ही नाटक में व्यक्त अन्य रस इसके अधीन हो जाते हैं।

रस के माध्यम से सिनेमा

समय बीतने के साथ, कई विद्वानों ने उपरोक्त सूची में कुछ और रस जोड़ने की कोशिश की है। महान विमर्शों ने सदियों के दौरान साहित्यिक विमर्श खड़े किए हैं, जबकि सिनेमा, केवल 125 वर्षों के इतिहास का नए कला रूप, आधुनिक दर्शकों के सामने और विभिन्न चरणों के माध्यम से खुद को पुन: जीवंत कर चुका है। मूक व श्वेत-श्याम फिल्मों का शुरुआती युग अधिक सार्वभौमिक था। जैसे-जैसे तकनीक की प्रगति हुई, चलती छवियों में ध्वनि शामिल हो गई और 30 के दशक की टॉकीज ने मूक फिल्मों के विचार को बदल दिया। जब रंगीन फिल्में सभी निर्देशकों के लिए सस्ती हो जाती हैं, तो 60 के दशक ने ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों को पटल से बाहर जाते देखा। वर्तमान परिवर्तन 3 डी को अपना रहा है और व्यावसायिक पहलू भी ओटीटी मीडिया सेवाओं के माध्यम से एक रूपांतरण से गुजर रहा है।

यह गौर करना दिलचस्प है कि रस सिद्धांत के भारतीय शास्त्रीय ढांचे के भीतर, विश्व सिनेमा की लगभग सभी उत्कृष्ट कृतियों को समझाया जा सकता है। भरत मुनि ने भयावह भावना पर चर्चा करते हुए तीन प्रकार के भय पर गौर किया है और हमने पाया कि अल्फ्रेड हिचकॉक में छद्म भय या गलत काम करने के डर से संबंधित फिल्में बनाने का जुनून था। यदि हम राक्षसी और डरावनी शैली के लिए 'भयावह भावना' को सीमित व समकक्ष बनाते हैं, जो एक अन्य प्रकार का भयानक रस है, तो यह हमारी अज्ञानता है। इसी प्रकार, हमारी शब्दावली बुराई से लड़ने वाली वीरता की हमारी धारणा को सीमित करती है। एक तरह से जॉन फोर्ड की पश्चिमी या अकीरा कुरोसावा की महान समुराई फिल्में वास्तव में वीर रस की पैरोकारी करती हैं, लेकिन वीरता के अन्य पहलू भी हैं जैसे कि बलिदान और धर्मपरायण नायक। इस प्रकार, जिम्मेदारी हमारे ऊपर है कि हम चार्ली चौपलिन को उनकी प्रसिद्ध फिल्म सिटी लाइट्स (1931) में एक नायक के रूप में समझें, न कि उन्हें सिर्फ एक कामेडियन के रूप में सोचें। क्वेंटिन टारंटिनो और मार्टिन स्कोरेसेसे के प्रमुख कार्य रोष वाक्य (रौद्र रस) तक सीमित हैं। यह देखा जा सकता है कि टैक्सी चालक (1976), रेजिंग बुल (1980), गुड फेलस (1990) और द आयरिशमैन (2019) जैसी फिल्मों में नायक महान व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि अपराधी हैं या जिन्हें शास्त्रीय स्तर पर आसुरी स्वभाव वाला कहा जा सकता है।

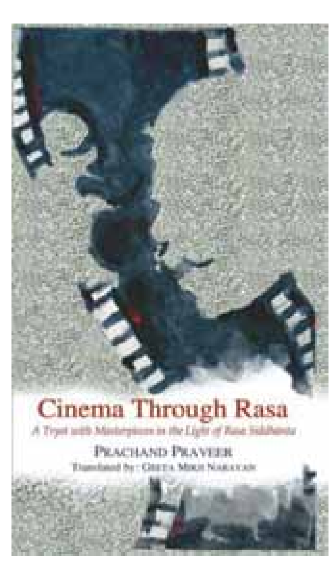

सिनेमा जैसे आधुनिक कला माध्यम ने उन सीमाओं को परे धकेला है जो पहले संभव नहीं थी या यहां तक कि जो प्रदर्शन करने के लिए निषिद्ध थी। इसका ज्यादा श्रेय कैमरा को जाता है जो निर्धारकों और नतीजे को प्रभावी ढंग से बदल देता है, जो संपादन के साथ प्रभावों में वृद्धि करता है। नाटक में निर्धारक तत्व, रस के प्रकट होने के निहित कारणों के रूप में परिभाषित किए गए हैं।

नई संभावनाएं गढ़ता सिनेमा

सिनेमा जैसे आधुनिक कला माध्यम ने उन सीमाओं को परे धकेला है जो पहले संभव नहीं थी या यहां तक कि जो प्रदर्शन करने के लिए निषिद्ध थी। इसका ज्यादा श्रेय कैमरा को जाता है जो निर्धारकों और नतीजे को प्रभावी ढंग से बदल देता है, जो संपादन के साथ प्रभावों में वृद्धि करता है। नाटक में निर्धारक तत्व, रस के प्रकट होने के निहित कारणों के रूप में परिभाषित किए गए हैं, वे वस्तुएं, परिस्थितियां या यहां तक कि खूबसूरती से तैयार किए गए चरित्र भी हो सकते हैं। नतीजे संवाद, शारीरिक क्रियाएं, शारीरिक-मनोवैज्ञानिक इशारे होते हैं जो निरंतर बदलती भावनाओं को विकसित करने में मदद करते हैं और उन स्थायी भावनाओं का समर्थन करते हैं (जो रस की पहचान करने में मदद करते हैं)।

प्रमुख निर्देशकों ने प्रयोग किये हैं और यहां तक कि 'ओडियस'(विभत्स रस) को मुख्य रस के रूप में बनाया है, डेविड लिंच का बहुत सारा काम और इतालवी निर्देशक पिएरो पाओलो पासोलिनी के अंतिम कार्य इस बात की गवाही देते हैं। परंपरागत रूप से नाटक में कॉमिक (हास्य रस) भाव-भंगिमाओं के प्रदर्शन तक सीमित था। और इस कारण, इसे बहुत महत्व नहीं दिया गया था और इसे केवल महिलाओं, बच्चों और कम परिपक्वता वाले व्यक्तियों के लिए मनोरंजक माना जाता था। सिनेमा ने अपनी कलाकृतियों में यह प्रदर्शित किया कि हास्य रस को बिना किसी भाव-भंगिमाओं की मदद के हासिल किया जा सकता है और यह भी कि भाव - भंगिमा इसे एक मुख्य रस में बदल सकती है। यह सचमुच में एक आश्चर्य है कि 1920 के दशक में चार्ली चौपलिन, बस्टर कीटन, और मैक्स लिंडर जैसे महान दिग्गज थे जो लोगों को हंसाने में व्यस्त थे और हम अपने समय में इस तरह की वैयक्तिक प्रतिभा की कमी देखते हैं।

त्रासद भावना को तीन तरीकों से व्यक्त किया जाता है - धन का नुकसान, सही तरीके से कार्य करने में विफलता और मृत्यु से पैदा हुई निराशा। आमतौर पर, त्रासदी को अपूरणीय क्षति के रूप में समझा जाता है, जबकि नाट्यशास्त्र बताता है, शिक्षित करता है और हमें चेतावनी देता है कि त्रासदी आर्थिक नुकसान और नैतिक रूप से भी कार्य करने में विफलता के कारण उभर सकती है। विटोरियो डी सिका की प्रसिद्ध फिल्म - साइकिल चोर (1948) दु:ख का एक अच्छा उदाहरण है जहाँ मृत्यु को न दिखाए जाने के बावजूद, दर्शक बड़ी क्षति का अहसास करते हैं। त्रासद भावना के बारे में आम तौर पर सवाल पूछा जाता है - एक उदास प्रदर्शन का आनंद कैसे लिया जा सकता है?

हम जानते हैं कि सौंदर्य व्यथा नाम की कोई चीज नहीं होती है। परिघटना को समझने और समझाने के लिए, अभिनवगुप्त ने रस के प्रकटीकरण में आने वाली बाधाओं के विचार पर चर्चा की।

रसा-स्वादन की बाधाएं

रस में बाधाओं का विचार हमें निर्देशित करता है कि हमारी चेतना में प्रसन्नता कैसे व्यक्त होती है जब हम व्यक्तिगत दु:ख, या चित्रित दुख के साथ अति-पहचान जैसी बाधाओं से रहित होते हैं। जब एक स्पष्ट चेतना, किसी भी प्रकार की अशुद्धियों से मुक्त, ऐसे प्रदर्शन को देखती है, जो एक विधान है और जो पारलौकिक वास्तविकता की प्रकृति का है, दु:ख के बाद आत्म-सुख आनंदकारी है। इसलिए, हम आंद्रेई टारकोवस्की, इंगमार बर्गमैन, रॉबर्ट ब्रेसन, सत्यजीत रे और ऋत्विक घटक की फिल्मों का आनंद और उत्सव मनाने में सक्षम हैं।

लोकप्रिय सिनेमा: वीरा, अद्भुत और श्रृंगार रस

कई बड़े बजट की हॉलीवुड फिल्मों और भव्य सेटों वाली भारतीय फिल्मों में, दर्शकों को आश्चर्य और इस प्रकार के अद्भुत चमत्कार के विचार से अवगत कराया जाता है। स्टीवन स्पीलबर्ग, जेम्स कैमरन और क्रिस्टोफर नोलन की कृतियां उन अवधारणाओं की जांच करती हैं, जिनमें अनसुनी या विशालता के गुण हैं। प्राचीन भारतीय नाटकों की तरह, दुनिया भर में, मुख्य रस के रूप में वीर रस, अदभुत रस और श्रृंगार रस, सिनेमा में बहुत लोकप्रिय हैं।

श्रृंगार रस या प्रेम भावना को समस्त भावनाओं का राजा माना जाता है। भोजदेव की श्रृंगारप्रकाश, 11 वीं शताब्दी की किताब, उन कई अन्य ग्रंथों में से एक है, जो श्रृंगार को परम पावन के रूप में प्रस्तुत करती है। मजेदार बात यह कि श्रृंगार शब्द मानव जाति की अद्भुत वेशभूषा और मनोरंजन की इच्छा से संबंधित है। आमतौर पर, यह कामुकता के विचार से जुड़ा हुआ है। यह रस बहुआयामी चर्चा के साथ-साथ दार्शनिक पूछताछ के लिए भी जगह निर्मित करता है। यह ध्यान रखना बहुत ही अजीब है कि नाट्यशास्त्र में, काम श्रृंगार (इरोज सेंटिमेंट) साथ रहने के साथ कामुकता को दर्शाता है।

निष्कर्ष के लिए, नाट्यशास्त्र की अक्सर सृजन और प्रदर्शन हेतु सख्त नियमों को लागू करने को लेकर आलोचना की गई है, जबकि नाट्यशास्त्र के नियम व्याख्यात्मक, सूक्ष्म , समायोजनकारी और संपूर्ण हैं। यह उचित संदर्भ में सिद्धांतों को समझने में हमारी अक्षमता के साथ साथ नए विस्तारों को जोड़ने के लिए साहस की कमी है। सूचीबद्ध नाटक के दस रूप हैं (तकनीकी रूप से संस्कृत में रूपक कहा जाता है)। नाटक, प्रकर्ण, अंक, मंद, प्रहसन, वीथी आदि। यदि भारतीय छात्रवृत्ति की महान परंपरा जारी रहती, तो सिनेमा और वेब-श्रृंखला की शैलियाँ शायद रूपक की इस सूची में शामिल हो गयी होतीं।

सिनेमा को नाट्य के रूप में समझने से, एक आशा है कि हम बौद्धिक विरासत को फिर से खोज लेंगे और पार सांस्कृतिक बहस से लाभान्वित होंगे। क्योंकि अनजाने में हम सभी दर्शनशास्त्र और सौंदर्य के पारखी हैं।

--लेखक सिनेमा थ्रू रस: ए ट्राइस्ट विद मास्टरपीसेस इन द लाइट ऑफ रस सिद्धांत नाम पुस्तक के लेखक हैं। इस पुस्तक का हिंदी से अनुवाद गीता मिरजी नारायण ने किया है।

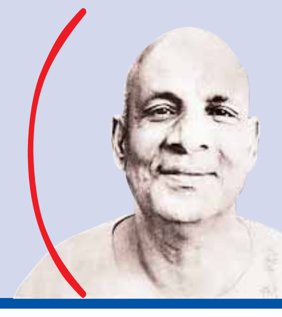

अपने हृदय, मस्तिष्क और आत्मा को अपने सबसे मामूली कार्यों में भी लगाएं। यह सफलता का राज है।
- स्वामी शिवानंद

स्पष्ट मन, बेहतर एकाग्रता

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

मन-शुद्धिकरण प्रक्रिया की प्रेरक भावना को ऐसे सभी विचारों-बीजों को जड़ से खत्म करना होता है जो हमारी विचार प्रक्रिया को भटकाते हैं। याद रखें, जैसे बीज को अनुकूल जमीन मिलती है, यह एक पौधे बनकर सामने आ जाएगा। हालांकि, यदि बीज तला हुआ है, तो यह अपनी उत्पादक क्षमता खो देता है। इसी तरह, मन की गहरी परतों पर पैठ जमाए विचार को पुन: आमंत्रित किया जाता है और फिर ताजा शिक्षाप्रद जानकारियों के माध्यम से हल किया जाता है, जिसके बाद वे आपका पीछा करना बंद कर देते हैं। हालांकि, अपने मानसिक दायरे में बार बार दखल देने वाले विचारों से अनजान रहना मुश्किल है। अनासक्त रहने के लिए, मन को एक आत्म- सुझाव दें - 'नेति-नेति' कहें। नेति शब्द का अर्थ है 'यह नहीं'। यह उन विचारों को दूर करने का एक तरीका है जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मन-शुद्धिकरण प्रक्रिया एकाग्रता विकसित करने की मांग नहीं करती है। वास्तव में, बेचैनी प्रक्रिया का एक आवश्यक हिस्सा है। आप जितना ज्यादा विचलित होते हैं, आपका मन उतनी ही तेजी से निर्बाध हो जाता है।

इस प्रसंग में दो मेडिकल स्नातकों का मामला उल्लेखनीय है, जिन्होंने एक विदेशी विश्वविद्यालय से मेडिकल की डिग्री हासिल की है। वे इससे पहले भारत में एक मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने में असफल रहे थे। लेकिन वे डॉक्टर बनने पर तुले हुए थे। इसलिए, उन्होंने विदेश में एक मेडिकल स्कूल में शामिल होने के लिए कैपिटेशन शुल्क का भुगतान किया। अपनी चिकित्सा की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्हें भारत में एक डॉक्टर के रूप में सेवा देने के लिए लाइसेंस हासिल करने के लिए एक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ी। उन्होंने तीन प्रयास किए, लेकिन व्यर्थ। अब, उनके सामने एक ही विकल्प बचा था कि या तो वे उस देश में चले जाएँ जहाँ से उन्होंने स्नातक किया था या अपने जीवन यापन के लिए अन्य व्यवसाय की ओर रुख करें।

हताशा की स्थिति में वे मार्गदर्शन मांगने आए। उनके इतिहास को जानने के बाद, मैंने महसूस किया कि भारत में एक मेडिकल स्कूल में दाखिला पाने में असफल होने के बाद, उनमें असफलता और असुरक्षा की भावना घर कर गयी है। नतीजतन, वे जो पढ़ते थे, उसे याद नहीं कर पाते थे या आत्मसात नहीं कर पाते थे कि परीक्षा के दौरान क्या सीखा था। असुरक्षा की अपनी भावना पर काबू पाने के लिए, एक उपाय के रूप में, उन्हें सलाह दी गई कि वे हर दिन पढ़ाई के लिए बैठने से पहले मन-शुद्धिकरण प्रक्रिया का पालन करें। इसके पीछे मंशा थी कि सभी विचलित करने वाले विचारों को उनकी चेतना से दूर किया जाए। ताकि वे अपनी पढ़ाई पर पहले से ज्यादा समय तक ध्यान केंद्रित कर पाएं।

इस प्रक्रिया में, भय, असुरक्षा व निराशा की भावना को भी उनकी चेतना से बाहर कर दिया गया। ऐसे में, वे अध्ययन सामग्री को बेहतर तरीके से समझ सकते थे। कोई आश्चर्य नहीं, डेढ़ महीने के बाद, वे न केवल उत्तीर्ण हुए, बल्कि उन्होंने उच्च अंक प्राप्त किए। मंच अब अगले पाठ्यक्रम- प्रासंगिक ध्यान- पर जाने के लिए तैयार है।

प्रासंगिक ध्यान: प्रासंगिक ध्यान मुख्य रूप से ताजा शिक्षाप्रद जानकारी पर आत्ममंथन के माध्यम से विचार प्रक्रिया को पुन: परिभाषित करने और इसे एक सार्थक मोड़ देने के लिए होता है। वास्तव में, अपने आप को बेहतर तरीके से सशक्त बनाने के लिए यह जांचा-परखा गया उपकरण है। इस प्रक्रिया को इस तरह से नामित किया गया है क्योंकि साधक को या तो कुछ अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए या मूल्यवान शैक्षिक मूल्य को ले जाने वाले प्रतिष्ठित आंकड़े पर। प्रतिष्ठित व्यक्ति को इस बात पर निर्भर होना पड़ता है कि वे विशेष रूप से कैसा गुण चाहते हैं, जो अपने संवर्धन की मांग करता है। यह आत्म-चिंतनशील अवस्था में हासिल किया जाता है।

यानी जानबूझकर आत्म-प्रतिबिंब के माध्यम से प्रतिष्ठित आकृति के साथ पहचाने जाने वाले विशिष्ट गुण को अवशोषित और आत्मसात करना। समय के साथ, जैसा कि अवधारणा मन के आंतरिक स्थानों में घुलमिल जाती है, और फिर अंतत: यह एक सामान्य आचरण में सहजता से प्रतिबिंबित होने लगती है।

प्रस्तावित कुछ प्रतिष्ठित आंकड़े स्पष्टतया धार्मिक प्रतीकों की तरह लग सकते हैं। हालांकि, इरादा किसी भी धार्मिक विश्वास को बढ़ावा देने का नहीं है। बल्कि यह एक दोहरा उद्देश्य प्रदान करता है। सबसे पहले, यह दिमाग पर ध्यान केंद्रित करने हेतु एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है। दूसरा, यह प्रतीक को वहन करने वाले शिक्षाप्रद आयात पर निरंतर आत्म-चिंतन के माध्यम से विशेष मूल्य प्रणाली को प्रेरित करने में मदद करता है। जो इस विचार के विपरीत है वे इस प्रतीक को अपनी धारणा या सोच के अनुकूल रूपांतरित कर सकते हैं।

तथ्य यह है कि भारतीय परंपरा में उपयोग में आने वाली छवियां मूल्यवान शिक्षाप्रद लिए होती हैं, उनमें से प्रत्येक को देवता का दर्जा दिया गया है ताकि वे इसे श्रद्धा के लायक बना सकें। इसका उद्देश्य लोगों के ध्यान को निहित आयात में आकर्षित करना है, इसे एक संज्ञानात्मक दायरे में लाना है, निरंतर चिंतन करना है, और इसे मन के आंतरिक स्थानों में स्थापित करना है। जिसके बाद, यह अनायास ही व्यक्ति के सामान्य आचरण में नजर आ सकता है। याद रखें, प्रार्थना की अवस्था में, आप तेजी से प्रगति कर सकते हैं क्योंकि आप भावनात्मक रूप से प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ जुड़ जाते हैं, तदुपरांत आप प्यार और अपनेपन की भावना के साथ इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं।

तनाव मुक्त होने की पांच आदतें

मनोज जैन का कहना है कि अपने जीवन को बदलना और इसे लंबे समय तक शांति और स्वास्थ्य की ओर ले जाना, उतना ही सरल हो सकता है जितना कि तनाव को जीतने के लिए इन पांच दैनिक आदतों को अपनाना

चिकित्सा विज्ञान तनाव को जीवन के अनुभवों के प्रति हमारी प्राकृतिक शारीरिक और मानसिक प्रतिक्रिया बताता है। हमारा शरीर हमारे शरीर में हार्मोनल प्रवाह की बाढ़ के जरिए तनाव पर प्रतिक्रिया करता है, जिसके परिणामस्वरूप सांस तेज चलती है, पसीना आता है, धड़कन तेज होती है, और अन्य असंख्य तात्कालिक लक्षण उभरते हैं।लंबे समय तक तनावग्रस्त रहने से, आज हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, वह हमें सिरदर्द, नाराजगी, अवसाद, अनिद्रा, हृदय रोग, प्रजनन समस्याओं, कमजोर प्रतिरक्षा लक्षण व अन्य स्पष्ट दुष्प्रभावों से ग्रसित होने की ओर ले जा सकती है।

डरें नहीं। अपने जीवन को बदलना और इसे लंबे समय तक शांति और स्वास्थ्य की ओर बढ़ाना, तनाव को जीतने के लिए पांच दैनिक आदतों को अपनाने जितना सरल हो सकता है :

थोड़ा समय अपने आपको दें

चाहे वह सुबह का पहला काम हो, या रात की अंतिम काम हो, या फिर कामों के बीच चुराए गए कुछ पल हों - अपने लिए थोड़ा समय निकालना जरूरी है। अपने दैनिक कामों को अलग रखें और दावेदार परिवार के सदस्यों से परे एक शांत जगह तलाशें और इस समय का उपयोग किसी भी ऐसी गतिविधि में लिप्त होने के लिए करें जो आपको खुशी और शांति प्रदान करती है। यह एक कप कॉफी के स्वाद को बढ़ाते हुए अखबार पढ़ने से लेकर, एक रोमांचक किताब के पन्ने पलटना, ऑनलाइन क्लास लेना या सुगंधित मोमबत्तियों और नमक के साथ गर्म स्नान करना आदि कुछ भी हो सकता है।

किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना

ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें उस ज्ञान से अधिक खुशी प्रदान कर सकता है जब हमने दूसरे व्यक्ति को खुश कर दिया। प्रति दिन कम से कम एक अच्छा काम करना, अपना व्यक्तिगत लक्ष्य बनाएं, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो। परिवार के लिए मदद का हाथ बनें। अपने मित्र को कॉल करें , उनके जीवन में क्या हो रहा है, इसकी जांच करें। अपने सहयोगी की तारीफ करें। अपने जीवनसाथी को फूल भेजें। जरूरतमंद लोगों को कुछ कपड़े या सामग्रियों का दान करें। हमारे स्तर पर दान का एक छोटा सा कार्य वास्तव में किसी और के जीवन को उज्ज्वल कर सकता है।

अपने शरीर को गतिमान रखें

किसी भी रूप में शारीरिक गतिविधि एक जांचा-परखा गया तनाव मुक्तक है। स्वास्थ्य पेशेवर सप्ताह में तीन से चार बार कम से कम 20 मिनट व्यायाम करने की सलाह देते हैं। कम दूरी के लिए ड्राइविंग के बजाय पैदल दुकानों पर जाएं। सीढ़ीयों का इस्तेमाल करें। स्थानीय पार्क के चारों ओर दौड़ें। जितना हो सके ताजी हवा में सांस लें। ऑनलाइन योग / फिटनेस कक्षाओं के लिए साइन अप करें। बस अपने शरीर को गतिशील रखें। नियमित सक्रियता हमारे शरीर में शक्तिशाली एंडोर्फिन की स्राव बढ़ाता है, खुशी को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

मधुर संगीत के साथ जुड़ें

संगीत हमेशा एक लोकप्रिय मूड परिवर्तक रहा है। तो अपने पसंदीदा गाने सुनें और जब पसंदीदा खेल या तमाम सांसारिक काम कर रहे हों तो उन्हें गुनगुनाएं। वाहन चलाते समय या खाना बनाते समय अपना रेडियो ऑन रखें। नहाते समय गाओ, हालांकि आप चुप भी हो सकते हैं! अनुसंधान साबित करता है कि संगीत चिंता, रक्तचाप और दर्द को कम करता है और ध्यान, नींद की गुणवत्ता और स्मृति में सुधार करता है।

नींद, सांस और ध्यान

हर रात को पर्याप्त नींद लें और अपने सोने के समय सुनिश्चित रखें। जागने पर, गहरी सांस लें, प्राणायाम का अभ्यास करें, और नाश्ते से पहले और अपनी दैनिक कार्य-सूचियों के निपटारे पर थोड़ी देर ध्यान दें। अपनी सुबह की सही शुरुआत करना एक शांतिपूर्ण दिन होने का रूख निर्धारित करता है।

लेखक, मीटिंग यम नाम पुस्तक के लेखक हैं।

नैतिकता की परीक्षा

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी कहते हैं कि हमारे जीवन का अंतिम लक्ष्य सद्भाव और शांति से रहना होना चाहिए......

आजकल, नैतिकता और मूल्यों के बारे में बात करना एक प्रवृत्ति बन गई है। कुछ लोग इसके बारे में बात करते हैं क्योंकि वे इसे एक मुखौटे के रूप में पहनना चाहते हैं ताकि उनकी असली पहचान लोगों को दिखाई न दे। यह तब तक काम करता है जब तक लोगों को यह पता नहीं चल जाता, कि पीछे एक मुखौटा है, एक छिपा हुआ व्यक्तित्व, जो नैतिकता से पूरी तरह से विपरीत कहा जा सकता है। इसके बरक्स कुछ लोग हैं जो कुछ हद तक खुद को बदलने में सक्षम हैं और आगे के बदलाव के लिए इच्छुक हैं क्योंकि वे जानते हैं कि नैतिक सिद्धांतों के बिना जीवन महज अस्तित्व है। वे समझते हैं कि नैतिकता के बिना जीवन अंतरात्मा की चुभन और ऐंठन भरा है और यह न केवल वास्तविक खुशी से रहित है, बल्कि यह बढ़ते बोझ और आंतरिक भर्त्सना वाला जीवन है। फिर, ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने नैतिकता के उच्च मार्ग पर काफी ऊंचाई हासिल की है और वे अपने गंदे या गंदे अतीत को याद भी नहीं करते हैं। वे नैतिक रूप से प्रदूषित दुनिया में और ऊपर, विशाल आकाश में एक स्वतंत्र पक्षी के रूप में ऊंची उड़ान भरने की आकांक्षा रखते हैं। यही वो प्रबुद्ध और उन्नत आत्माएं हैं जो दुनिया की आशा हैं। वे उन लोगों को मार्गदर्शन और जीविका देते हैं जो पवित्रता और शांति के जीवन के लिए तरसते हैं।

हालाँकि, आज हम जिस मुख्य समस्या का सामना कर रहे हैं, वो यह है कि बुद्धिजीवियों का एक वर्ग है जो नैतिक मूल्यों की तुलना में भौतिक प्रगति, वैज्ञानिक विकास, नए उपकरणों और कई अन्य चीजों को अधिक महत्व देता है। इसका मतलब यह नहीं है कि भौतिक प्रगति के लिए कोई प्रयास नहीं होना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देने की जरूरत है कि अनुसंधान, विकास और प्रगति के क्षेत्रों में भी नैतिक परीक्षण लागू किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, परमाणु हथियारों का आविष्कार कभी वैज्ञानिक हथियारों के क्षेत्र में नवीनतम विकास के रूप में माना जाता था। पिछले कुछ दशकों में पूरी दुनिया में बहुत औद्योगिक प्रगति हासिल की गई है, लेकिन नैतिक परीक्षण लागू किए बिना, पर्यावरण की कीमत पर इसे हासिल किया गया। इसलिए, इस सब के परिणामस्वरूप, मानव जाति आज अपने पर्यावरण और अपने अस्तित्व के लिए गंभीर खतरे का सामना कर रही है।

जिस प्रकार सभी पत्र- पत्रिकाओं और फिल्मों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद मिलता है, लेकिन उन्हें अश्लीलता और अश्लीलता से संबंधित परीक्षा पास करनी होती है, उसी प्रकार, सभी नीतियों, योजनाओं और विकासात्मक परियोजनाओं को नैतिकता की परीक्षा के अधीन किया जाना चाहिए। यदि वे मानवीय चरित्र की अवहेलना करते हैं, यदि वे हिंसा को बढ़ावा देते हैं, संघर्ष और तनाव बढ़ाते हैं, लोगों को उकसाते हैं, तो उन्हें अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। यदि कोई फिल्म महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना का उल्लंघन करती है और उनकी विनम्रता के खिलाफ अपमानजनक है या अगर यह सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने या जातियों के बीच दुश्मनी पैदा करने के लिए उत्तरदायी है, तो यह फिट के रूप में प्रमाणित नहीं है। इसी प्रकार, यदि कुछ कानून, अधिनियम, घोषणाएं, नीतियां या योजनाएं सार्वभौमिक नैतिक, मानवीय, सामाजिक या पर्यावरणीय मूल्यों का उल्लंघन करते हैं, तो उन्हें भी प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

सत्य हमेशा एक नैतिक इकाई है। इसलिए, कोई भी विचार, सिद्धांत या विश्वास - जो सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों का उल्लंघन करता है और क्रोध, लालच, शोषण, अन्याय या गला-काट प्रतियोगिता का कारण बनता है, सत्य नहीं है, भले ही वैसा प्रतीत होता हो। इसलिए, हमें यह जांचना चाहिए कि क्या हमारा विश्व-दृष्टिकोण, हमारी विश्वास-प्रणाली और हमारी अवधारणाएं नैतिक व्यवस्था या नैतिक अराजकता, उथल-पुथल और जीवन-मरण के संघर्ष का कारण बनती हैं। क्या वे महान भावनाओं को जन्म देते हैं या पूरी तरह से स्वार्थी, अहंकारी और शातिर प्रवृत्ति के हैं। अगर उनमें हमारे नैतिक पतन की ओर अग्रसर करने की संभावना है, तो हमें उन्हें छोड़ देना चाहिए और हमें अपनी वास्तविक पहचान को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करना चाहिए। हमारे जीवन का अंतिम लक्ष्य सद्भाव और शांति का जीवन जीना होना चाहिए। हमें पूर्णतया और अंततोगत्वा किसी भी ऐसी चीज को स्वीकार नहीं करना चाहिए जब तक कि वह इस कड़ी परीक्षा को पास न कर ले।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

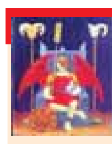

इस सप्ताह सुख और समृद्धि के संकेत हैं। आपके लिए खुशखबरी है, और आपके पास खुशी महसूस करने के कारण होंगे। भौतिक व आध्यात्मिक दुनिया में संतोष की भावना आपको जीवन के प्रति उत्साह महसूस कराएगी। आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। काम के मोर्चे पर, आपके पास स्वस्थ कार्यकाल होगा। आपके सहकर्मी या करीबी दोस्त चाहेंगे कि आप उनकी ओर ध्यान दें। सप्ताह के अंत तक, आप अपनी उपलब्धियों पर विचार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

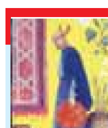

इस सप्ताह आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे। अप्रत्याशित समस्या का हल खोजने में आपको कठिनाई होगी। आपका मन दो सबसे प्रबल भावनाओं - आशंका और भय - द्वारा शासित होगा और यह आपको रात में सोने नहीं देगा। परिवार में सभी के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। काम का बोझ आपको तनावग्रस्त रखेगा। आपका पेशेवर जीवन आपके व्यक्तित्व के आक्रामक पक्ष का सामना करेगा। व्यस्त दिनचर्या से समय निकालना बहुत जरूरी है। अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** बुधवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

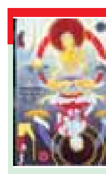

यह सप्ताह आपकी उत्तम क्षमताओं का गवाह बनेगा और आप प्रतिभा और रचनात्मकता का केन्द्र होंगे। आपके पास एक समय में कई कार्यों को प्रबंधित करने की क्षमता होगी। आप बहुमुखी हैं और आपकी खूबियां दूसरों द्वारा स्वीकार की जाएगी। इस सप्ताह आप काफी व्यस्त रहेंगे। एक समय आएगा जब आपको अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेने होंगे। यह निर्णय आपको सक्रिय करेगा और आप कई मसलों से निपटने में सक्षम होंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आपको अपने सारे प्रयासों और मेहनत का फल मिलेगा। आपने बहुत मेहनत की है, अब समय आ गया है कि आप प्रतिफल पाएं। आप अपने विचारों व कार्यों में शक्ति और अधिकार का अनुभव करेंगे। कार्य मोर्चे पर, पदोन्नति या महत्वपूर्ण पद मिलने की संभावना है। जो लोग राजनीति के क्षेत्र में हैं, उनके लिए यह समय निस्वार्थ भाव से काम करने और सच बोलने का है। प्रभावशाली व्यावसायिक व्यक्ति या एक बेहतर अधिकारी के रूप में आपकी छवि दूसरों पर अपनी छाप छोड़ेगी।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

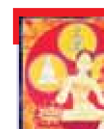

इस सप्ताह आप अपनी भावनाओं और भावनाओं को अपने व्यक्तित्व के विपरीत अपने दिल- दिमाग पर हावी होने देते हैं। आपके पास अपने जीवन में महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करने, विवाद सुलझाने या मसले हल करने के अवसर होंगे। अपना ध्यान उच्च ज्ञान की ओर लगाएं और भौतिक प्रलोभन पर विजय प्राप्त करें। कुछ पाने के लिए कुछ खोने के आसार हैं । कार्य स्तर पर, आपके धैर्य और सहनशक्ति को परखा जाएगा।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** मंगलवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

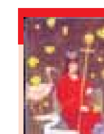

इस सप्ताह वित्त, व्यक्तिगत मूल्य व अर्थवत्ता आदि के प्रति जागरूकता मुख्य मुद्दे हैं जो आपका ध्यान आकर्षित करेंगे। महिला या स्त्री स्रोतों से अच्छी खबर मिलने के आसार हैं। आप स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहेंगे और चिकित्सा जांच हेतु डॉक्टर से मिल सकते हैं। कार्य मोर्चे पर, नए विचार आपको नए उद्यम में समय या धन का निवेश करने या न करने जैसे बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाएंगे। आप भारी निवेशों के साथ आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** धानी **शुभ दिन:** गुरूवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

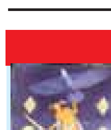

इस हफ्ते जीवन में संरक्षक की आपकी खोज समाप्त हो जाती है, जो दूसरों के लिए ज्ञान और अंतर्दृष्टि के रास्ते खोलती है। यह व्यक्ति आपको वो आराम और सहायता प्रदान करेगा, जिसकी आपको आवश्यकता है। आप मानसिक दु:ख या पीड़ा का अनुभव कर सकते हैं। कैरियर के मोर्चे पर, स्वयं पर भरोसा रखें और कंपनी के नियमों और नियमनों का पालन करें। अतीत के सपने समाप्त होंगे और नए उत्पन्न होंगे। शांत और स्थिर रहें वे चीजों को बिना किसी हस्तक्षेप या नियंत्रण के अपना क्रम पूरा करने दें।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** सोमवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

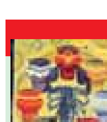

इस सप्ताह आपका भाग्य आपके सुअवसर प्राप्ति के लिए अनुकूल होगा और आप आरंभिक गणना की तुलना में अधिक लाभ कमा सकते हैं। आपके स्वास्थ्य, धन व पारिवारिक सुख में समृद्धि व वृद्धि होने की संभावना है। यह वो समय है जब सभी महिलाएं रचनात्मकता से भरपूर महसूस करेंगी और सृजनशील बनेंगी। कैरियर के मोर्चे पर, आपके काम को वरिष्ठ अधिकारी द्वारा स्वीकार और मान्यता दी जाएगी। बड़ी सफलता का संकेत है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरूवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

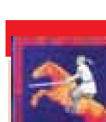

इस सप्ताह आप पारिवारिक जीवन व सुख का आनंद लेंगे। अत्यंत खुशहाल रिश्ते की शुरुआत होने के आसार हैं। परिवार के बच्चे अप्रत्यक्ष खुशी होते हैं। आप पूरे सप्ताह आशावादी रहेंगे। करियर के लिहाज से, आपके कार्य क्षेत्र के कठिन फैसले आपका ध्यान आकर्षित करेंगे। आप कंपनी की प्रणाली व अनुशासन का पालन करने के लिए बाध्य हैं। सप्ताह के अंत तक, आपको काम और आनंद को संतुलित करना होगा। आपका जुनून, लालच और इच्छाएं आपमें उच्च महत्वाकांक्षाएं जगाएंगी।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

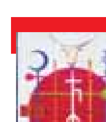

संचार की अति सक्रिय प्रकृति आपके लिए अच्छी स्थिति नहीं है। इस सप्ताह आप खुद को व्यस्त रखेंगे क्योंकि आप बेकार नहीं बैठ सकते। करियर स्तर पर, अपने काम से छुट्टी लेने और अपनी ऊर्जा व संसाधनों को वापस पाने हेतु कुछ समय के लिए आराम करने का समय है। सप्ताह के दौरानं, स्थिति में अचानक बदलाव आपको चौंका सकता है। अपनी बुद्धिमत्ता व कूटनीति का उपयोग कर आप समस्या का समाधान कर लेंगे। आपका ज्ञान आपको चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करने में मदद करेगा।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

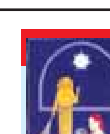

इस सप्ताह आप वित्त, प्रेम और काम के अपने सपनों का पीछा करेंगे। आप अपने सपनों को पूरा करने की यात्रा का आनंद लेंगे और फल प्राप्त करेंगे। पेशेवर मोर्चे पर, आपको अचानक आय व लाभ प्राप्ति होगी, जिससे आपमें आर्थिक स्थिरता आएगी। कोई विपरीत लिंगी व्यक्ति आपके पेशेवर काम को बढ़ावा देने में आपकी मदद करेगा। शुरुआती दिन आपके सभी कार्यों के प्रति समर्पित होंगे और सबसे अधिक संभावना है कि आप सफलता प्राप्त करेंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** बुधवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

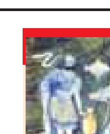

इस सप्ताह धन वृद्धि के तरीकों पर ध्यान रहेगा। ध्यान, आत्म-परीक्षा और जीवन -लक्ष्य के पुनर्मूल्यांकन की भी संभावना है। आप जीवन के सभी मामलों में अत्यंत हिसाबी व चुनींदा होने वाले हैं। एक नई आध्यात्मिक लौ या मार्गदर्शन आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। करियर के मोर्चे पर, काम और व्यवसाय आपको व्यस्त रखेंगे और अब आपके द्वारा किए गए प्रयास आने वाले समय में नजर आएंगे। वित्त को प्रतिबंधित करना और बुद्धिमानी से खर्च करना महत्वपूर्ण है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

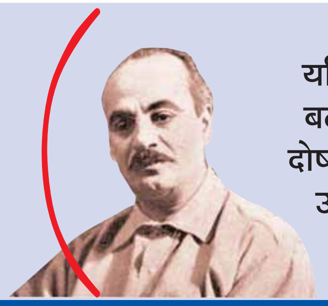

यदि आप अपने राज हवा से बताते हैं तो आपको हवा को दोष नहीं देना चाहिए कि उसने उन्हें पेड़ों को क्यों बताया।
- खलील जिब्रान

मानसिक स्वच्छता की आवश्यकता

विवेक बंसल का कहना है कि हमें अपनी मानसिक पवित्रता और शांति बनाए रखने के लिए समझदारी व भावनात्मक राहत तकनीक का इस्तेमाल करना शुरू करना चाहिए।

हाल के दिनों में, हम सभी सफाई के बारे में अत्यंत सचेत हो गए हैं। आजकल अपने हाथों व परिवेश को साफ रखने पर बहुत जोर दिया जाता है ताकि हम खुद को विभिन्न वायरसों से बचा सकें। बहुत सारे विषहरण तरीके हैं, जो हमें स्वस्थ रखने के लिए लोकप्रिय हो रहे हैं। उपवास, उच्च फाइबर व कच्चे खाद्य आहार, एनीमा और उच्च कोलोनिक्स, खारे पानी का स्नान, पंचकर्म, मिट्टी स्नान आदि कुछ काफी लोकप्रिय हैं। व्यायाम, योग और विभिन्न आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों द्वारा अपनी शारीरिक प्रतिरक्षा को मजबूत रखने पर बहुत जोर दिया गया है।

हमारे शरीर को बाह्य स्तर पर साफ रखने के लिए, हर दिन हम अपने दांतों को ब्रश करते हैं, स्नान करते हैं और ताजा साफ कपड़े पहनते हैं। दिन के दौरान हम कई बार अपने हाथ धोते हैं। हम रसोई की सतहों को साफ करने के लिए जीवाणुरोधक उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं, कपड़े धोने के डिटर्जेंट में कीटाणुनाशक, एक कार में एयर-फिल्टरिंग, नल के पानी के बजाय शुद्ध पानी। और बहुत सारे लोग हमारे स्टोर या रेस्तरां में आने के बाद कीटाणुओं से हाथों को साफ करने और समय-समय पर किसी भी सतह को छूने के बाद इस्तेमाल के लिए 'हैंड सैनिटाइजर' लेकर चलते हैं।

बाहरी स्वच्छता संबंधी यह जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण है। हमें बेकार की चिंताओं, बासी दृष्टिकोणों, क्रोध, अपराधबोध, हताशा, नीरस आक्रोश, ईर्ष्या, विश्वासघात जैसी दबी हुई भावनाओं से अपने मन को शुद्ध करने की वास्तविक आवश्यकता को महसूस करने की भी आवश्यकता है और यह जर्जर आत्म-छवियों का एक अनंत सिलसिला है। हमारा दिमाग इस अवांछित विकृत मसले को अपने भीतर संजोए रहता है जो हमारे व्यक्तित्व में अनेक अवरोधों का कारण बनता है, और हम अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पाते हैं।

हम में से अधिकांश लोग इससे आने वाली बदबू को नजरअंदाज करते रहते हैं और खुद को सामान्य दैनिक जीवन से परे धकेलते रहते हैं। हमारे दिमाग भरवां रेफ्रिजरेटर की तरह हो जाते हैं जो अजीबोगरीब गंध का उत्सर्जन करते हैं। किसी भी शेल्फ को चुनें और आप पीछे की ओर इतने पुरानी चीजों को देखेंगे तो हम उन्हें रखा जाना भी याद नहीं करेंगे। अनेक चीजें कुछ कोनों में छिपी हुई हैं। इनमें से कुछ चीजें अब बुनावट और फफूंदी से इतनी मोटी हो गई हैं कि वे अपने आपमें निर्जीव हो गयी हैं। दरअसल, हमारे रेफ्रिजरेटर के दिमाग के पीछे के हिस्से विद्रोह की हालत में हैं और अपने अपना खट्टा और बदबूदार राज्य स्थापित कर लिया है। यह इतना डरावना नजारा है कि अपने आवेग में आगे-पीछे की सभी वस्तुओं को जल्दी-जल्दी हिला देना है ताकि दुबारा ताजा संतरे का रस, ताजे चुने हुए आम, और ऑर्गेनिक अजवाइन एक बार पुन: उस सब में दिखाई दें।

अपने ठसाठस भरे दिमाग को साफ़ करना कोई छोटा सा काम नहीं है। इसमें थोड़ा समय, साहस, व धैर्य लगता है और साथ ही हमें कुछ अप्रिय खोजों के लिए खुद को कोसना पड़ता है। यदि कोई घर कई सालों से बंद है और जब हम उसे खोलते हैं और उसकी सफाई शुरू करते हैं, तो हमें सफाई की प्रक्रिया के दौरान बहुत सारी गंदगी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यदि हम गंदगी की मात्रा से भयभीत व हतोत्साहित हुए बिना सफाई की प्रक्रिया जारी रखते हैं, तो हम इससे निकलने वाली ताजा सुगंध को महसूस कर सकते हैं। और तब हमें एहसास होगा हमने इस तरह के इनाम के लिए बहुत छोटा बलिदान दिया है।

यदि आप जानना चाहते हैं कि संस्कृति और परिवार की गतिशीलता द्वारा अपने लिए चुने गए सामानों के बजाय अपने रेफ्रिजरेटर को स्टॉक करना कैसा लगता है तो बस छोटे बच्चों को खेलते हुए देखें - जो वे ज्यादातर समय करते हैं। औसत पूर्व-स्कूली बच्चा दिन में 350 से अधिक बार हंसता है। जबकि औसत वयस्क लोग लगभग दस बार हंसते हैं। क्यों? क्योंकि बच्चे साफ रेफ्रिजरेटर के साथ दुनिया में आते हैं।

अधिकांश लोग जीवन में पेशेवर स्थिति, शारीरिक आकर्षण, सामाजिक स्वीकृति आदि अधिक से अधिक चीजें जमा करने में अत्यंत व्यस्त हैं। उनके पास शायद ही अपने मानसिक वातावरण को साफ करने का समय है क्योंकि वे अपने व्यक्तित्व की बाहरी परत को सजाने में बहुत व्यस्त हैं। इन लोगों को शायद ही यह एहसास है कि आंतरिक सहजता

अगर हम अपनी मानसिक पवित्रता को बनाए रखना चाहते हैं और अपने परस्पर विरोधी दिमाग से नहीं, बल्कि पूरे मन से शांति और आनंद से काम करना चाहते हैं, तो हमें इन कुछ दिमागी सावधानी और भावनात्मक रिहाई तकनीकों का उपयोग शुरू करना होगा।

और शांति आलीशान सुख नहीं है बल्कि सबसे महत्वपूर्ण जरूरत है जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता है और इसे अपने अन्य कर्तव्यों और जीवन की आकांक्षाओं के साथ प्राप्त किया जा सकता है। हमें बस इसके बारे में जागरूक होने व अपनी मानसिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए विभिन्न समझदारी तकनीकों को सीखने की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता है।

हमें अपने मन की स्थिति को परखने के साथ शुरुआत करने व अन्य लोगों या स्थिति को दोष देने के बजाय स्वयं अपने विचारों और भावनाओं की जिम्मेदारी लेना शुरू करने की जरूरत है। हमें संकल्प करने की जरूरत है कि क्या मैं ईमानदारी से अपने जीवन को शांति से देखना चाहता हूं? क्या मैं ईमानदारी से एक ऐसा मन चाहता हूं जो शांति, पूर्णता और अपने साथी, बच्चों, माता-पिता, भाई-बहनों और दोस्तों के साथ एक गहरे जुड़ाव को जानता हो? या क्या मैं सिर्फ न्याय, नियंत्रण और सही होने की दयनीय स्थिति में बने रहना चाहता हूं?

विनाशकारी भावनाओं को निकालना और गहरे आवेगों को हमारे विचारों और भावनाओं पर नियंत्रण की आवश्यकता नहीं है। हमें परिस्थितियों, अपने व्यवहार, अन्य लोगों के व्यवहार, अपनी भावनाओं, अन्य लोगों की भावनाओं, अपने विचारों या अन्य लोगों के विचारों के साथ युद्ध नहीं करना होगा। हम बस युद्धरत नहीं हैं। यह बिलकुल उल्टा है। भावनात्मक निवारण की प्रक्रिया स्वतंत्रता है। और जब हम यह महसूस करना शुरू करेंगे कि हम बेकार के विचारों और भावनाओं के साथ एक बेकार लड़ाई लड़ रहे हैं, हम बस युद्ध के मैदान से दूर चले जाते हैं।

हम अधिक से अधिक भावनात्मक निवारण प्रक्रियाएं सीखने और अभ्यास करने पर ध्यान देना शुरू करेंगे। अनेक प्राणायाम अभ्यासों की मदद से, हम अपने भीतर ठसाठस भरी भावनाओं को निकाल बाहर कर सकते हैं। अपनी भावनाओं को किसी भरोसेमंद और परिपक्व व्यक्ति के साथ साझा करना अपनी मानसिक स्वच्छता को बनाए रखने का एक और बहुत शक्तिशाली तरीका है। कागज पर लिखना और फिर उसे जला देना एक और तकनीक है। विभिन्न मंत्रों का जाप करने से मन में व्याप्त नकारात्मकता को जलाया जा सकता है और अपने आसपास सकारात्मक ऊर्जा और स्फूर्ति पैदा की जा सकती है। यह हमारे दिमाग को सफाई करने के साथ उसे बेहतरीन खुश्बू में सराबोर कर देता है।

अगर हम अपनी मानसिक पवित्रता को बनाए रखना चाहते हैं और अपने परस्पर विरोधी दिमाग से नहीं, बल्कि पूरे मन से शांति और आनंद से काम करना चाहते हैं, तो हमें इन कुछ दिमागी सावधानी और भावनात्मक रिहाई तकनीकों का उपयोग शुरू करना होगा। सैनिटाइजर को ध्यान में रखकर, न केवल हम मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे, क्योंकि शरीर में अधिकांश बीमारियाँ विभिन्न प्रकार की दमित भावनाओं, तनाव और तनाव की अभिव्यक्ति हैं। तो तुरंत भावनात्मक निवारण की प्रक्रिया शुरू करें, यह लक्जरी नहीं है बल्कि खुश रहने की सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी आवश्यकता है।

-लेखक आध्यात्मिक जीवन के कोच हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

महामारी की तबाही

कोरोना वापस आ गया है। जैसा कि एक के बाद एक राज्य एक बार फिर से रात के कर्फ्यू और लॉक डाउन का सहारा ले रहे हैं, एक बड़ा मुद्दा यह है कि क्या हमारे पास अभी भी महामारी, इसकी उत्पत्ति और प्रकृति और समाधान का कोई ठोस विचार है ? स्पष्ट रूप से नहीं, क्योंकि हम अभी भी अंधेरे में टटोल रहे हैं। हमने जो उपाय किए, उन दवाओं के बारे में जो कुछ निर्धारित किया गया था और कुछ उत्पादों के उपयोग के माध्यम से तो वायरस की 99.99 प्रतिशत रोकथाम के दावे तक थे। लोग आँख बंद करके उन टेलीविजन विज्ञापनों और विज्ञापनों पर विश्वास कर रहे थे जो बहुत शोर मचा रहे थे। यह पृष्ठभूमि के मद्देनजर है कि हमें वैज्ञानिक रूप से जांचने की आवश्यकता है कि क्या हमारे पास वास्तव में महामारी का जवाब है । जबकि कोरोना से सुरक्षा प्रदान करने का दावा करने वाले व्यवसाय फले-फूले, मगर उनसे हमें प्रामाणिक उत्तर नहीं मिले। वास्तव में, यह एक सूचना संचालित भय मनोविकार था जिसने वायरस से अधिक कहर पैदा किया। इसको भुनाने के लिए एक बहुत ही शक्तिशाली फार्मा मार्केटिंग अभियान चला जिसने लोगों को सभी प्रकार के चिकित्सा विकल्पों की ओर अग्रसर किया। तो संक्षेप में, महामारी की तबाही को अंग्रेजी के केवल दो शब्दों में बड़े करीने से अभिव्यक्त किया जा सकता है - इंफोडेमिक एवं फार्मागेडोन।

मास्क और हैंड सैनिटाइटर जैसे सौंदर्यों ने भी प्रभाव में इजाफा किया और वो भी भारी लाभ के साथ। हालाँकि, विचार करने की बात यह है कि महामारी के साथ मुठभेड़ों की सदियों बाद हम कहां पर खड़े हैं। मानव अपने अस्तित्व के बाद से इन वायरल हमलों की तबाही का सामना कर रहा है। लगभग 2,000 वर्षों के अनुभव को देखते हुए सुझाव है कि हमारे प्रयासों में योगदान करने के लिए बहुत कुछ नहीं था क्योंकि लगभग डेढ़ से दो वर्षों में महामारी अपने दम पर कम हो गई। इस घटना की व्याख्या कैसे करें, जब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, दवाओं व जीव विज्ञान में हमारी प्रगति इतनी असहाय लगती है।

यह एक प्राकृतिक और चक्रीय घटना है जो समय-समय पर पृथ्वी पर घटती रहती है। या यह एक बड़ी मशीन द्वारा शुरू किया गया आत्म- सुधार है जो प्रकृति है। या फिर यह माँ प्रकृति की ओर से मानवता को एक तरह से संशोधन करने की चेतावनी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा के योगदान को नकारना नहीं है। लेकिन यह निश्चित रूप से यह बताता है कि प्रकृति की श्रेष्ठता निस्संदेह स्थापित है और मानव को इसे हाथ जोड़कर स्वीकार करना चाहिए। यही है जिसे प्रकृति बार-बार साबित करने की कोशिश कर रही है। प्राकृतिक घटनाओं के विनाशकारी प्रभाव की अनिवार्यता मानवता के लिए सबक है। यह दर्शाने के लिए कि मनुष्य चीजों की बड़ी योजना में कहां खड़ा है, न कि निर्णायक कारक के रूप में बल्कि व्यापक समग्र के एक छोटे हिस्से के रूप में। लेकिन इस प्रक्रि या में जो सामने आया, वह भ्रम था, जिससे राज्य की शक्ति की एकाग्रता और अराजकता के कारण मानसिक असमानता बढ़ गई, परिणामस्वरूप मनोविकार की स्थिति सामने आई। जैसा कि कोरोना को रोक पाना विफल होता है, आइए हम इसके दुष्प्रभावों से मुकाबला करने के तरीके और साधनों के बारे में जानें - आर्थिक मोर्चे पर नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर। बहुत से लोग यह समझाने की कोशिश कर सकते हैं कि दोनों ही परस्पर जुड़े हुए हैं। लेकिन तथ्य यह है कि ऐसा नहीं है। यह मनोवैज्ञानिक डर था जो आर्थिक मंदी का कारण बना। यह समझना समझदारी होगी कि अरबपतियों की संख्या बढ़ी जबकि गरीब आत्महत्या कर रहे थे। सहसंबंध शायद स्पष्ट न हो लेकिन बढ़ता सेंसेक्स और गिरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंध पेचीदा हैं। पदार्थ बनता या नष्ट नहीं होता है यह केवल हाथ बदलता है।

स्वभाव, नियति एवं आस्था

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि भगवान कृष्ण के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति की आस्था उसके स्वभाव के मुताबिक होती है। यह हमें भिन्न बनाती है।

जैसा कि मैंने भगवान में क्रमश: गहरे होते अपने विश्वास के कारण कई पुरस्कारों को प्राप्त करना शुरू कर दिया है, मैं सोचता हूं कि अधिक लोग आध्यात्मिक पथ का अनुपालन क्यों नहीं करते हैं। मुझे इस प्रश्न का उत्तर भगवतगीता से मिल गया। 17.3 श्लोक में, भगवान कृष्ण कहते हैं कि सभी का विश्वास केवल उनके अनुसार होता है। वह कहते हैं कि मानव प्रजाति में, व्यक्ति का जो भी विश्वास होता है वह केवल उसी का होता है। (17.3)

हम जानते हैं कि मानव प्रजाति के पास आस्था है और यही बात उन्हें अन्य प्रजातियों से अलग करती है। एक महिला, हालांकि उच्च शिक्षित है, मगर जो घरेलू गतिविधियों में खुद को लिप्त करने का फैसला करती है वह एक गृहिणी के रूप में जानी जाती है। इसी तरह, अभिनय कैरियर को अपनाने वाले व्यक्ति को एक फिल्मस्टार के रूप में जाना जाता है। पेशे से क्रिकेट खेलने वाले व्यक्ति को एक क्रिकेटर के रूप में जाना जाता है, आदि । वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास है कि ये गतिविधियाँ उनके लिए सबसे अच्छी हैं, और वे इसी रूप में जानी जाती हैं।

भाग्य के दो हिस्से होते हैं। एक, जिसे आम तौर पर जाना जाता है, ऐसी घटनाओं से जुड़ा होता है जैसे कि कोई व्यक्ति बहुत ही आकर्षक नौकरी करता है। दूसरा, जो इतनी अच्छी तरह से ज्ञात नहीं है, वो व्यक्तिगत स्वभाव है। लोग अपने पिछले कृत्यों के कारण कुछ निश्चित स्वभावों के साथ पैदा होते हैं। और हम जानते हैं कि वैयक्ति स्वभाव तीन अवस्थाओं के उत्पाद हैं। भगवान कृष्ण ने कहा है कि मनुष्य का विश्वास तीन प्रकार का होता है, अर्थात् अच्छाई में, उत्साह में व अंधकार में। (17.2) एक आईएएस अधिकारी ने नौकरी से रिटायर होने के बाद आदिवासियों की सेवा करने के लिए एक आदिवासी क्षेत्र में रहने का फैसला किया। उनकी आस्था भलाई में है। व्यवसायी के परिवार में पैदा हुआ एक लड़का जुनून में है, क्योंकि वह अपने आगामी जीवन में एक व्यवसायी का कैरियर अपनाता है। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण आत्माएं अंधकार की अवस्था में पैदा होती हैं और अपराधी आदि बन जाती हैं। उनका विश्वास ऐसी गतिविधियों में होता है।

सौभाग्य से, हमारे स्वभाव तयशुदा नहीं हैं, उन्हें बदला जा सकता है, लेकिन इसे सफलतापूर्वक करने में सक्षम होने के लिए भारी प्रयास करने होंगे। मैं अपने जीवन से पूर्णतया खुश नहीं था। मैंने कारणों की तलाश की और पाया कि मेरा स्वभाव कई मामलों में दोषपूर्ण था। इसलिए, मैंने इसे बदलने का निर्णय किया है। इस तरह से मैंने शुरूआत की। हम निरंतर कुछ इच्छाएं रखते हैं। उनमें से ज्यादातर गंभीर नहीं होती हैं, और हम यह जानते हैं। स्वभाव में परिवर्तन के लिए, हमें गहन इच्छा की आवश्यकता होती है, अर्थात् अपने भीतर की गहन गहराई से सोचना चाहिए कि हमें वास्तव में यह चाहिए। तब और तभी हम वो प्राप्त करने के लिए आवश्यक तपस्या कर पाएंगे। वे लोग, जो बचपन में शुरुआत कर लेते हैं, वे भाग्यशाली होते हैं, उनके माता-पिता ने उनका साथ देने के उदाहरण पेश किए। मेरे पिता हनुमानजी के भक्त थे और मेरी माँ रामजी की भक्त थीं। उन्होंने बहुत ही अनुकरणीय जीवन जीने की कोशिश की, जिसका मुझ पर गहरा असर हुआ। मैं उनके उदाहरणों से जानता था कि वास्तव में क्या वांछनीय था लेकिन स्वयं के लिए अपने जीवन में बहुत बाद तक लागू नहीं कर पाया। मैंने गीता के माध्यम से भगवान की मदद ली। शाश्वत ज्ञान की यह पुस्तक मेरी मार्गदर्शक बनी। भगवान मेरे शिक्षक बने और मैंने शुरुआत की। मेरी प्रकृति में सूक्ष्म परिवर्तन होने लगे, लेकिन मूल्य छोटा नहीं था, क्योंकि हम वही हैं जो हमारा स्वभाव है, जैसा कि पहले कहा गया था। और स्वयं को अस्वीकार करना बहुत सुखद नहीं होता है। लेकिन मैं दृढ़ रहा। वास्तव में जिससे मदद मिली, वह थी मेरे स्वभाव में अच्छाई की भावना। अन्य दो अवस्थाएं कुछ हद तक वश में होने लगी। हम नहीं जानते हैं कि तीनो अवस्थाएं सदैव अन्य दो पर हावी होकर प्रभावी बनने की कोशिश करती रहती हैं। (14.10) मेरे आध्यात्मिक कृत्यों, जिन्हें मैंने तब तक गंभीरता से करना शुरू कर दिया था, ने मेरी सहायता की। तन, मन और बुद्धि का शुद्धिकरण हो रहा था। इन सभी ने भगवान में विश्वास को सुदृढ़ करने में योगदान देना शुरू किया।

मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि यह कठिन रहा है और अब भी यह आसान नहीं है, लेकिन मैंने प्रगति की है। मेरा स्वभाव बेहतर है या यह कहें कि मुझे अपनी आस्था में अधिक मजबूती से विकसित होने के लिए थोड़ा और ज्यादा अधिक सहनीय होने की आवश्यकता है।

पायनियर
एजेण्डा

कोई मुझे सिर्फ इसलिए काम करने से मना नहीं कर सकता क्योंकि मैं एक महिला हूं। अगर मैं कल मां बनना चाहती हूं और काम नहीं करना चाहती, तो भी ठीक है। अगर मैं मां बनने के बाद काम करना चाहती हूं, तो वह भी ठीक है। यह मेरी पसंद है। - नीति मोहन

‘सच के साथ रहने से विवाद कम और जनता का साथ अधिक मिलता है’

निर्देशक गार्थ डेविस बता रहे हैं कि महिलाओं को एक लंबे समय तक चुप करके रखा गया है। ऐसे में यदि वो उनकी कुछ कहानियां सामने ला सकते हैं तो वो ऐसा करते रहेंगे। टीम पायनियर की प्रस्तुति -

❐ आपको मैरी मैगडेलीन बनाने की कैसे सूझी क्योंकि आम जनता के लिए इसे कॉमर्शियल फिल्म तो कहा नहीं जा सकता?

आम जनता के लिए बनाई जाने वाली कॉमर्शियल फिल्मों में कभी भी विषय को गहराई से लिया ही नहीं जाता। जब तक वे ऐसा नहीं करते, मैं करता रहूंगा। मैं इस फिल्म की स्क्रिप्ट से बहुत प्रभावित था क्योंकि इसमें आध्यात्मिकता और मानवता को प्रमुखता से रखा गया है। मैं धार्मिक व्यक्ति नहीं हूं लेकिन कहानी के इस संस्करण ने तो मुझे भी प्रभावित किया। मैं विशेष रूप से इस बात को लेकर निराश था कि मैरी को हजारों सालों तक सही ढंग से प्रस्तुत ही नहीं किया गया। यही कारण था कि मैंने इसे लोगों के सामने रखने का दायित्व संभाल लिया। को एक लंबे समय तक चुप करके रखा गया है, ऐसे में यदि वो उनकी कुछ कहानियां सामने ला सकते हैं तो वो ऐसा करेंगे।

❐ इसके लिए आपको कितना शोध आदि करना पड़ा? क्या किसी भी बिंदु पर आप इसे बनाने को लेकर आशंकित थे क्योंकि ये विवादित हो सकता था?

हमनें पटकथा और निर्माण के हर पहलू पर गहन शोध किया था। इसके लिए हमनें धार्मिक और ऐतिहासिक पाठ्यों का अध्ययन किया। इसके अलावा ऐतिहासिक तथा बाइबल से जुड़े यहूदी, ग्रीक ऑर्थोडॉक्स, कैथोलिक परामर्शदाताओं से भी बात की। हमनें गोस्पेल ऑफमार्क और गोस्पेल ऑफ मैरी का भी संदर्भ दिया है। हमारी कोर टीम सी ऑफगैलीली में स्थित मैगडेला तथा यरुशलम भी गई थी। वहां हम पुरातत्वविदों तथा इतिहासविदों से भी मिले। पहले तो मैं इसमें आगे बढ़ने से हिचकिचा रहा था लेकिन इसके बाद में मुझमें उत्साह आने लगा। हमें पता था कि हम जो भी बना रहे हैं वो उन फिल्मों से तो कम ही आक्रामक होगी जिन्होंने मैरी के सच की अनदेखी की है और महिलाओं को गलत ढंग से चित्रित किया जो एक प्रकार से तो अक्षम्य है।

❐ इस प्रकार की धार्मिक रूप से संवेदनशील फिल्म के लिए विषय की सच्चाई पर टिके रहना कितना महत्वपूर्ण है? क्या इससे फिल्म की रचनात्मकता पर भी कोई प्रभाव पड़ता है?

वास्तव में ये हम किसी भी प्रकार के विवाद से बचने के लिए ही करते हैं। इसके अलावा हम यदि सच्चाई को ही सामने रखेगें तो लोगों का साथ भी हमें मिलता रहेगा। कुछ निहित स्वार्थ के चलते कई धार्मिक संस्थाएं सच को दबा कर रखना चाहती हैं। सच्चाई तो एक ही है कि भगवान या ईश्वर एक है और वो हमारे भीतर है। हम अपने प्यार और दया से ही दुनिया में बदलाव ला सकते हैं।

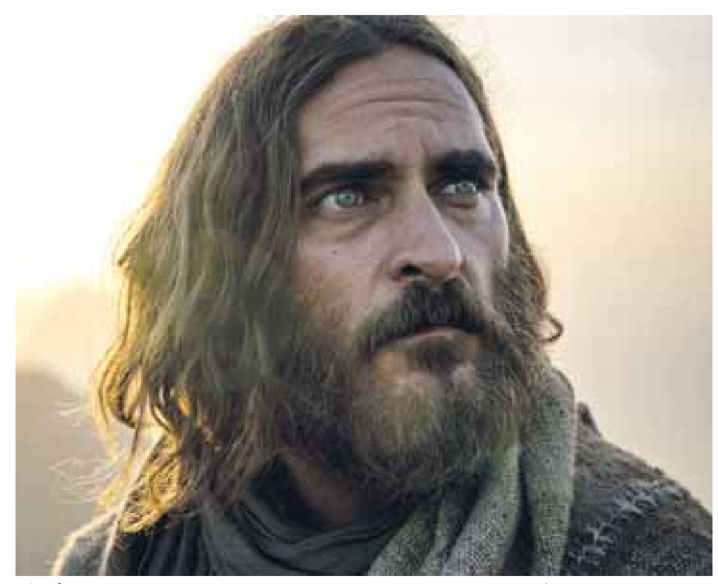

❐ आप इसमें कई प्रमुख कलाकारों- रूनी मारा, जोकिन फीनिक्स, शिवेटेल एजियोफॅर आदि को साथ लाने में सफल रहे हैं। क्या आप इतने प्रतिभाशाली कलाकारों तथा पूरी टीम के साथ काम करने के अपने अनुभवों के बारे में हमें कुछ बताएंगे?

जी हां, ये सही है कि हमारे कलाकार और पूरी टीम अत्यंत प्रतिभाशाली है। हम सभी ये जानते और अनुभव करते थे कि हम मिलकर कुछ अत्यंत गहन और महत्वपूर्ण तथा तथ्यपरक कहानी बना रहे हैं।

❐ आपके अनुसार भारतीय दर्शकों के लिए इसमें क्या आकर्षण है जो ईसाइ भी नहीं हैं?

ये कोई धार्मिक फिल्म नहीं है। ये मैरी की आंखों से देखी गई जीसस की यात्रा पर एक आध्यात्मिक मेडिटेशन जैसी है। इसमें परिवार, परंपराएं, लैंगिक राजनीति के साथ ही हर बिंदु पर सच्चाई प्रस्तुत की गई है। मुझे आशा है कि भारतीय दर्शक इस फिल्म में दिखाई गई मानवता, जो जब भी मैं भारत गया, मुझे दिखाई दी, की सराहना अवश्य करेंगे।

❐ क्या इस प्रकार की फिल्म का निर्देशन करने की राह में आपको किसी प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

एक डर सदैव रहता है कि कहीं तथ्यों को लेकर किसी प्रकार की गलती न हो जाए। इतिहास सदैव ही ऐसी दरारों को पाटने का ही काम करता है जो हमारी समझ और जानकारी के बीच रहता है और इस विषय में तो गहरे विषयांतर हैं। अत: हमनें जो राह चुनी वो दायित्वबोध के चलते चुनी। लेकिन हम एक सच्चाई दुनिया के सामने रख रहे थे और यही तथ्य हमें ऊर्जा प्रदान कर रहा था। इसके अलावा हम मैरी की आंखों से जीसस के बारे में एक नया आयाम प्रस्तुत करने वाले थे।

❐ आपकी आने वाली फिल्में कौन सी हैं? क्या कोविड के कारणसा इसमें कोई व्यवधान पड़ा, यदि हां तो कैसे?

मेरे पास कुछ काम है जो विकास के विभिन्न चरणों में है। ये सही है कि कोविड के कारण उनपर असर पड़ा है। ये अवरोध अभिनेताओं की उपलब्धि तथा सीमाओं के बंद होने के कारण हैं। इससे काफी निराशा हुई लेकिन परिवार के साथ जो समय इस अवधि में बिताया वो अत्यंत आवश्यक था।

(फिल्म 2 अप्रैल को रात्रि 9 बजे से सोनी पिक्स पर प्रीमियर होगी)

बादाम की अच्छाइयों के साथ मनाएं रंगों का त्यौहार

मुंबई। इस साल होली मनाने के पुराने प्रचलित तरीके बदल दें। पानी वाले रंग लगाने और लोगों पर वॉटर बलून फेंकने की बजाय हम ज्यादा सोच.समझकर ऑर्गेनिक रंगों का चुनाव कर सकते हैंए कम बर्बादी करने के उपाय सोच सकते हैं और अपनों को ज्यादा से ज्यादा हेल्दी और पौष्टिक चीजें तोहफे में दे सकते हैं। चूंकिए परिवार में कम लोगों से मिलना-जुलना हो पायेगा तो ऐसे में जब हम उनके पास मिलने जायें तो आम मिठाई और गुझिया के बदले बादाम जैसे स्वादिष्ट नट्स साथ लेकर जायें। बादाम को अच्छी सेहत का तोहफा भी माना जाता हैए जो इसे अपने दोस्तों, परिवार के लोगों और अपनों को देने के लिये बेहतरीन विकल्प बनाता है।

जानी-मानी सेलिब्रिटी फिटनेस इंस्ट्रिक्टार यास्मिन कराचीवाला के अनुसार होली में इतनी सारी मौज.मस्ती और नाच-गाना करने के लिये पूरे त्यौहार के दौरान ऊर्जा बनाये रखना बहुत जरूरी है। होली खेलने जाने से पहले भरपेट नाश्ता करें और उसे पूरा करने के लिये एक मुट्ठी बादाम जरूर खायें। यह ऊर्जा बढ़ाने वाली चीज मानी जाती है और आपको त्यौहार का पूरा आनंद उठाने की ताकत भी देगी।

ऋतिका समद्दार रीजनल हेड- डाइटेटिक्सक मैक्स हेल्थ केयर, दिल्ली ने कहा इस समय सेहत सबसे महत्वपूर्ण हो गयी है। मौजूदा स्थिति अपनी सेहत का ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने और एक अच्छी लाइफस्टाइल जीने पर जोर देती है। तोहफे में देने के लिये बादाम अच्छी चीज है क्योंकि इसमें इम्युनिटी को बेहतर बनाने वाले पोषक तत्व जैसे कॉपरए जिंकए फॉलेट, आयरन और विटामिन ई पाया जाता है। इस वजह से ही बादाम तोहफे में देने के लिये अच्छा विकल्प हैए जोकि तोहफा पाने वाले की सेहत को बेहतर बनाने का काम करता है। होली के मौके पर अपनों को बादाम का तोहफा जरूर दें। शीला कृष्णा स्वामी, न्यूट्रीशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट का कहना है बादाम दिल की सेहत में सुधार लाने के लिये एक अच्छा तोहफा माना जाता है। किंग्स कॉलेज लंदन के हालिया अध्ययन में यह बात सामने आयी है कि जिन लोगों को सीवीडी का खतरा औसत से ज्यादा होता है।

कैलाश कालोनी नई दिल्ली में एक सैलून के उद्घाटन के दौरान अपनी मां अमीना के साथ अभिनेत्री हुमा कुरैशी फोटो: पंकज कुमार

हंगामा प्ले के ओरिजिनल शो स्वांग में अभिनय करते दिखेंगे टीवी सितारे

लखनऊ। लोकप्रिय टीवी सितारे अनुष्का सेन, हितेन तेजवानी, मानसी श्रीवास्तव, एलन कपूर और अनुराग शर्मा हंगामा प्ले के आगामी ओरिजिनल शो ष्स्वांगष् में शीर्ष भूमिकाएं निभाते नजर आएंगे। रहस्य, असमंजस और शक से भरपूर ष्स्वांगष् एक ऐसा क्राइम थ्रिलर है, जो दो बहनों के इर्द.गिर्द घूमता है। संयोगवश इन दोनों बहनों को एक ऐसा चौंकाने वाला राज पता चल जाता है, जो उनके शांतिपूर्ण और सुखद छोटे से शहर में तूफान मचा देता है।

झांसी की रानी, बाल वीर, महादेव तथा समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म लिहाफ में जोरदार अभिनय करने वाली लोकप्रिय अभिनेत्री अनुष्का सेन का कहना है. गुणवत्तापूर्व प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना किसी भी अभिनेता या अभिनेत्री के लिए हमेशा एक संतोषदायक अनुभव हुआ करता है, फिर चाहे वह कोई शो हो, फिल्म हो या वेब सीरीज हो। ऐसे प्रोजेक्ट हर अभिनेता को चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने में सक्षम बनाते हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने लाते हैं। मैंने स्वांग में काम करना इसलिए पसंद किया कि इसकी स्क्रिप्ट बड़ी दिलचस्प है और बांध कर रखने वाला ऐसा कथानक है, जो निश्चित ही दर्शकों पर अपनी गिरफ्त बनाए रखेगा। मैं इस शो के मुख्य किरदार ष्मुस्कानष् को निभाते हुए बेहद उत्साहित हूंए जो ष्स्वांगष् के चक्रव्यूह को छिन्न.भिन्न कर देती है। मेरे प्रशंसकों के लिए यह सीरीज बड़ी ही रोचक होगी क्यूंकि इसमें वे मुझे एकदम नए अवतार में देखेंगे।

कुटुंब, बालिका वधू, कसौटी जिंदगी की, गुप्ता ब्रदर्स जैसे कई टीवी शो में नायाब भूमिकाएं निभाकर मशहूर हुए हितेन तेजवानी बताते हैं, श्जब मैंने स्वांग की स्क्रिप्ट पढ़ी तो उसी वक्त तय कर लिया था कि मुझे इसमें काम करना ही है। क्राइम थ्रिलर देखना सबको पसंद है और मुझे पूरा भरोसा है कि रिलीज होने के बाद स्वांग में इस शैली का सबसे लोकप्रिय शो बनने की संभावना और क्षमता मौजूद है। इस शैली को मैंने पर्याप्त रूप से खंगाला नहीं है, और यही वजह है कि इस तरह के थ्रिलर में अभिनय करना ज्यादा दिलचस्प हो जाता है।

इश्कबाज, दो दिल बंधे इक डोरी से, पीटरसन हिल, ससुराल सिमर का, इश्क में मरजावां 2 जैसे कई कामयाब टीवी शो की स्टार मानसी श्रीवास्तव ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में करियर बनाने का एक मजा यह भी है कि मुझे अपनी भूमिकाओं के साथ प्रयोग करने को मिलता है। कुछ खास स्क्रिप्ट ऐसी होती हैं, जिनको पढ़ते ही आप उनका हिस्सा बनना चाहते हैं। मुझे अहसास हो गया था कि मुझे स्वांग में काम करने से हरगिज नहीं चूकना चाहिए। इसके अलावा एक दिलचस्प और प्रतिभाशाली स्टारकास्ट के साथ शूटिंग करने का मजा ही कुछ और है।

‘अभिनेता चयन-प्रक्रिया में परिवर्तन फिल्म उद्योग में सबसे बड़ा बदलाव’

अभिनेता अमित साध को आप शीघ्र ही उनकी वेब सीरीज़ ‘सात कदम’ में देखेंगे। उनका कहना है कि बॉलिवुड में बीते सालों के दौरन जो सबसे बड़ा परिवर्तन देखा गया है वो अभिनेताओं के चयन प्रक्रिया में हुआ है।

उनके अनुसार कास्टिंग निर्देशकों के कारण अब अधिक से अधिक लोगों को फिल्मों में काम मिल रहा है। अमित बताते हैं, ‘मेरे विचार से फिल्म उद्योग में बीते समय में जो सबसे बड़ा परिवर्तन देखा गया है वो अभिनेताओं के चयन को लेकर हुआ है। मैं टेस जोसेफ, श्रुति महाजन, शानू तथा मुकेश छाबड़ा जैसे अपने कास्टिंग निर्देशकों का कृतज्ञ हूं जिनका मैं सम्मान करता हूं और सदा करता रहूंगा, जिन्होंने मुझे फिल्म काई पो चे, जैसी फिल्म के लिए चुना। यदि ये कास्टिंग निर्देशक न होते तो मैं तो कहीं भी दिखाई ही न दे रहा होता।

अभिनेता ने बताया कि इसके अलावा भी कई परिवर्तन हुए हैं जिनके कारण अब फिल्म उद्योग एक अच्छे कार्यस्थल के रूप में सामने आया है।

आगे उनका कहना है, ‘हम आगे बढ़ रहे हैं और बदलाव भी ला रहे हैं तो इस प्रकार से हम एक महान इंडस्ट्रह बनते जा रहे हैं। मैं किसी की आलोचना या उसके प्रति नकारात्मक कुछ नहीं कह रहा। हम महान इंडस्ट्रह हैं और उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। हम एक दूसरे से प्यार करेंगे, बात करेंगे और इस प्रकार हम अच्छी और महान फिल्में भी बनाते रहेंगे।’

उनका कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उनके प्रति बहुत दयालु रही है।

बात को आगे विस्तार देते हुए अमित बताते हैं, ‘मुझे भारतीय फिल्म उद्योग ने बहुत कुछ दिया है। मैंने बहुत कुछ सीखा है और अब किसी से कोई परिवाद नहीं है। मैं अपने आपको और अपनी कला तथा काम को और अच्छा बनाने पर ध्यान देता रहता हूं। जो संबंध और प्यार मुझे अपने लोगो, दर्शकों, प्रशंसकों के बीच मिलता है वो अतुलनीय पुरस्कार है। मैं भारतीय सिनेमा का एक कलाकार के रूप में प्रतिनिधित्व करके गर्व का अनुभव करता हूं।’

उन्होंने ‘सात कदम’ के बारे में बताते हुए कहा कि वो इस बात से बहुत प्रसन्नता अनुभव करते हैं कि अब दर्शक उनके काम को देख सकेंगे।

उन्होंने बताया, ‘मैंने ये परियोजना वर्ष 2014 में साइन की थी और ये 2015 में बनने भी लगी थी। मुझे बस इतना याद है कि मेरा उत्साह सातवें आसमान पर था। एक अभिनेता के रूप में मुझे सबसे बड़ी प्रसन्नता इस बात की है कि मेरा काम, जो पहले रुका पड़ा था, अब लोगों के सामने आ सकेगा। इस समय मैं बहुत प्रसन्न हूं और मेरे चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान है क्योंकि मुझे पता है कि अब मेरा काम लोगों के सामने आ सकेगा।’

उन्हें आशा है कि उनकी ये सीरीज़ सभी को अच्छा लगेगी।

‘इस सीरीज़ की थीम पारिवारिक है; फुटबॉल इसका एक पहलू मात्र है। मुझे आशा है कि लोग इस कहानी से जुड़ाव का अनुभव करेंगे। इसकी कई बातें सामान्य जनता से जुड़ाव रखती हैं’, उन्होंने बताया।